Postal Regn No.Jaipur City/007/2018-20 || पश्चिमी राजस्थान की आवाज || मूल्य : दो रुपये

दैनिक जलते दीप

संस्थापक स्व. माणक मेहता

www.dainikjaltedeep.com वर्ष: 22 अंक: 357 जयपुर, शनिवार 25 जनवरी, 2020 कुल पृष्ठ: 8 Email : news@dainikjaltedeep.com

चौखी बात

ऋण, शत्रु और रोग को कभी छोटा नही समझना चाहिए और हो सके तो इन्हें हमेशा समाप्त ही रखना चाहिए

चाणक्य

।। दसवां वेद ।।

उत्तम गुणकारी हुवै, स्वारथ बिना सुजाण।
करसण सींचै जळ भरे, मेह न मांगै दाण।।

(अर्थ व कथा पेज चार पर)

एक नजर

जयपुर जिलें में तीन लाख 28 हजार के जाली नोट बरामद

जलतेदीप कासं, जयपुर। राजधानी जयपुर में शुक्रवार को एओजी ने बड़ी कार्रवाई करते हुए बस्सी इलाके में तीन लाख 28 हजार से अधिक के जाली नोट बरामद किए है। एसओजी की टीम ने मौके से सरदार गुर्जर और सुरेन्द्र नामक आरोपी को गिरफ्तार किया है। साथ ही एक बाल आपचारी को निरूद्ध कर लिया है। एसओजी अनिल पालीवाल ने बताया कि बीती देर रात बस्सी इलाके में जाली नोट बनाकर उसे मार्केट में चलाने की की सूचना मिली थी। सूचना पर मौके पर दबिश देकर इस कार्रवाई को अंजाम दिया गया।

आधार, हड़ताल, डब्बा और शादी ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी में शामिल

एजेंसी, नई दिल्ली। ऑक्सफोर्ड एडवांस्ड लर्नर्स डिक्शनरी के नवीनतम संस्करण में 26 नए भारतीय अंग्रेजी शब्दों को शामिल किया गया है। जिसमें आधार, चॉल, डब्बा, हड़ताल और शादी जैसे शब्दों को जगह दी गई है। शब्दकोश के 10वें संस्करण को शुक्रवार को लॉन्च किया गया। डिक्शनरी के नए संस्करण में 384 भारतीय अंग्रेजी शब्द हैं। इसके अलावा 1,000 नए शब्द जैसे चैटबॉट, फर्जी समाचार और माइक्रोप्लास्टिक को भी जगह दी गई है।

मौनी अमावस्या पर संगम में एक करोड़ लोगों ने लगाई आस्था की डुबकी

एजेंसी, प्रयागराज। मौनी अमावस्या पर शुक्रवार को संगम पर पुण्य की डुबकी लगाने के लिए श्रद्धालुओं की आस्था, भक्ति और विश्वास की त्रिवेणी में भक्ति का सागर उमड़ पड़ा। चाहे स्नान घाट हों या संगम के रास्ते, हर तरफ जन ज्वार हिलोरें मारता रहा। मेला प्रशासन ने शुक्रवार शाम तक एक करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के संगम में डुबकी लगाने का दावा किया। आधी रात दो बजे से ही संगम में आस्था का मौन स्नान आरंभ हो गया। रेलवे स्टेशनों, बस अड्डों से लेकर निजी वाहनों से बड़ी तादाद में श्रद्धालु संगम की ओर बढ़े। पुण्य की डुबकी लगाने के लिए लाखों श्रद्धालुओं से स्नान घाट पैक हो गए। चाहे लाल सड़क हो या काली सड़क या फिर झूंसी, अरैल और दारागंज से संगम की ओर से जाने वाले मार्ग।

भारत ने न्यू जीलैंड को 6 विकेट से हराया

एजेंसी, ऑकलैंड। केएल राहुल (56), विराट कोहली (45) और श्रेयस अय्यर (नाबाद 58 रन) की तूफानी बैटिंग की बदौलत भारतीय टीम ने शुक्रवार को पहले टी-20 इंटरनैशनल मैच में न्यूजीलैंड को 6 विकेट से हरा दिया। इस तरह टीम इंडिया ने 5 मैचों की टी-20 सीरीज में 1-0 की महत्वपूर्ण बढ़त ले ली है। ईडन पार्क मैदान पर भारत ने टॉस जीतकर बॉलिंग चुनी और कीवी टीम ने 5 विकेट पर 203 रनों का स्कोर खड़ा किया, जवाब में टीम इंडिया ने 19 ओवर में 204 का स्कोर बनाकर मैच जीत लिया। राहुल ने 27 गेंदों में 4 चौके और 3 छक्के लगाए, जबकि विराट ने 32 गेंदों में 3 चौके और 1 छक्का लगाया।

फटकारो...

विधानसभा का बजट सत्र: राज्यपाल के अभिभाषण से हुई शुरूआत

अभिभाषण में हंगामा, नेता प्रतिपक्ष बोलते रहे, बाद में सदन से वॉकआउट किया

जलतेदीप विसं, जयपुर

राजस्थान विधानसभा का बजट सत्र शुक्रवार से शुरू हो गया। सत्र की शुरुआत ही हंगामेदार रही। राज्यपाल के अभिभाषण का विपक्ष ने बहिष्कार किया। राज्यपाल कलराज मिश्र ने जैसे ही अभिभाषण पढ़ना शुरू किया, नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया ने बोलना शुरू कर दिया।

कटारिया ने आरोप लगाया कि यह सत्र नियम विरुद्ध बुलाया गया है। कटारिया लगातार बोलते रहे और राज्यपाल अपना भाषण पढ़ते रहे। इसके बाद विपक्ष ने वॉकआउट किया। भाजपा विधायक दल के साथ राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी ने भी वॉकआउट किया, लेकिन भाजपा के वरिष्ठ सदस्य कैलाश मेघवाल सदन में ही बैठे रहे। बाद में उन्हें पार्टी के नेताओं ने मनाकर सदन से वॉकआउटमें शामिल कराया। राज्यपाल ने अभिभाषण में सरकार का विजन पेश किया।

सीएए के खिलाफ आज विधानसभा से पारित होगा प्रस्ताव, गहलोत कैबिनेट ने दी मंजूरी

15वीं राजस्थान विधानसभा के चौथे सत्र में अब शनिवार को सीएए के खिलाफ विधानसभा से प्रस्ताव पारित करवाया जाएगा। इससे पहले गहलोत कैबिनेट ने सीएए के खिलाफ प्रस्ताव को सर्क्युलेशन के जरिये मंजूरी प्रदान कर दी है। इससे पहले केरल और पंजाब सरकारें भी सीएए के खिलाफ विधानसभा से प्रस्ताव पारित कर चुकी है।

कांग्रेस ने अपने विधायकों को पूरे समय सदन में मौजूद रहने के निर्देश दिए

गहलोत कैबिनेट ने भी इस प्रस्ताव का सर्कुलेशन से अनुमोदन किया है। सत्ता धारी पार्टी कांग्रेस ने अपने विधायकों को 25 जनवरी को पूरे समय सदन में मौजूद रहने के निर्देश दिए हैं। सरकारी मुख्य सचेतक महेश जोशी ने व्हिप जारी किया है।

विधायक विश्नोई टिड्डियों का टोकरा लेकर सदन में आए

- भाजपा विधायक संतोष टिड्डियों से किसानों की बर्बादी का बैनर पहने गई सदन में
- दोनों विधायकों ने सरकार से की मांग
- टिड्डियों से बर्बाद फसलों का किसानों को दें पूरा मुआवजा

पश्चिमी राजस्थान में टिड्डियों से बर्बाद हुई फसलों का मुद्दा अब राजधानी तक पहुंच गया है। नोखा से भाजपा विधायक बिहारीलराल बिश्नोई ने टिड्डियों से हुई बर्बादी पर सरकार का ध्यान खींचने के लिए अनूठा तरीका अपनाया।

बिश्नोई टिड्डियों से भरा टोकरा लेकर ही विधानसभ पहुंच गए, टोकरे को गिफ्ट हैंपर की तरह पैक करके उनमें पूरी टिड्डियां भरी हुई थीं। हालांकि सुरक्षा कारणों के चलते बिश्नोई को इस टोकरे को सदन के भीतर ले जाने की अनुमति नहीं दी गई। उधर सूरतगढ़ से भाजपा विधायक संतोष टिड्डियों से हुए नुकसान के फोटो नारे लिखा बैनर पहनकर विधानसभा आयी। दोनों विधायकों ने सरकार से टिड्डी से बर्बाद हुई फसलों का किसानों को पूरा मुआवजा देने की मांग की। विधानसभा में शुक्रवार को बिहारीलाल बिश्नोई के इस प्रदर्शन की जबर्दस्त चर्चा रही।

बिहारीलाल बिश्नोई ने कहा कि पश्चिमी राजस्थान में टिड्डियों ने किसानों की फसलों को पूरी तरह बर्बाद कर दिया है, सरकार केवल दो हैक्टेयर तक के नुकसान का ही मुआवजा दे रही है, सरकार को पूरे नुकसान का मुआवजा दे। इसके अलावा टिड्डियों के प्रकोप से निपटने के लिए समय रहते कदम नहीं उठाए गए। सूरतगढ विधायक संतोष ने कहा कि राज्य सरकार केंद्र की जिम्मेदारी का तर्क देकर बच नहीं सकती, टिड्डी नियंत्रण से लेकर नुकसान तक की जिम्मेदारी लेते हुए किसानों को राहत देनी चाहिए। भाजपा इस मुद्दे को विधानसभा में उठाएगी।

निर्भया मामला : 3 दोषियों के वकील के कदम से आया नया मोड़, फिर टल सकती है फांसी की तारीख

- दोषियों के वकील जेल प्रशासन के खिलाफ पहुंचे कोर्ट, दस्तावेज नहीं देने का लगाया आरोप

जलतेदीप ब्यूरो, नई दिल्ली

निर्भया मामले में आगामी एक फरवरी को होने वाली फांसी से बचने के लिए चारों दोषियों ने नए-नए तरीके अपनाने शुरू कर दिए हैं। ताजा मामले में तीन दोषियों विनय कुमार शर्मा, पवन कुमार गुप्ता और अक्षय सिंह ठाकुर के वकील एपी सिंह ने शुक्रवार को दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट का रुख किया है।

वकील एपी सिंह ने कोर्ट में याचिका दायर कर कहा है कि तिहाड़ जेल प्रशासन ने अब तक संबंधित पेपर उपलब्ध नहीं कराए हैं, जिससे वह फांसी की सजा पाए विनय कुमार शर्मा, पवन कुमार गुप्ता और अक्षय सिंह ठाकुर की क्यूरेटिव पिटिशन और दया याचिका दाखिल कर सकें। अगर तीनों ने सुप्रीम कोर्ट में सुधारात्मक याचिका दायर की तो एक फरवरी को होने वाली फांसी टल जाएगी। अगर याचिका खारिज हो भी गई तो भी इन तीनों के पास राष्ट्रपति महोदय के पास दया याचिका दायर करने का विकल्प मौजूद है। वहीं, इस पर प्रतिक्रिया देते हुए दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि निर्भया केस में वकील फांसी को देर करने की रणनीति का इस्तेमाल कर रहे हैं। इस तरह वह सिस्टम का मज़ाक बना रहे हैं। हमें तेज न्याय को सुनिश्चित करने के लिए एक साथ काम करना होगा। जिससे न्याय को सक्षम बनाने और सभी खामियों को दूर करने के लिए कानूनों में बदलाव किया जाए।एक-दो दिन में सुप्रीम कोर्ट का रुख करेंगे तीन दोषी निर्भया के वकील की मानें तो उसके तीनों मुवक्किलों पवन, अक्षय और विनय की ओर से अगले एक-दो दिनों के दौरान सुप्रीम कोर्ट में सुधारात्मक याचिका दायर की जाएगी। बताया जा रहा है कि ये तीनों अपनी याचिका में जेल में अपने व्यवहार, पारिवारिक दायित्व समेत कई पहलू का जिक्र करेंगे और सुप्रीम कोर्ट से राहत की गुहार लगाएंगे। इसी के साथ याचिका में फांसी की सजा को उम्रकैद में बदलने की मांग करेंगे। तीनों के वकील एपी सिंह की मानें तो तिहाड़ जेल से संबंधित कागजात नहीं मिलने के चलते सुधारात्मक याचिका दायर करने में देरी हो रही है। वकील की मानें तो उन्होंने जेल से व्यवहार के आधार पर राहत की जानकारी मांगी है। वहीं, इस कड़ी में कुछ ही दिन पहले चारों दोषियों अक्षय, विनय, पवन व मुकेश को उनके जेलों से स्थानांतरित कर जेल संख्या तीन के हाई सिक्योरिटी सेल में रखा गया है। इसी जेल में फांसी घर भी है।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त सुनील अरोड़ा ने सम्भाला फेम्बोमा अध्यक्ष का पदभार

अफगानिस्तान व ट्यूनीशिया के साथ समझौता ज्ञापन

राजेन्द्र व्यास, जलतेदीप ब्यूरो चीफ, नई दिल्ली

मुख्य निर्वाचन आयुक्त सुनील अरोड़ा ने शुक्रवार को दक्षिण एशियाई देशों के निर्वाचन प्रबंधन निकायों के फोरम के अध्यक्ष के रूप में 2020 के लिये कार्यभार संभाल लिया। फोरम की आयोजित वार्षिक बैठक में अरोड़ा ने निवर्तमान अध्यक्ष बांग्लादेश के निर्वाचन अधिकारी के एम नुरुल हुडा से कार्यभार संभाला। बैठक में सदस्य देशों के प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुये अरोड़ा ने कहा कि लोकतंत्र में सत्ता को नियमित चुनावों के जरिये ही विधिमान्य बनाया जाता है। इसके लिये निर्वाचन प्रक्रिया को निरंतर दुरुस्त करने की जरूरत पर बल देते हुये उन्होंने कहा कि भारत इस दिशा में सभी सदस्य देशों के साथ आपसी सहयोग बढ़ाने का हिमायती है। फोरम में भारतीय निर्वाचन आयोग के अलावा अफगानिस्तान, भूटान, बांग्लादेश, मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान और श्रीलंका के निर्वाचन निकाय भी सदस्य हैं। फोरम की पिछली बैठक सितंबर 2018 में बांग्लादेश की राजधानी ढाका में आयोजित की गयी थी। आयोग के अधिकारियों ने बताया कि बैठक में पाकिस्तान ने शिरकत नहीं की।

आधार से लिंक होगा वोटर आईडी कार्ड, कानून मंत्रालय ने दी आयोग के प्रस्ताव को हरी झंडी

एजेंसी, नई दिल्ली। कानून मंत्रालय ने वोटर आईडी कार्ड को आधार से लिंक करने की अनुमति दे दी है। चुनाव आयोग ने कानून मंत्रालय को अगस्त 2019 में इस तरह का प्रस्ताव भेजा था, जिसे कानून मंत्री रविशंकर प्रसाद ने मान लिया है। चुनाव आयोग ने कहा था कि 12 नंबर वाले आधार कार्ड और वोटर आईडी कार्ड को लिंक करने के लिए उसे कानूनी अधिकार चाहिए।

पुराने, नए सभी को देना होगा अपना आधार नंबर

चुनाव आयोग का कहना था कि ऐसा करने से फर्जी वोटरों पर लगाम लगाई जा सकेगी। इसलिए सभी पुराने और नए वोटर कार्ड धारकों को अपना आधार नंबर भी देना होगा। हालांकि अगर कोई व्यक्ति ऐसा नहीं करता है तो भी उसका नाम वोटर लिस्ट से हटाया नहीं जा सकता है और न ही उसे लिस्ट में शामिल होने से रोका जा सकता है।

नहीं कर पाएंगे हैक, कॉपी या फिर चोरी

केंद्रीय कानून मंत्री रविशंकर प्रसाद ने बताया कि इन आंकड़ों को हैक, कॉपी या फिर चोरी से बचाने के लिए चुनाव आयोग पर्याप्त कदम उठाएगा। आधार से वोटर आईडी कार्ड के लिंक होने से फर्जी वोटरों पर लगाम लगेगी। इससे बोगस वोटरों पर अंकुश लगेगा देश भर में विभिन्न राजनीतिक पार्टियां ने भी अगस्त में हुई बैठक में आधार से वोटर आईडी कार्ड को लिंक करने पर सहमति जताई थी। चुनाव आयोग ने 12 दिसंबर को पत्र लिखकर कहा कि उसने इस तरह के डाटा की सुरक्षा के लिए पर्याप्त व्यवस्थाएं की हैं।

जेएलएफ : सावरकर ने सबसे पहले की थी 2 देशों की वकालत : थरूर

- मुस्लिम लीग से 3 साल पहले हिंदू महासभा लाया था प्रस्ताव
- हमारा संविधान गांधी के विजन से अलग नहीं था
- ओणम का उदाहरण देकर अमित शाह और भाजपा पर निशाना साधा

जलतेदीप कासं, जयपुर

जेएलएफ में शुक्रवार को शशि थरूर ने अपने सेशन के दौरान कहा कि सबसे पहले दो नेशन की बात सावरकर द्वारा ही की गई थी। जो चाहते थे कि हिंदू और मुस्लिमों के दो देश बनें। यह प्रस्ताव मुस्लिम लीग के पाकिस्तान रेजुलेशन पास होने से तीन साल पहले हिंदू महासभा में आया था। दीन दयाल उपाध्याय को मोदी अपना मेंटर मानते हैं, उन्होंने भी स्वीकार किया था कि मुस्लिमों के लिए अलग देश होना चाहिए।

कांग्रेस सांसद और अंग्रेजी साहित्यकार शशि थरूर ने गांधी और नेहरू पर बात करते हुए कहा कि आज जो सत्ता में हैं वो एक अलग राजनैतिक ट्रेडीशन के साथ आए हैं। पार्टिशन के वक्त कुछ मुस्लिम पाकिस्तान बनाना चाहते थे। वहीं, भारत में बहुत बड़ी संख्या में लोग जिन्होंने गांधी और नेहरू को फॉलो किया, वो चाहते थे कि हमारी पहचान धर्म से नहीं होनी चाहिए। सभी स्वतंत्र और देशप्रेमी होने चाहिए। इस कारण हमारा संविधान बना। हिंदुत्व मूवमेंट ने इस संविधान को नहीं माना, जो 1952 में सावरकर के मूवमेंट से शुरू हुआ। हिंदुत्व मूवमेंट ने संविधान को नकार दिया था। इसके बारे में सावरकर ने भी लिखा है। थरूर ने कहा कि हमारा संविधान गांधी के विजन से अलग नहीं था। गांधी हिंदुज्म में विश्वास रखते थे, दूसरों के धर्म का भी सम्मान करते थे। जिन्हें आरएसएस के एक पूर्व कार्यकर्ता ने मार दिया था। ओणम केरल का सबसे बड़ा उत्सव है, जिसे हर धर्म के लोग मनाते है। जो महाबली की कहानी से शुरू हुआ है। जिसमें विष्णु जी वामन का अवतार लेकर आते हैं और तीन कदम जमीन मांगते हैं। विष्णु पहला पांव धरती पर रखते हैं। दूसरा स्वर्ग पर और तीसरा महाबली के सिर पर। जिससे महाबली दूसरी दुनिया में चले जाते हैं। लेकिन, वो जाने से पहले विष्णु भगवान से कहते हैं कि वो हर साल अपनी जनता को देखने आना चाहते हैं। विष्णु उन्हे आर्शीवाद देते हैं। जिसके कारण महाबली हर साल आते हैं और ओणम मनाया जाता है। इस पर अमित शाह और भाजपा क्या करती है। ओणम से एक दिन पहले वो क्या करते हैं। वो ट्वीट करते हैं हैप्पी वामन पूजा। इसी वजह से भाजपा केरल में कभी सीटें नहीं जीत पाई।

गणतंत्र दिवस — बेहद खास होगा इस बार का समारोह

भारतीय तकनीक व सैन्य ताकत की दिखेगी झलक

जलतेदीप ब्यूरो, दिल्ली

दिल्ली के राजपथ पर गणतंत्र दिवस परेड की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। गणतंत्र दिवस के मौके पर हर साल की तरह इस साल भी देश की तीनों सेनाओं का शौर्य देखने को मिलेगा। इस बार काफी कुछ ऐसा है जो इस परेड में पहली बार दिखाई देगा। परेड का नया आकर्षण भीष्म टैंक, 155/45 कैलिबर धनुष तोप, और डीआरजीओ की ओर से एंटी सैटेलाइट वेपन सिस्टम होगा, जिसे पहली बार दुनिया के सामने लाया जाएगा। वायुसेना में हाल में शामिल किए गए लड़ाकू हेलीकॉप्टर अपाचे और चिनूक हेलीकॉप्टर फ्लाईपास्ट में पहली बार शामिल होंगे। इसके अलावा परेड में पाकिस्तान की सीमा में घुसकर आतंकी कैंपों को तबाह करने वाले कमांडो की टुकड़ी को भी देखा जा सकेगा।

पहली बार वॉर मेमोरियल में सैनिकों को श्रद्धांजलि देंगे पीएम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस बार इंडिया गेट पर मौजूद अमर जवान ज्योति की जगह पहली बार वॉर मेमोरियल में सैनिकों को श्रद्धांजलि देंगे। इस मौके पर पर चीफ ऑफ डिफेंस स्टॉफ और सेना के तीनों अंगों के प्रमुख उनकी अगवानी करेंगे। पिछले साल 25 फरवरी को देश को 44 एकड़ में बना वॉर मेमोरियल मिला था। 1971 के भारत-पाक युद्ध के शहीदों की याद में अमर जवान ज्योति को इंडिया गेट पर 1972 में तैयार किया गया था।

राजपथ पर दिखेगी नारी शक्ति

देश की नारी शक्ति इस बार गणतंत्र दिवस की परेड में अपनी जांबाजी दिखाएंगी। सेना की पुरुषों की टुकड़ी की कमान एक महिला सैन्य अधिकारी के हाथों में होगी। आर्मी के सिग्नल्स की कमान इस बार कैप्टन तान्या शेरगिल संभालेंगी। सीआरपीएफ की डेयरडेविल्स टीम पहली बार राजपथ पर 26 जनवरी के मौके पर मोटरसाइकिल के जरिए 9 तरह के अलग-अलग करतब दिखाएगी। इससे पहले राजपथ पर सीमा सुरक्षा बल के जवान हैरतअंगेज करतब किया करते थे, लेकिन अब ऐसा महिलाएं करने वाली हैं। एक ही बाइक पर छह महिला जवान जब अत्याधुनिक वैपन हाथों में लिए दिखाई देंगी तो यकीनन हर कोई दांतों तले अंगुली दबा लेगा।

सामने आएगा एंटी-सैटेलाइट सिस्टम

रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा विसकित देश के पहले एंटी सैटेलाइट वेपन सिस्टम की उपलब्धियों को परेड में प्रदर्शित किया जाएगा। एंटी-सैटेलाइट मिसाइल सिस्टम का परीक्षण पिछले साल 27 मार्च को किया गया था। भारत ने अंतरिक्ष में 300 किलोमीटर दूर एक लाइव सैटेलाइट को एंटी सैटेलाइट मिसाइल सिस्टम ने मार गिराया गया। एंटी-सैटेलाइट मिसाइल परीक्षण के साथ ही भारत अंतरिक्ष में लाइव सैटेलाइट को मार गिराने की क्षमता रखने वाला चौथा देश बन गया था।

अणुव्रत समिति प्रतिनिधिमंडल की लोकसभाध्यक्ष ओम बिड़ला से भेंट

डॉ कुसुम लुनिया ने की पुस्तकें भेंट

जलतेदीप ब्यूरो, दिल्ली

लोकसभाध्यक्ष ओम बिड़ला से शुक्रवार को नई दिल्ली में उनके अकबर रोड स्थित निवास पर अणुव्रत समिति दिल्ली के प्रतिनिमंडल ने भेंट की। इस मौके पर बिड़ला को समिति की मंत्री डॉ.कुसुम लुनिया ने विश्व सन्त अणुव्रत अनुशास्ता आचार्य महाप्रज्ञ के जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों तथा अणुव्रत अनुशास्ता आचार्य महाश्रमण की अंहिसा यात्रा की जानकारी दी। उन्होंने बिड़ला को पूर्व राष्ट्रपति डॉ.एपीजे अब्दुल कलाम एवं आचार्य महाप्रज्ञ द्वारा लिखित 'सुखी परिवार समृद्ध राष्ट्र' शाकाहार सीक्रेटस ऑफ़ हेल्थ पुस्तकें भेंट की। इस मौके पर जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा दिल्ली एवं अणुव्रत समिति दिल्ली के परामर्शक डॉ.धनपत लुनिया एवं वरिष्ठ परामर्शक गोपेंद्र नाथ भट्ट, ओसवाल समाज दिल्ली के अध्यक्ष व अणुव्रत समिति के परामर्शक बाबूलाल दुगड तथा ओमेन्द्र कसाना भी मौजूद थे। प्रारम्भ में पुष्प गुच्छ एवं अणुव्रत पट्टका ओढ़ा कर लोकसभा अध्यक्ष का स्वागत किया गया।

जयपुर एवं जोधपुर से एक साथ प्रकाशित

जीमो...जीमो... म्हारा विद्यार्थी महाराज...

हमें क्या पता था कि पासा उलटा पड़ जाएगा। लिखा तो यह सोचकर था कि शासन-प्रशासन में बिराजे लोग उस पर गंभीरता से विचार कर के माट्साब-बहनजियों का बोझ कुछ कम करेंगे, पण ऐसा होता दिख नहीं रहा। बोझ कम करने की बजाय अब उनसे चूरमा चुरवाने की तैयारियां हो रही है। 'जीमो.. जीमो.. म्हारा विद्यार्थी महाराज, गुड़-सोगरे रो-चूरमो..।' शहर की एक हथाई पर आज उसी के चर्चे हो रहे थे।

अखबारों की दुनिया में अपने यहां छपी खबरों का असर बताने-जताने की रस्म चली आ रही है। समाचार पत्र में कोई खबर छपे और प्रशासन उस पर कथित रूप से एक्शन लेना शुरू कर दे तो रिपोर्टर इतरा जाते हैं। फोलोअप के रूप में 'खबर का असर' छापने से बाज नहीं आते। इसके माने ये कि हम ने फलां मुद्दे को अपने समाचार-पत्र में जोरशोर से उठाया था। उसका असर यह हुआ कि प्रशासन जागा। शासन की झपकी टूटी और अफसरों ने उस पर एक्शन लेना शुरू किया। कई बार जांच के लिए एक-दो-तीन सदस्यीय समिति बना दी जाती है। अधिकारियों के बयान छपते हैं- 'यह बर्दाश्त नहीं किया जाएगा..जिसने भी यह कृत्य किया उसे बख्शा नहीं जाएगा। मामले की जांच के लिए समिति का गठन कर दिया गया है। रिपोर्ट आने के बाद उचित कार्रवाई की जाएगी।' अधिकारी-नेता द्वारा इतना भर कहने के बाद समाचार पत्र में 'खबर का असर' छपता है। अखबार छापकर राजी। और नेता-अफसर आगे चलकर सब कुछ भूलभूला जाते हैं। जांच समिति बनी या नही

बनी। बनी तो उसका मुखिया कौन था। समिति में कितने सदस्य थे। समिति ने अपनी रिपोर्ट कब और किस को दी। कितने समय बाद दी। रिपोर्ट दी भी, या नहीं दी। दी तो उस पर क्या कार्रवाई हुई। नही दी तो क्यूं नहीं दी। समिति का जांच का दायरा क्या था। उसे कितने दिनों के बाद रिपोर्ट देनी थी। इस पर कोई ध्यान नहीं देता। खबर छपी-एक दो दिन फोलोअप दिया। खबर का असर परोसा और मामला नक्की।

ऐसा अक्सर होता है। ऐसा कई बार हो चुका है। खरनवीस चाहता है कि उसकी खबर पर कोई एक्शन हो। वह अपनी कलम के लिए शासन-प्रशासन को झकझौरता है। कई बार ऐसा होने का उपक्रम किया भी जाता है, कई बार मजाल पड़ी जो प्रशासन जाग जाए। किस की मजाल जो-सोते हुए प्रशासन को जगा दे। कई बार उलटा भी होता रहा है। अखबार चीखते रहते हैं। पत्रकार चिल्लाते रहते हैं। कागद रोज कारे होते हैं। शासन सोता रहता है। क्या छपा। किस में छपा। किसके बारे में छपा। उसे कोई मतलब नहीं। अखबार का काम छापना है-हमारा काम बांचना। उन्हें तो छापना ही पडेगा। पत्रकार का पेट खाली रह सकता है। अखबार का पेट तो भरना ही पड़ता है। छापना उनकी मजबूरी पर हम पढें ही पढें ऐसा कोई नियम-कानून नही है। उन्होंने छाप दिया-हमने पढा नहीं तो कौन सा पांडु 151 में फिट कर देगा। कई बार अफसर जान के अनजान बन जाते हैं। बाजवक्त उसी को बढावा दे दिया जाता है। जिसकी खिलाफत हो रही है। छापो.. और छापो.. कितना छापोगे.. यहां तो ऐसे ही चलेगा। अब तक ऐसी अफवाहें ही सुनी थी, उसे साक्षात होता देख भी लिया। सोचा था कि शिक्षकों की बेगार कम किए जाने के प्रयास होंगे,पर बेगार और बढ गई। मीनू और लंबा हो गया। माट्साब-बहनजियों का हेडेक और बढ गया। चार के तीन होणे की बजाय चार के छह हो गए। नौकरी करनी है तो तीन-दो-पांच करनी ही पड़ेगी। जहां इत्ती बेगारें निकाली। जहां इतना बोझ सहा वहां एक और रही। बच्चे भी क्या याद रखेंगे।

हथाईबाजों ने पांच-छह दिन पहले 'राजकीय प्राथमिक भोजनालय' शीर्षक से छपी हथाई में सरकारी स्कूलों में दिए जा रहे दोपहर के भोजन की चर्चा की थी। उसमें हमने साफ किया था,आज फिर दोहरा रहे हैं कि हम बच्चों को रोटी-बाटी देने के विरूद्ध नही है। मिड डे मील के पीछे मंशा ये कि बच्चे चुस्त और तुंदरूस्त रहें। स्कूलों में नामांकन बढे। बच्चों का ठहराव भी निश्चित हो। मगर वो उद्धेश्य पूरा होता दिख नही रहा। कई बार दाल में चूहा गिरने की खबर आई तो कहीं कच्ची रोटियां परोसने की। कभी सड़े-गले फल तो कभी एक लीटर दूध में पूरी स्कूल का निपटारा। बच्चों और शिक्षक वर्ग का आधा समय तो खाने और बरतन भांडों में बीत जाता है। कई बच्चे रोटी-बाटी खाने के बाद गायब। माट्साब उन्हें डांट भी नहीं सकते, मारना तो दूर की बात। ऐसे में स्कूलें भोजनालय ज्यादा नजर आती हैं। पिछले दिनों छपी हथाई में हमने उसीपे चर्चा की थी। सरकार ने सर्दी को देखते हुए भोजन में चुकंदर-पालक व अन्य हरी सब्जियां देने का फरमान जारी कर दिया। हमने शिक्षक वर्ग की इस नई बेगारी का मुद्दा उठाया था। यहां तो पहले से ही भतेरी बेगारियां थी, तिसपे चुकंदर पालक और आ गए। उस हथाई की स्याही अभी सूखी ही नहीं कि स्कूलों में सोगरे परोसने का फरमान आ गया। वहां अब बुधवार को मिठाई के पीस की जगह गुड और बाजरे से बने खाद्य परोसे जाएंगे। इसमें सोगरा और गुड का चूरमा भी हो सकता है। खिचड़ा, दलिया अथवा और कुछ भी।

शासन-प्रशासन की मंशा अच्छी है। हम भी चाहते हैं कि देश का कल स्वस्थ और मस्त-तंदुरूस्त रहे मगर स्कूलों को ढाबे बनाना ठीक नही है। यह तो पढाई के बदले रोटी हो गई। ऐसा होता तो भी गम नहीं। गम इस बात का कि वहां पढाई नहीं हो पा रही है। तिस में चूरमा और आ गया।

राष्ट्रीय बालिका दिवस पर हुए विभिन्न कार्यक्रम

पाली, 24 जनवरी (निसं)। राष्ट्रीय बालिका दिवस पर शुक्रवार को चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। हर वर्ष की भांति इस बार भी शुक्रवार को भी राष्ट्रीय बालिका दिवस को महोत्सव के रूप में मनाया गया।

सीएमएचओ डॉ.आरपी मिर्धा ने बताया कि बेटियों के महत्व को बताने के संकल्प के साथ राष्ट्रीय बालिका दिवस के उपलक्ष में जिला पीसीपीएनडीटी प्रकोष्ठ पाली की ओर से कई प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें विजेता रहे प्रतिभागिओं को स्वास्थ्य विभाग की ओर से पुरस्कृत किया गया।

उन्होंने बताया कि शुक्रवार को राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर समस्त सरकारी चिकित्सा संस्थानों में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ की शपथ के साथ संकल्प दिलाया कि समाज में बेटियों के महत्व को अधिक से अधिक जागरूक किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जिला स्तरीय कार्यक्रम के साथ ही जिले के प्रत्येक ब्लॉक पर स्कूलों व कॉलेजों में स्वास्थ्य दलों द्वारा राष्ट्रीय बालिका दिवस पर विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गई, जिसमें विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। इसी के तहत जिला स्तरीय कार्यक्रम पाली शहर से सटे मानपुरा भाकरी स्थित सज्जन इंटरनेशनल कॉलेज में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, भ्रूण लिंग परीक्षण को ना कहे, बेटियां अनमोल है, महिला सशक्तिकरण आदि विषय पर

व्याख्यान व प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। उन्होंने बताया कि सज्जन इंटरनेशनल कॉलेज में रंगोली, कविता, पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई। कविता पाठ में शुभम यादव प्रथम तथा सोनाली चैधरी द्वितीय रही। रंगोली में डिम्पल राठौड़ प्रथम तथा सवाराम द्वितीय रहे तथा पोस्टर प्रतियोगिता में दुर्गा लखारा प्रथम, काजल मारू द्वितीय तथा हिमांक्षी तृतीय रही। प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। सज्जन कॉलेज में छात्र-छात्राओं का बेटी बचाओ की शपथ दिलाई गई। इस मौके पर जनवरी माह में जन्मी बालिकाओं का केक काट कर जन्मोत्सव मनाया गया और उन्हें बेबी किट वितरित किया गया।

जिला आईईसी समन्वयक नंदलाल शर्मा ने बताया कि राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर राजकीय बांगड़ चिकित्सालय में स्वस्थ शिशु बालिका प्रतियोगिता का आयोजन कर बच्चों को स्वास्थ्य का परीक्षण कर व पूर्ण टीकाकरण वाली बालिकाओं को पुरस्कार स्वरूप गर्म सूट टोपी, जुराब का वितरण किया गया। इस मौके पर जिला पीसीपीएनडीटी समन्वयक महेश पंवार ने सरकार द्वारा बेटियों व महिलाओं के लिए चलाई जा रही योजनाओं के बारे में बताकर जागरूक किया। साथ ही उन्होंने बताया कि राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी मुखबिर योजना के बारे में बताया कि आपको अगर कोई जानकारी मिले की कहीं पर अवैध रूप से भ्रूण लिंग की जांच की जाती है, तो उसके बारे में बताने पर मुखबिर योजना के तहत अलग-अलग किस्तों में ढाई-ढाई लाख की राशि पुरस्कार रूप में दिया जाता है। ताकि कन्या भ्रूण हत्या, लिंग चयन की जानकारी मिल सकें। भ्रूण लिंग परीक्षण से संबंधित किसी भी प्रकार की शिकायत लिए चिकित्सा विभाग द्वारा जारी व्हाट्स एप नंबर 9799997795 पर सूचना दी जा सकती है।

इस मौके पर डिप्टी सीएमएचओ डॉ.विकास मारवाल, डीपीसी डॉ.विजेन्द्र पाल सिंह, एएनएमटीसी के प्रिंसीपल केसी सैनी, पीसीपीएनडीटी समन्वयक महेश पंवार, बेटी बचाओ अभियान की ब्रॉड एंबेसेडेर रेखा वैष्णव, भूमिका चैधरी, अशोक कुमार, जब्बार आदि उपस्थित थे।

आमुखीकरण कार्यशाला आयोजित

पाली, 24 जनवरी (निसं)। जिला प्रशासन, समाजसेवी संस्था, अपलिफमेंट ऑफ सोसायटी विद होलेस्टिक एंड होम्योपैथी (ऊषा) एवं पाली सेवा मण्डल के संयुक्त तत्वावधान में आंगनवाडी कार्यकर्ता, आशा एवं एएनएम को होम्योपैथी सार्वजनिकीकरण का आमुखीकरण कार्यक्रम आज टाऊन हॉल में सम्पन्न हुआ।

उच्च शिक्षा आयुक्त प्रदीप कुमार बोरड ने कहा कि राज्य में सम्पूर्ण स्वास्थ्य के लिए होम्योपैथी की पहल एक ऐतिहासिक कदम है। राज्य सरकार ने इसे लागू करने की मंशा जताई है। पाली जिला प्रशासन ने इसे मूर्त रूप देने की पहल की है। राज्य में पाली जिले में यह पहला पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया है। जिसके बाद में राज्य में इसका अनुकरण होगा। उन्होंने कहा कि चिकित्सा के क्षेत्र में संसार का सबसे अच्छा ज्ञान आपको दिया जा रहा है। जो विचारों को भी सकारात्मक बनाता है जिसका उपयोग कर लोगों के स्वास्थ्य में सुधार लाया जा सकता है। उन्होने कहा कि राजस्थान सरकार की जन कल्याणकारी पहल पर होम्योपैथी का सार्वजनिकीकरण व वैकल्पिक चिकित्सा पद्धतियों की जानकारी एवं आमजन में उपयोगिता व प्रोत्साहन के लिए इस आमुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया है।

बोरड ने कहा कि शरीर परिस्थितियों के अनुरूप अपने आपको ढाल लेता हैं शरीर को चलाने के पीछे कोई ताकत है। शरीर में तकलीफ होने पर लक्षण दिखाई देते है। अन्य चिकित्सा पद्धतियों में विभिन्न प्रकार की दवाईयां देकर शरीर में बैक्टीरियां या वायरस को बार-बार समाप्त किया जाता हैं परन्तु होम्योपैथी में बैक्टीरियां या वायरस के लिए शरीर में अनुकूल वातावरण व उन्हें मिलने वाले भोजन की प्रक्रिया को रोका जाकर बैक्टीरियां व वायरस शरीर मे रहने व बढ़ने की प्रक्रिया को ही बन्द कर दिया जाता हैं।

उन्होंने होम्योपैथी दवाई लेने के तरीके, रोग के लक्षण की समझ कर दवा देने व बार-बार दवाई नहीं देने व बदलने, मरीज व दवाई का रिकार्ड का संधारण करने, दवाई को खराबी से बचाने के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दवाई के किट की एक सीसी में लगभग 100 दानें है जिसमें एक दवाई एक बार देनी है। उन्होंने कहा कि व्हाटसएप ग्रुप बनाकर होम्योपैथी चिकित्सा के संबंध में समय-सयम पर वीडियो उपलब्ध करवाकर आपके सुझाव लिए जाएंगे।

जिला कलक्टर दिनेशचन्द जैन ने कहा कि चिकित्सा सेवाओं में होम्योपैथी चिकित्सा के अच्छे परिणाम सामने आ रहे है। हमारा शरीर प्रत्येक बाहरी एवं भावनात्मक आंतरिक क्रिया के विपरित एक प्रतिक्रिया करता है। होम्योपैथी इसी सिद्धांत पर कार्य करती है तथा शरीर की उस बाहरी भौतिक अथवा भीतरी भावनात्मक क्रियाओं से उत्पन्न विकार को दुर करती है। इस पद्धति में साईड इफेक्ट नहीं होते ओर इसका इस पद्धति से ईलाज कम व्यय में हो जाता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की लोक कल्याणकारी पहल से हेम्योपैथी के द्वारा प्राथमिक चिकित्सा का कार्यक्रम चलाया जा रहा है इससे स्वास्थ्य के क्षेत्र में लोगों को लाभ मिलेगा।

कार्यशाला में 496 लोगों ने पंजीकरण करवाया जिन्हें कीट व सामग्री पाली सेवा मण्डल के सहयोग से दी गई। पीपीटी के सहयोग से प्रशिक्षणार्थियों को विभिन्न रोगों में होम्योपैथी दवाई के संबंध में जानकारी देते हुए एकोनाइट, आर्निका, ऐन्टिमोनियम टार्टाकिम, बोरेक्स ब्रायोनिया, बेलाडौना, केमोमिला, सीना, केलोसिन्थस, यूपेटोरियम परफोटस, जैलसीमियम, नक्स वोमिका, पोडोफाईलम, ऐलोम सोकोट्रिना आदि दवाईयों के संबंध में प्रशिक्षण दिया। डॉक्टरों की टीम ने प्रशिक्षणार्थियों के बीच में जाकर उनकी शंकाओं का समाधान किया।

कार्यक्रम में होम्योपैथी विभाग के निदेशक रेणु बंसल, डॉ राजकमल पारीक, के.एम. शर्मा, नन्दकिशोर बंसल, महिला अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक भागीरथ, जिला शिक्षा अधिकारी विनोद कुमार शर्मा, डॉ विकास मारवाल, डॉ श्रद्धा मिश्रा, डॉ नितिन शर्मा, डॉ अजय यादव, डॉ माया जांगीड, डॉ सयद मिफता, डॉ अंजूम सिदकी सहित कई जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

राष्ट्रीय बालिका दिवस आयोजित

पाली, 24 जनवरी (निसं)। जिला प्रशासन व महिला अधिकारिता विभाग द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढाओ योजनान्तर्गत राष्ट्रीय बालिका दिवस नगर परिषद सभागार में शुक्रवार को आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि प्रदीप बोरड़ आयुक्त उच्च शिक्षा एवं अध्यक्ष जिला कलेक्टर दिनेश चंद जैन रहे। जिला कलेक्टर जैन कहा कि बेटी बचाओ बेटी पढाओ योजनान्तर्गत जिलें की समस्त उपस्वास्थ्य केन्द्रों को 2500 डिलेवरी किट एवं 2500 बेबी किट वितरित किये जायेगे ताकि संस्थागत प्रसव के समय जच्चा व बच्चा को किसी प्रकार का संक्रमण ना हो साथ ही उन्होने शैक्षणिक क्षेत्र में शुरू किये गये पायलट प्रोजेक्ट सोजत ब्लॉक के बारे में जानकारी दी इसके माध्यम से बालिकाओं के शैक्षणिक उन्नयन में वृद्धि हुई है। जिला कलक्टर ने कहा कि बच्चियों को बचाने के साथ साथ उनको पढ़ाये, आगे बढाये ताकि वे उन्नत्ति कर सकें। सोजत पंचायत समिति क्षेत्र में 2600 बच्चियों को गुणवत्ता युक्त शिक्षा देने के लिए अतिरिक्त कक्षाएं लगाई जा रही है। प्रोग्रामर का डिजाईन व किताबों की व्यवस्था भी स्थानीय अध्यापकों द्वारा की गई है। बच्चियों को हिन्दी, अग्रेंजी व गणित विषय में सेलेब्स के अतिरिक्त व्यवहारिक शिक्षा दी जा रही है। उच्च शिक्षा विभाग जयपुर के आयुक्त बोरड़ ने संबोधित करते हुये बेटी बचाओ बेटी पढाओ योजना में पाली जिलें के द्वारा किये जा रहे नवाचारों की सराहना की और होम्योपैथी के बारे में 500 आंगनवाडी कार्यकर्ता, आशा सहयोगिनी एवं एएनएम को प्रशिक्षित किया। कार्यक्रम व मंच संचालन आशा पंकज मुन्दडा ने किया। कार्यक्रम में जिलें की सर्वाधिक संस्थागत प्रसव वाले पांच उप स्वास्थ्य केन्द्रों को सम्मानित किया गया। जिसमे देसूरी से गुडा पृथ्वीराज, रोहट से कुलथाना, देसूरी से कोट सोलंकियान, पाली से भांवरी, सुमेरपुर से बिठुडा उपस्वास्थ्य केन्द्रों की एएनएम को सम्मानित किया गया। प्रत्येक ब्लॉक से सर्वाधिक बाल लिंगानुपात वाली एक ग्राम पंचायत को सम्मानित किया गया जिसमे जैतारण में बलाडा, रोहट में खारडा, बाली में चामुण्डेरी, रानी में जवाली, सोजत में राजोला कंला, पाली में मणिहारी, मारवाड जंक्शन में जोजावर, रायपुर में बर, देसुरी में पनोता, सुमेरपुर में साण्डेराव को सम्मानित किया गया जिसमे संबंधित ग्राम पंचायत के ग्राम विकास अधिकारी को प्रमाण पत्र व मेडल देकर सम्मानित किया।

नवनिर्वाचित सरपंच का ग्रामीणों ने स्वागत किया

जसोल, 24 जनवरी (निसं)। स्थानीय तीरगर समाज के आराध्य भगवान श्रीराम मंदिर परिसर में तीरगर समाज द्वारा नव निर्वाचित सरपंच साहब ईश्वरसिंह चौहान, नव निर्वाचित उप सरपंच राजेंद्र कुमार छाजेड़, माजीवाला के पूर्व सरपंच भगवतसिंह जसोल, जसोल ग्राम विकास अधिकारी सुशील चौधरी, राजू महाराज अवस्थी तथा प्रवीण कुमार भंसाली इत्यादि अतिथियों का साफा व माला पहनाकर भव्य स्वागत किया गया। सम्मान समारोह की शुरुआत नव निर्वाचित सरपंच ईश्वरसिंह चौहान एवं सभी अतिथियों द्वारा भगवान श्रीराम की प्रतिमा को पुष्प अर्पित कर गांव की सुख-समृद्धि की कामना की। उन्होंने कहा कि गांव के विकास में हमेशा तत्पर रहूंगा। इस अवसर पर माजीवाला के पूर्व सरपंच भगवतसिंह जसोल ने राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी दी।

गहलोत सह सचिव मनोनीत

बालोतरा, 24 जनवरी (निसं)। जिला ओलंपिक संघ बाड़मेर की साधारण सभा गत दिनों आयोजित हुई जिसमें बाड़मेर जिला ओलंपिक संघ की नवीन कार्यकारिणी चुनाव अधिकारी शंकर सिंह परमार पर्यवेक्षक लालसिंह सांखला के निर्देशन में सर्वसम्मति से चुनी गई। जिसमे अध्यक्ष यज्ञदत्त जोशी उपाध्यक्ष रमेश कुमार सुथार, गेमरसिंह सोढा एवं किरण मंगल, सचिव चुनसिंह भाटी, सह सचिव जितेंद्र गहलोत, खगेंद्र कुमार,एवं बंशीधर सोनी कोषाध्यक्ष दिनेश कुमार जांगिड़ एवं कार्यकारिणी सदस्य लजपत जांगिड़, देवाराम खोथ, भीमसिंह राठौड़, फरस सिंह, कमल सावधानी, विनोद नायक, कपिलदेव देव सिंह, महेश लखारा, सवाई आर्य एवं बलवंत सिंह चुने गए। बैठक में खेलों के विकास के लिए निर्णय भी लिए गए। जिसमें 2020-21 जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन ओलंपिक चार्टर के अनुसार किए जावे। नेशनल गेम्स में बाड़मेर जिले की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए प्रयास किए जाएं तथा जिला खेलकूद संघों के चुनाव में जिला ओलंपिक संघ का पर्यवेक्षक आवश्यक रूप से उपस्थित हो जिससे संघ के चुनाव में पारदर्शिता लाई जा सके।

राज्याभिषेक के साथ हुई रामकथा की पूर्णाहुति

बालोतरा, 24 जनवरी (निसं)। हाउसिंग बोर्ड में चल ही राम कथा के अंतिम दिन भगवान राम का राजयाभिषेक के साथ कथा की पूर्णाहुति की गई। कथा के वक्ता बांके बिहारी जी महाराज ने कहा कि सभी भक्तजन अपने जीवन में भगवान राम को स्थापित करे। भगवान जब हमारे घट में विराजेंगे तो सारी गलत भावना अपने मन से स्वतः ही निकल जाएगी। नियम बना ले की सभी में भगवान राम और माता सीता की छवि देखे। हरि कृष्णा फाउंडेशन के प्रमोटर आत्माराम सोनी ने सभी श्रोताओ का व महेमानो का आभार ज्ञापित करते हुए मोमेंटो भेंट किया। न्यास के चेयरमैन कंदर्प कुमार सोनी और भरत कुमार लोहिया ने राम कथा की समाप्ति पर प्रभु श्री राम व भक्त भाविकों का आभार प्रकट किया। कथा के समापन के दौरान यज्ञ का आयोजन किया गया जिसमें यजमानों ने आहुतियां दी।

शिक्षक संघ राष्ट्रीय ने ज्ञापन सौंपा

बालोतरा, 24 जनवरी (निसं)। राजस्थान शिक्षक संघ(राष्ट्रीय) बालोतरा के द्वारा राज्य सरकार से विभिन्न मांगों को पूरी करने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री व शिक्षा मंत्री के नाम से उपखण्ड अधिकारी रोहित कुमार को ज्ञापन सौंपा। शिक्षक संघ के बालोतरा जिलाध्यक्ष रूपसिंह राजपुरोहित ने बताया कि शिक्षा विभाग द्वारा शाला दर्पण पर शिक्षकों की उपस्थिति ऑनलाइन करने के विरोध में तथा राज्य सरकार द्वारा जुलाई से 5 प्रतिशत महंगाई भत्ते के आदेश अभी तक जारी नहीं करने के विरोध में शिक्षक संघ के सभी कार्यकर्ता महावीर पार्क से एकत्र होकर उपखण्ड कार्यालय तक रैली के रूप में गए तथा उपखण्ड अधिकारी को मुख्यमंत्री महोदय के नाम से ज्ञापन दिया। उपस्थित सदस्यो को सम्बोधित करते हुए पूर्व जिलाध्यक्ष कान्तिलाल व्यास ने कहा राज्यसरकार व विभाग द्वारा विद्यालय में पूर्ण सुविधाएं उपलब्ध नही कर अध्यापकों की आन लाइन उपस्थिति के आदेश जारी कर दिये जबकि सैकड़ों विद्यालय में कम्प्यूटर व इंटरनेट सुविधा व बिजली ही नही जोन से शिक्षक किस प्रकार से उपस्थिति व अवकाश ऑनलाइन के दर्ज करेंगे। राज्य सरकार कर्मचारियों के 5 प्रतिशत डी ए को लेकर मोन है। शिक्षक संघ मांग करता है कि शीघ्रता से ऑनलाइन उपस्थिति आदेश वापस ले तथा बकाया डी ए देने की घोषणा करे। इस अवसर पर बालोतरा उप शाखा अध्यक्ष लाखसिंह डुंगरोत, पृथ्वीराज चौहान, रूपेंद्र सिंह जसोल, विध्यासागर, थानाराम , भगवान गहलोत, तेजाराम सहित अनेक शिक्षक मौजूद रहे।वहीं राजस्थान शिक्षक संघ शेखावत के प्रांतीय आह्वान पर स्थानीय समदड़ी उपशाखा के द्वारा शाखा अध्यक्ष माधाराम माली व जिला उपाध्यक्ष भोमाराम गोयल के नेतृत्व में मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी श्रीमान कैलाश चंद्र कोली को माननीय शिक्षा मंत्री राजस्थान सरकार के नाम 1 जुलाई 2019 से देय पांच परसेंट महंगाई भत्ता अविलंब लागू किया जाए सहित विभिन्न मांगों का ज्ञापन सौंपा।

श्रीयादे माता जयंती कार्यक्रम आज से

बालोतरा, 24 जनवरी (निसं)। समीपवर्ती समदड़ी कस्बे के रानीदेशीपुरा रोड स्थित प्रजापत समाज सिवांची पट्टी 24 खेड़ा के श्री श्रीयादे माता मंदिर पर श्रीयादे माता जयंती पर दो दिवसीय कार्यक्रम 25 व 26 जनवरी को हर्षोल्लास व धूमधाम के साथ सम्पन्न होंगे। समाज के नरपत प्रजापत ने बताया कि दो दिवसीय कार्यक्रम को लेकर 25 जनवरी को रात्रि में मंदिर परिसर में एक शाम श्री श्रीयादे माता के नाम विशाल भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा।जिसमे भजन गायक तरुण प्रजापत जसोल एंड पार्टी द्वारा सुमधुर भजनों की प्रस्तुतियां दी जाएगी। भजन संध्या के दौरान अनेक नर्तकों द्वारा भी प्रस्तुतियां दी जाएगी। 26 जनवरी सुबह 10 बजे मंदिर में अनेक धार्मिक अनुष्ठान के कार्यक्रमो के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी।शोभायात्रा मंदिर परिसर से रवाना होकर पीपली चोक, गोर का चोक,मुख्य बाजार होते हुए गोविंद रामजी की बगेची पहुचेगी।वहाँ से दर्शन करने के बाद पुनः मंदिर परिसर आकर विसर्जित होगी।शोभायात्रा के दौरान गैर नर्तकों द्वारा गैर की प्रस्तुति दी जाएगी। दोपहर में महाप्रसादी का भी आयोजन किया जाएगा।इस दो दिवसीय कार्यक्रम को लेकर प्रजापत समाज युवा ग्रुप के कार्यकर्ताओं तैयारियों में जी जान से जुटे हुए हैं।

मजबूत लोकतंत्र के लिए निर्वाचन साक्षरता विषयक कार्यक्रम आयोजित

पाली, 24 जनवरी (निसं)। जिले में दशम् राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर नगर परिषद टाउन हॉल में मजबूत लोकतंत्र के लिए निर्वाचन साक्षरता विषयक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। जिला निर्वाचन अधिकारी दिनेशचन्द जैन ने बताया कि नगर परिषद के टॉउन हॉल में 25 जनवरी को प्रातः 11:30 बजे जिला स्तरीय राष्ट्रीय मतदाता समारोह आयोजित किया जाएगा।

विधिक जागरूकता रैली निकाली

पाली, 24 जनवरी (निसं)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं जिला एवं सेशन न्यायाधीश, पाली के आदेशानुसार शुक्रवार को राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर जिला मुख्यालय पर बालिका शिक्षा, बालिकाओं के कानूनी अधिकार, बेटी बचाओ बेटी पढाओ, निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा के संबंध में आमजन में जागरूकता के लिए जिला प्रशासन के समन्वय से विधिक जागरूकता रेली का आयोजन सवेरे न्यायालय परिसर से हिन्दू सेवा मंडल, रोटरी क्लब, लोढा स्कूल मार्ग, राजकीय बांगड चिकित्सालय, सूरजपोल से होते हुए जिला एवं सेशन न्यायालय परिसर, पाली के मार्ग पर किया गया।

रैली को घनश्याम शर्मा, विशेष न्यायाधीश, पोक्सों नंबर 2, पाली ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर आरिफ मोहम्मद खान चायल सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एंव अपर जिला न्यायाधीश, नवीन मीणा मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, श्याम सुन्दर सोलंकी संयुक्त निदेशक माध्यमिक शिक्षा, जगदीश चन्द्र जिला शिक्षा अधिकारी, माध्यमिक शिक्षा, श्रीमति सुनिता जोनवाल, प्राचार्या, सेठ मुकुनचंद बालिया बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, श्री जयनारायण काडेचा, व्याख्याता, राजकीय बांगड उच्च माध्यमिक विद्यालय, के एम शर्मा, मध्यस्थ एवं बेटी बचाओ बेटी पढाओ ब्रांड एम्बेसेडर सहित विभिन्न विद्यालयों के प्राचार्य एवं पैरालीगल वॉलियन्टर्स उपस्थित रहे। जिला मुख्यालय, पाली पर आयोजित रैली में महिला अधिकारिता विभाग से आंगनवाडी कार्याकर्ताओं, राजकीय बांगड उच्च माध्यमिक विद्यालय, पाली, सेठ मुकुनचंद बालिया बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, पाली, इमानुअल मिशन स्कूल, पाली, संस्कार केन्द्र शिक्षण संस्थान, पाली, सूरज शिक्षण संस्थान, पाली, रेनबो पब्लिक स्कूल, पाली, सहित स्काउट एवं गाइड के विद्यार्थियों ने भाग लिया। रैली के दौरान विद्यार्थियों द्वारा आमजन के बालिका शिक्षा एवं बालिकाओं के अधिकार संबंधी श्लोगनस के माध्यम से जानकारी प्रदान की गई एवं बालिकाओं के कानूनी अधिकार के पेम्पलेट्स वितरित किए गए। उक्त रैली में लगभग 800 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

सैन्य शस्त्रों की जीवन्त प्रदर्शनी, टैंको व युद्धक वाहनों के प्रति जागा जुनून

बाड़मेर, 24 जनवरी (निसं)। गणतंत्र दिवस के मौके पर भारतीय थल सेना द्वारा राजकीय स्नातकौतर महाविद्यालय के मैदान में आयोजित सैन्य शस्त्रों की जीवन्त प्रदर्शनी में टैंको व सेना के युद्धक वाहनों के प्रति लोगो का जुनून जाग पडा। विद्यालयी तथा महाविद्यालयी छात्र-छात्राओं का हुजूम मैदान में उमड़ पड़ा।

भारतीय थल सेना के जालीप मिलिट्री स्टेशन द्वारा गणतंत्र दिवस के मौके पर दो दिवसीय सैन्य शस्त्रों की प्रदर्शनी का शुक्रवार से राजकीय स्नातकौतर महाविद्यालय के मैदान में आगाज हुआ। सर्वप्रथम प्रातः 10 बजे जालीपा मिलिट्री स्टेशन के कमांडर ब्रिगेडियर सलिल सेठ ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस मौके पर जालिपा मिलिट्री स्टेशन के डिप्टी कमाण्डर कर्नल गोधारा, उप निदेशक (जनसम्पर्क) श्रवण चौधरी, मेजर नीरज गौड़ समेत जालिपा सैन्य छावनी के अधिकारी व जवान मौजूद थे। इसके बाद यह आमजन के लिए खोल दी गई। शुक्रवार को प्रदर्शनी में बड़ी संख्या में सरकारी तथा गैर सरकारी विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने अवलोकन किया तथा सेना के टैंको तथा युद्धक वाहनों का उत्साह के साथ अवलोकन किया। प्रदर्शनी में टैंक टी-55, टी-72, एआरवी, एमएससी, सीएमटी, ब्रिज, बीएलटी तथा ट्रेक एम्बुलेंस को रखा गया तथा वहां मौजूद सैन्य कार्मिकों ने उनकी कार्यप्रणाली के बारे में विस्तार से जानकारी दी। वहीं अस्त्रों में रायफल तथा एलएमजी के निशाने व इसकी कार्यप्रणाली के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

जिला कलेक्टर अंशदीप ने प्रदर्शनी में आमजन की अधिकाधिक भागीदारी सुनिश्चित की अपील की हैं ताकि भारतीय सेना की सामरिक क्षमता से प्रत्येक व्यक्ति परिचित होकर गर्व की अनुभूति कर सके। उन्होंने इसके व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए है। दो दिवसीय प्रदर्शनी शनिवार को सांय 4 बजे तक आमजन के अवलोकन के लिए खुली रहेगी।

राष्ट्रीय बालिका दिवस पर कई कार्यक्रम हुए

रैलियां निकाली, बालिका स्वास्थ्य जांच शिविर लगा, कलाकारों का सम्मान हुआ

जोधपुर, 24 जनवरी (कासं)। राष्ट्रीय बालिका दिवस आज उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर रैली, स्वास्थ्य शिविर, बालिका कलाकारोंका सम्मान सहित कई कार्यक्रम हुए।

जोधपुर की विभिन्न गलियों, मोहल्लों और कॉलोनियों से निकलकर जब बालिकाओं की कतारें रैली के माध्यम से शहर के मार्गो से होकर उम्मेद राजकीय स्टेडियम पहुंची। स्टेडियम में राजस्थान उच्च न्यायालय के न्यायाधिपतिगण, न्यायिक अधिकारीगण, जिला प्रशासन के अधिकारीगण, पुलिस अधिकारीगण, शिक्षा एवं खेल अधिकारीगण एवं अन्य अधिकारीगण, कर्मचारी एवं विभिन्न क्षेत्रों के अतिथि व गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। यह रैली कलेक्ट्रेट परिसर, नैली बाई का मंदिर तथा पुलिस कंट्रोल रूम से रवाना होकर उम्मेद स्टेडियम पहुंची।

राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यकारी सदस्य एवं न्यायाधिपति संगीत राज लोढा ने इस अवसर पर कहा कि महिलाएं सशक्त होगी तभी देश सशक्त होगा। संविधान के अधिकार की व्यावहारिकता की तभी सार्थक होगी।

बालिका शिक्षा के माध्यम से आसमान की ऊंचाइयां तय करने वाली बालिकाओं के अधिकारों के प्रतीक तिरंगे गुब्बारों को न्यायाधिपतिगण ने उड़ाया तो जोशिला वातावरण सृजित हो गया। समारोह में विजयलक्ष्मी गोयल के निर्देशन में जालेली आईचा विद्यालय की बालिकाओं ने राजस्थानी लोकनृत्य की प्रस्तुति देकर समां बांध दिया।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष नृसिंहदास व्यास ने आरंभ में बालिका शिक्षा अधिकार संबंधी संविधान का वाचन किया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव सिद्धेश्वरपुरी ने अतिथियों का स्वागत किया। समारोह में राजस्थान उच्च न्यायालय के न्यायाधिपति संदीप मेहता, विजय विश्नोई, अरूण भंसाली, पुष्पेन्द्रसिंह भाटी, दिनेश मेहता, विनीत कुमार माथुर, मनोज कुमार गर्ग एवं अभय कुमार चतुर्वेदी सहित विभिन्न न्यायिक अधिकारीगण विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

इसी प्रकार राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बलवंत मण्डा ने बताया कि बेटियों के महत्व को बताने के संकल्प के साथ जिला स्तरीय कार्यक्रम जोधपुर के राज इंटरनेशनल स्कूल में बेटी बचाओ बेटी पढाओ, भ्रूण लिंग परीक्षण को ना कहे, बेटिया अनमोल है, महिला सशक्तिकरण आदि विषय पर व्याख्यान व पोस्टर लेखन, रंगोली व मेहंदी आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमे विनर रही छात्राओं को स्वास्थ्य विभाग की ओर से पुरस्कार वितरित किये गए। उधर श्रीराम हॉस्पीटल एवं आईवीएफ सेन्टर, महामंदिर शाखा में आज विशेष कार्यक्रम केवल उन माताओं के लिए आयोजित किया गया जिनके 1 से 3 वर्ष की बालिका-शिशु है।

कार्यक्रम में डा. सुमन गालवा द्वारा बालिकाओं के स्वास्थ्य संबंधित

शिविर में जांच करती डाक्टर। जलतेदीप

समस्याओं व उनके निवारण के बारे में जानकारी प्रदान की गई। साथ ही सरकार द्वारा मिलने वाली स्वास्थ्य सेवाओं-योजनाओं बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओं, सुकन्या समृद्धि योजना, बालिका समृद्धि योजना, धनलक्ष्मी-लाडली-उड़ान योजना और बालिका निशुल्क शिक्षा योजना के बारे में बताया गया। कार्यक्रम में बालिकाओं की डा. रहेजा द्वारा जांच भी की गई। श्री राम हॉस्पीटल ग्रुप निदेशक डॉ सुनिल चाण्डक ने बालिकाओं को उपहार दिए। केक काटकर मनाया नेशनल गर्ल्स डे : इसी प्रकार मोयल मार्शल आर्ट क्लब, जोधपुर जिला तलवारबाजी संघ, पेंचक सिलाट एसोसिएशन ऑफ जोधपुर व मारवाड़ मुस्लिम एज्यूकेशनल एण्ड वेलफेयर सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर कमला नेहरू नगर स्थित मौलाना आजाद कैम्पस में पेंचक सिलाट खेल के राष्ट्रीय पदक विजेता खिलाड़ियों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

जिला संघ के सचिव इकबाल मोयल ने कहा कि जयपुर में आयोजित राज्य प्रतियोगिता, चेन्नई में आयोजित सीनियर नेशनल तथा मध्यप्रदेश के देवास में आयोजित वेस्ट जोन पेंचक सिलाट प्रतियोगिता के खिलाडी नूरूल हसन, ताहिर मुगल, कनीज फातिमा मोयल, रिशान अहमद, अयाज अहमद, अकरम मोयल, यश्वर्धन चितारा, मोहम्मद हुसैन भाटी, अब्दुल रज्जाक मोयल, इकबाल मोयल सहित कुल 21 पदक विजेता खिलाडियों का मेड़ल्स प्रदान कर सम्मान किया गया।

मारवाड़ मुस्लिम एजुकेशनल एंड वेलफेयर सोसायटी के पूर्व महासचिव मोहम्मद अतीक मुख्य अतिथि थे।

कलाकारों का सम्मान : इसी प्रकार राजकीय महात्मा गांधी उच्च माध्यमिक विद्यालय में पुरस्कार वितरण समारोह शिक्षाविद् एवं समाजसेवी प्रोफेसर डॉ.अय्यूब खान के मुख्य आतिथ्य में हुआ। कार्यक्रम प्रभारी अकमल नईम सिद्दीक़ी और प्रधानाचार्य मज़ाहिर सुलतान ज़ई ने विचार रखे। विशिष्ट अतिथि बालिका विद्यालय जालोरीगेट की प्रधानाचार्य शमीम खान थी।

समान परीक्षा योजना सचिव किशोर कुमार ने बालिकाओं के लिये सरकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए उनसे अधिक से अधिक लाभान्वित होने का आव्हान किया। इस अवसर पर भामाशाह के रूप में नियमित सहयोग देने वाली मीनल बैंजामिन के अभिनन्दन के पश्चात् एकता इंकिया, ज़ेबा नाज़, मयंक सोलंकी, मनीष सांखला, परिणिति चैरड़िया, वरूण शर्मा, कोमल कुँवर, प्रिया बोहरा, सायमा परवीन, रोहित भाटी, असफा नईम, जाग्रति सोनी, मोहित भार्गव, यज्ञ दवें, चन्द्र सैन व निज़ाम को प्रशस्ति पत्र प्रदान किये गये। इसी प्रकार पंचायत समिति मंडोर व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बनाड़ में आयोजित हुआ। इस अवसर पर प्रभात रैली का आयोजन किया गया। विकास अधिकारी विक्रम सिंह राजपुरोहित, ब्लॉक शिक्षा अधिकारी डॉ. शीला आसोपा पूर्व उपप्रधान मिश्रीलाल छाबा, सरपंच बनाड गोपाराम कडवासरा ने हरी झंडी दिखाकर रैली का शुभारंभ किया। रैली में बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने, कन्या भ्रूण हत्या रोकने, बालिका सशक्तिकरण, बेटी का दहेज नहीं डिग्री दिलाओ आदि विभिन्न नारे लगाए गए। इस अवसर पर रा.उ.मा.वि. जालेरी आहिचा की छात्राओं द्वारा कन्या भ्रूण हत्या रोकने के लिए नृत्य प्रस्तुत किया। रा.उ.मा.वि. बनाड़ की छात्राओं ने भाषण व नाटक प्रस्तुत किये गये। इस अवसर पर सरपंच गोपाराम कड़वासरा व पं.स. मण्डोर द्वारा पोस्टर, निबंध, वाद-विवाद प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किये तथा सभी विद्यार्थियों को स्टेशनरी व मिठाई वितरित की गई।

कलेक्ट्री पर प्रदर्शन करते समाज के लोग। जलतेदीप

सरगरा समाज ने राज्य सरकार विरूद्ध निंदा प्रस्ताव पारित किया

समाज की बेटी के साथ दुष्कर्म कर हत्या का मामला

जोधपुर, 24 जनवरी (कासं)। सरगरा समाज की बालिकाओं के लिए छात्रावास व समाज की एक बेटी के साथ दुष्कर्म कर हत्या के मामले को लेकर आज सरगरा समाज ने प्रदेश सरकार के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पारित कर जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा।

सरगरा समाज छात्रावास संघर्ष समिति के अध्यक्ष विष्णु सरगरा मोल ने बताया कि समाज पिछले लंबे समय से बालिकाओं के लिए छात्रावास की मांग कर रहा है। जोधपुर विकास प्राधिकरण ने मोगडा खुर्द में खसरा संख्या 295 का ले आउट बनाकर संयुक्त शासन सचिव राजस्थान सरकार को भिजवा दिया गया परंतु राज्य सरकार ने इस पर कोई कार्यवाही नही कर ठंडे बस्ते में डाल दिया है। जिससे बालिकाओं को शिक्षा सुविधा छात्रावास नही दिया जा रहा है। विष्णु ने बताया कि इसी प्रकार गत 4 दिसंबर 2019 को समाज की एक बालिका की दुष्कर्म कर हत्या कर दी गई जिसमें पुलिस प्रशासन द्वारा अनदेखी की जा रही है।

समाज ने आज राष्ट्रीय बालिका दिवस पर राज्य सरकार के विरूद्ध निंदा प्रस्ताव कर जिला कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा। इस अवसर पर भाजपा महिला मोर्चे की जिलाध्यक्ष इंद्रा राजपुरोहित, उपाध्यक्ष कांता राठी, अनिता सागर, सिम्पल भाटी, रिंकू तेजी, मनिंदर सिंह, मांगीलाल सरगरा, सतीश नागौरी, नरसिंह चौहान, कृति, रविन्द्र सरगरा, जगदीश पंवार, रणदीर सरगरा, जसराज छेडवाल, भंवर दिव्यांग व जसवंत भील आदि उपस्थित रहे।

प्रशिक्षु अधिकारियों की टीम ने काजरी का भ्रमण किया

जोधपुर, 24 जनवरी (कासं)। भारत सरकार पर्यावरण वन एव जलवायु परिवर्तन मंत्रालय केन्द्रीय अकादमी राज्य वन सेवा देहारादून के 2018-2020 बैंच के प्राशिक्षु वन अधिकारियों की टीम ने काजरी का भ्रमण किया।

प्रधान वैज्ञानिक डा. सिरिन ने बताया कि भारतीय जीवन शैली में

वनो, प्राकृतिक संसाधनों, झीलों, नदियों की अहम भूमिका है। उन्होंने कृषि वानिकी, चारागाह विकास व राजस्थान की वन सम्पदा के बारे में जानकारी दी।

कृषि तकनीकी सूचना केन्द्र में तकनीकी अधिकारी गजेसिंह जोधा ने संस्थान की शोध उपलब्धियों, तकनीकी हस्तातरण व शुष्क क्षेत्र में होने वाली फसल व उन्नत बीजों तथा कम पानी में अधिक पैदावार किस प्रकार ले सकते है इस संदर्भ में जानकारी दी।

सूचना प्रचार अनुभाग के वरिष्ठ तकनीकी सहायक रमेश चद्र चौधरी ने संस्थान के शोध क्षेत्रों का भ्रमण कराया। टीम को एकेएमयू के तकनीकी अधिकारी विमल पुरोहित व सूरज प्रकाश जी ने संस्थान की फिल्म प्रर्दशित कर जानकारी दी। टीम का नेतृत्व कर रहें टीम लीडर चरण जीएस (एसएफएस) ने बताया कि 2018-2020 बैंच के प्राशिक्षुओं में छत्तीगढ़, कर्नाटक, मध्यप्रदेश, ओडिशा के प्रशिक्षु सम्मलित

है।

बैनर का विमोचन करते अतिथि। जलतेदीप

प्रदर्शनी का शुभारंभ करते अतिथिगण। जलतेदीप

मतदान दिवस पर दो दिवसीय प्रदर्शनी शुरू, शपथ दिलाई

जोधपुर, 24 जनवरी (कासं)। जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर शुक्रवार को सूचना केन्द्र के मिनी ऑडिटोरियम में दो दिवसीय प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। उप जिला निर्वाचन अधिकारी एडीएम प्रथम एमएल नेहरा ने दीप प्रज्जवलित कर प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी नेहरा ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस अवसर पर अतिरिक्त कलेक्टर तृतीय अंजुम ताहिर सम्मा साथ थे। प्रदर्शनी में निर्वाचन से संबंधी विभिन्न प्रकार के पोस्टरों का प्रदर्शन किया गया तथा निर्वाचन विभाग के निर्देशानुसार युवा एवं भावी मतदाताओं के सशक्तिकरण के संबंध में विशेष रूप से पोस्टर प्रदर्शनी रखी गई। इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने सभी कर्मचारियों को लोकतंत्र में पूर्ण आस्था रखने, स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण्य रखते हुए निर्भिक होकर धर्म, वर्ग, जाति, समुदाय, भाषा अथवा किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना मताधिकार प्रयोग करने की शपथ ली गई।

उन्होंने बताया कि 25 दिसम्बर को मतदाता दिवस समारोह सूचना केन्द्र के मिनी ऑडिटोरियम में प्रातः 11 बजे आयोजित किया जाएगा। समारोह में उत्कृष्ट कार्य करने वाले बीएलओ एवं कर्मचारियों को सम्मानित किया जाएगा तथा 1 जनवरी 2020 को 18 वर्ष आयु वाले युवा मतदाताओं को शपथ दिलाई जाएगी तथा बैज प्रदान किया जाएगा।

अश्लील फोटो व वीडियो वायरल करने की धमकी देकर देह शोषण का मुकदमा दर्ज

जोधपुर, 24 जनवरी (कासं)। अश्लील फोटो व वीडियो वायरल करने की धमकी दे कर देह शोषण करने का मामला पीडिता ने इस्तगासे के जरिए चौहाबो थाने में दर्ज करवाया है।

इस्तगासे में पीड़िता ने बताया कि गायत्रीनगर थोरियों की ढ़ाणी निवासी देवेन्द्र सोनी पुत्र भंवरलाल सोनी गत पांच वर्ष पूर्व गांव के संबंध बताते हुए घर आया था। उसने मेरे ससुराल वालों से अनबन होने के कारण आर्थिक व मानसिक परेशानी का फायदा उठाते हुए हर संभव मदद करने का झांसा दिया। न्यायालय में विचाराधीन मुकदमे की पैरवी भी उसने उपने परिचित अधिवक्ता से पैरवी करवाई। जिसका फैसला भी एक माह पूर्व हो गया। इस दौरान देवेन्द्र ने आर्थिक मदद भी की। पीडिता ने आर्थिक मदद लौटाने जाती तो देवेन्द्र उसे अलग-अलग जगह बुलाता। एक दिन किसी औरत को सोना देने के लिए जैसलमेर चलने को कहा।

पोकरण के पास एक होटल में खाना खाने के बहाने रूका। तबियत खराब होने का कहकर होटल में रूकने को कहा। देवेन्द्र ने होटल के कमरे में अश्लील हरकते की विरोध करने पर दुष्कर्म किया। पीडिता ने धरवालों व पुलिस को बताने को कहा तो उसने समाज में बदनाम करने की धमकी दी। फिर तो वह बार बार शारीरिक शोषण करने लगा। उसके बुलाने पर नहीं जाती तो वह घर आ जाता था। पीडिता ने बताया कि सस्ता मकान दिलाने के बहाने पैन कार्ड, खाली स्टाम्प व चैक लेकर गया बाद में टालमटोल करने लगा। फिर उसने फोन कर दुकान पर बुलाया तथा तत्काल रूपयों की जरूरत बता कर सोना गिरवी रखने को कहा। सोना गिरवी रख कर 12 लाख रूपये अशोक उद्यान पर लाकर दिए। देवेन्द्र ने अश्लील फोटो व वीडियो वायरल करने की धमकी देकर कई लेन देन पीडिता के मार्फत किए। गत 19 दिसंबर को परिचितों के फोन आने पर पता चला कि देवेन्द्र ने मेरे खिलाफ झूठा मुकदमा दर्ज करवाया है। गत 20 दिसंबर को पुलिस कमिश्नर के समक्ष प्रस्तुत होकर शारीरिक शोषण की शिकायत भी की। पुलिस कमिश्नर ने शिकायत को मार्क कर चौपासनी हाउसिंग बोर्ड थाने भेज दिया।

स्पोर्ट्स स्कूल खोलने पर आभार जताया

जोधपुर, 24 जनवरी (कासं)। राजस्थान शारीरिक शिक्षक संघ ने राज्य सरकार द्वारा सीकर, जयपुर और उदयपुर में स्पोर्ट्स स्कूल खोलने और सभी प्रकार की सरकारी नौकरियों में 2 प्रतिशत खिलाड़ी कोटा आरक्षित करने की मुख्यमंत्री की घोषणा का स्वागत किया है।

संघ के प्रदेश अध्यक्ष हापुराम चौधरी, मुख्य महामंत्री डॉ. रमेश इंदौलिया, जितेंद्र सिंह चौहान, यशपाल सिंह खींची, प्रहलाद चौधरी, हनुमान विश्नोई, देवेंद्र सिंह चौहान, जवाहर सेन, भैरूसिंह राठौड़ व ऋतुराज पारीक ने सरकार के इस कदम को साहसिक बताया। संघ ने एक ज्ञापन देकर सरकार से मांग की कि जोधपुर सहित राज्य के सभी जिलों में स्पोर्ट्स स्कूल व स्पोर्ट्स विश्वविद्यालय खोलने की भी मांग की। वर्तमान में शाला क्रीड़ा संगम गौशाला मैदान में सिंथेटिक ट्रैक बना हुआ है और छात्रावास की भी व्यवस्था है, यहां एथलेटिक्स एकेडमी खोली जानी चाहिए, ताकि सिंथेटिक का उपयोग किया जा सके और खिलाड़ी तैयार हो सके। मॉडल स्कूल की तर्ज पर प्रत्येक जिले में जिला स्तर पर स्पोर्ट्स स्कूल खोले जाएं। हापुराम ने खेलों को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, शिक्षा मंत्री गोविंदसिंह डोटासरा, खेल मंत्री अशोक चांदना का संघ की ओर से आभार जताया है।

नैत्र जांच शिविर आज

जोधपुर, 24 जनवरी (कासं)। परमार्थ रिलीफ सोसायटी चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग तथा अंधता निवारण समिति द्वारा आचार्य श्री हस्ती दीक्षा शताब्दी वर्ष 2020-21 के उपलक्ष में राजाराम महाराज एवं कृपाराम महाराज के सानिध्य में 25 जनवरी को प्रात 10 से 1 बजे तक निशुल्क नैत्र जांच चिकित्सा शिविर गुरूकृपा आश्रम,संत धाम, गुरों का तालाब, प्रताप नगर में आयोजित किया जाएगा।

संस्था के प्रवक्ता अमित भंडारी ने बताया कि शिविर में मरीजों के नेत्रों की जांच कर चयनित ऑपरेशन लायक मरीजों का फेको पद्वति द्वारा मोतियाबिंद ऑपरेशन लैंस प्रत्यारोपण मिश्रीमल बाफना परमार्थ अस्पताल में निशुल्क किए जाएंगे।

कायमखानी समाज का रक्तदान शिविर कल

जोधपुर, 24 जनवरी (कासं)। कायमखानी समाज की ओर से चतुर्थ रक्तदान शिविर का आयोजन 26 जनवरी को पुराना स्टेडियम सिनेमा बम्बा रोड कायमखानी चौक में सुबह 9 से दोपहर 2 बजे तक आयोजित किया जाएगा।

आयोजक इमरान खान कायमखान ने बताया कि आज शिविर के पोस्टर का विमोचन बड़ी मस्जिद के इमाम आरिफ,सद्दीक कायमखानी, इब्राहिम खोखर, फूल मोहम्मद, गुलाम नबी, खुर्शीद नवाब, यूनुस खान, खालिद अली, इमरान खान, आदिल खान, इमरान साबिर खान, इरफान खान अज़हर खान, कालू व जाकिर द्वारा किया गया।

स्कूलों के वार्षिक उत्सव आज

जोधपुर, 24 जनवरी (कासं)। खेमे का कुआ स्थित विद्या भारती द्वारा संचालित भवानी आदर्श विद्यामंदिर का वार्षिक उत्सव 25 जनवरी की सांय 5.30 बजे विद्यालय प्रांगण में मनाया जाएगा। जिसमें विद्यामंदिर के विद्यार्थियों द्वारा शारीरिक और रंगमंचीय कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी जायेगी।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एनआर विश्नोई, विशिष्ठ अतिथि राजेन्द्रसिंह चंपावत, श्रीमती पूनम पंवार और राजेश पंवार होंगे। अध्यक्षता सोहनलाल जैन तथा मुख्य वक्ता विद्या भारती के प्रांत सचिव महेन्द्र दवे होंगे। स्कूल के प्रधानाचार्य ने यह जानकारी दी।

इसी प्रकार लाल मैदान स्थित आदर्श विद्या मंदिर उच्च प्राथमिक विद्यालय का वार्षिक उत्सव 25 जनवरी को सायं 5.15 बजे विद्यालय परिसर में मनाया जाएगा।

प्रधानाचार्य नंदुसिंह शेखावत ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पद्मभूषण डॉ नारायणसिंह माणकलाव, विशिष्ट अतिथि सुरेश गोयल व जेठानंद खत्री, अध्यक्ष एवं मुख्य वक्ता प्रोफेसर लालसिंह राजपुरोहित होंगे।

पुर्नविवाह मोटिवेशन कार्यशाला 2 फरवरी को

जोधपुर, 24 जनवरी (कासं)। रावणा राजपूत समाज द्वारा तृतीय वैवाहिक कार्यशाला विधवा विधुर पुन विवाह मोटिवेशन के रूप में 2 फरवरी को सांय 4 से 6 बजे तक श्री शिव प्याऊ मसूरिया पाल रोड में होगी।

श्री रावणा राजपूत मैरिज ब्यूरो के मुख्य संकलनकर्ता रेवतसिंह गहलोत ने बताया कि कार्यशालामें वैवाहिक रिश्तों की जानकारी रखने वाले विशेषज्ञ हरिसिंह सोलंकी, गोविंद सिंह राठौड़, नारायणसिंह सांखला, श्याम सिंह शेखावत, गिरीजा भाटी,संतोष भाटी, रीता शेखावत, वंदना सांखला, नीरू भाटी, डिम्पल सांखला, अनिता तंवर, पूजा, रतन कंवर सुनिता कंवर व नीलू परिहार द्वारा सेवाएं देंगे। कार्यशाला में विवाह योग्य युवक युवती कम्प्यूटराईड सूची प्रिण्ट कर हाथों हाथ वितरण नवीन बायोडाटा पंजीयन हुकमसिंह तंवर, प्रमोदसिंह भाटी, भवानीसिंह सोलंकी, कमलकिशोर गहलोत, करणसिंह परिहार दाऊसिंह राजावत, देवीसिंह कच्छवाहा टीम द्वारा किया जाएगा।

आत्महत्या व आत्मदाह का प्रयास करने वाली दो युवतियों की मौत

जोधपुर, 24 जनवरी (कासं)। अलग-अलग स्थानों पर आत्महत्या व आत्मदाह का प्रयास करने वाली दो युवतियों की उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने शुक्रवार को कार्रवाई के बाद शव परिजनों को सौंप दिए।

प्रतापनगर पुलिस ने बताया कि लाला लाजपतराय कॉलोनी निवासी राधा (18) पुत्री पूनमचंद मेघवाल ने गत 14 जनवरी को घर में फंदा लगाकर आत्महत्या का प्रयास किया था। समय रहते परिजनों को पता लगने पर परिजनों ने फंदा काटकर उसको इलाज के लिए एमजीएच अस्पताल पहुंचाया जहां पर उसको भर्ती किया गया। करीब दस दिन तक जिन्दगी और मौत के संघर्ष के बाद आज सुबह उसने दम तोड़ दिया। पुलिस ने मृतका के भाई विष्णु की रिपोर्ट पर मर्ग दर्ज किया गया।

आत्महत्या का कारण सामने नहीं आया है। वहीं मंडोर पुलिस ने बताया कि पहाड़िया बेरा मंडोर क्षेत्र में रहने वाली सुधा पत्नी अशोकसिंह सांखला गुरुवार को घर पर अकेली थी। तब उसने खुद पर ज्वलनशील पदार्थ उड़ेलकर आग लगा दी। गंभीर रूप से झुलसी सुधा को परिजन इलाज के लिए एमजीएच अस्पताल लेकर गए जहां उसको बर्न यूनिट में भर्ती किया गया। उसने देर रात को दम तोड़ दिया।

घर के बाहर खड़ी बाइक फूंकी

जोधपुर, 24 जनवरी (कासं)। नागौरी गेट थाना क्षेत्र में घर के बाहर खड़ी एक बाइक को आग लगा दी गई। पीड़ित ने रंजिश में आग लगाने का आरोप एक युवक पर लगाया है। घटना सप्ताह भर पहले की है। पुलिस ने इसमें अनुसंधान आरंभ किया है।

नागौरी गेट पुलिस ने बताया कि उदयमंदिर आसन क्षेत्र में रहने वाले अनवर बेग पुत्र सनवर बेग ने रिपोर्ट दी।

इसमें बताया कि गत शुक्रवार अलसुबह उसके घर के बाहर खड़ी बाइक को किसी ने आग लगाकर जला दिया। उस वक्त आग लगाने वाले का पता नहीं लगा। अपने स्तर पर की गई जांच में पता लगा कि शायद उससे रंजिश रखने वाला इसी क्षेत्र में रहने वाले नदीम वारदात को अंजाम दे सकता है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की है।

जाजड़ा राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष मंनोनीत

जोधपुर, 24 जनवरी (कासं)। अखिल भारतवर्षीय श्री गुर्जर गौड़ ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सत्यप्रकाश जोशी ने कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए जोधपुर के युवा समाजसेवी सूरजप्रकाश जाजड़ा को राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनोनीत किया है। श्री जाजड़ा पूर्व में महासभा में राष्ट्रीय युवक संघ प्रभारी का दायित्व निभा रहे थे।

बाल बसेरा को वॉशिंग मशीने भेंट

जोधपुर, 24 जनवरी (कासं)। रोटरी क्लब ऑफ जोधपुर मिडटाउन ने बाल बसेरा को दो वॉशिंग मशीन भेंट की।

रोटरी क्लब ऑफ जोधपुर मिडटाउन के अध्यक्ष पुनीत राव ने बताया कि पूर्व अध्यक्ष विनय कोठारी ने रोटरी क्लब ऑस्ट्रेलिया के प्रतिनिधि के साथ बाल बसेरा का दौरा किया। उन्होंने क्लब के अनुरोध पर बाल बसेरा को दो वॉशिंग मशीन भेंट की।

होटल प्रबंध संस्थान के शिविर में 62 जनों ने रक्तदान किया

जोधपुर, 24 जनवरी (कासं)। राज्य होटल प्रबंध संस्थान में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें राजकीय महात्मा गांधी अस्पताल के सहयोग से रक्त संग्रह किया गया। डॉ नवतेज चौधरी के साथ उनकी टीम ने रक्त संग्रहण किया। शिविर के उदघाटन सत्र पर संस्थान के प्राचार्य कृष्ण गोपाल दुबे ने रक्तदान का महत्व बताते हुए इससे जुडी विभिन्न भ्रान्तियों को दूर किया। शिविर में 62 विद्यार्थियों एवं स्टाफ ने रक्तदान किया गया।

पीनएबी द्वारा अपना घर और अनुबंध में भोजन वितरण कल

जोधपुर, 24 जनवरी (कासं)। गणतंत्र दिवस पर पंजाब नेशनल बैंक की कोपोरेट सामाजिक दायित्वके अंतर्गत निराश्रित जनों के लिए पाल रोड स्थित अपना घर आश्रम तथा नागौर रोड स्थित वृद्धाश्रम अनुबंध में भोजन वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। प्रबंधक राकेश खन्ना ने बताया कि बैंककी गतिविधियों सीएसआर में समाज के हर तबके को लाभांवित करने का संकल्प लिया गया है। इसके साथ ही गणतंत्र दिवस पर प्रात 9 बजे चौपासनी रोड स्थित मंडल कार्यालय पर झंडारोहण किया जायेगा। तत्पश्चात 10 बजे बैंक की अधिकारी आवासीय कॉलोनी शुभम में देशभक्ति आधारित कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

हुण्डई फ्री कार चेकअप केंप 27 तक

जोधपुर, 24 जनवरी (कासं)। गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में देवड़ा हुण्डई अपने ग्राहकों के लिये 22 से 27 जनवरी तक फ्री कार चेकअप केंप का आयोजन रहा है। केंप में कंपनी की तरफ से सर्विस लेबर पर 26 प्रतिशत की छूट दी जा रही है। देवड़ा हुण्डई एमडी किशन सिंह देवड़ा ने बताया कि केंप में ग्राहक कार के फ्री चेकअप के साथ साथ अपनी 4 साल से पुरानी कार का मूल्यांकन भी करवा सकते है। फ्री पिक एंड ड्राप की सुविधा हमेशा उपलब्ध कराई जाती है। यह सुविधा देवड़ा हुण्डई के सभी वर्कशॉप पाली, सुमेरपुर, जालोर, बाडमेर व भीनमाल पर भी उपलब्ध करवाई जा रही हैं।

दैनिक
जलते दीप

जयपुर, शनिवार 25 जनवरी 2020

संक्रमण के खिलाफ

एक करोड़ से भी अधिक आबादी वाले चीन के वुहान शहर को फिलहाल पूरी दुनिया से अलग-थलग कर दिया गया है। वहां आने-जाने वाली उड़ानों को रोक दिया गया है, सड़कें बंद कर दी गई हैं और ट्रेनों को रोक दिया गया है। अब न तो वहां के लोग बाहर आ सकते हैं और न बाहर के लोग वहां जा सकते हैं। इस समय जिस नए कोरोना वायरस से दुनिया आतंकित है, वह इसी शहर से शुरू हुआ था, यहीं से आगे बढ़कर अमेरिका तक पहुंच गया। लेकिन अभी भी इसका सबसे घनीभूत संक्रमण इसी शहर में है और चीन को उम्मीद है कि इस शहर के दरवाजे बंद करके वह इस रोग को और फैलने से रोक लेगा। वुहान की गिनती चीन के आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण शहरों में होती है। यह वह शहर है, जहां बड़े पैमाने पर विदेशी निवेश हुआ है और बहुत बड़े औद्योगिक परिसर बनाए व बसाए गए हैं, जो चीन की अर्थव्यवस्था में बड़ा योगदान देते हैं। इतने महत्वपूर्ण शहर को इस तरह बंद करने का फैसला चीन सरकार के लिए आसान नहीं रहा होगा, पर चीन सरकार शायद साल 2002 की सार्स वाली घटना को दोहराना नहीं चाहती। सार्स भी एक तरह का कोरोना वायरस था, जिसकी शुरुआत भी चीन में ही हुई थी। जब यह शुरू हुआ, तो लंबे समय तक चीन की सरकार इसका खंडन करती रही। नतीजा यह हुआ कि देखते ही देखते यह वायरस 34 देशों में फैल गया था और उससे मरने वालों की संख्या भी बहुत जल्द 750 को पार कर गई थी। इसके मुकाबले वुहान में कोरोना वायरस से मरने वालों की संख्या अभी तक 17 है। फिलहाल इसे सार्स जितना खतरनाक माना भी नहीं जा रहा, लेकिन डर यह है कि इसमें कुछ और म्यूटेशन हो गए, तो खतरा बढ़ भी सकता है। सार्स के दस साल बाद ऐसा ही एक रोग मर्स पश्चिम एशिया से शुरू हुआ था। यह भी एक कोरोना वायरस ही था, जिसने ढाई हजार से ज्यादा लोगों की जान ली थी। यह बताता है कि वायरस संक्रमण को लेकर सतर्कता बहुत जरूरी है। कोरोना वायरस आमतौर पर पालतू पशुओं को संक्रमित करते हैं। कई बार उनमें म्यूटेशन होता है और वे मनुष्यों को भी अपनी चपेट में लेने लगते हैं। वुहान से शुरू हुआ यह वायरस भी इसी तरह का है, जो कैसे शुरू हुआ, यह अभी ठीक से पता नहीं है। फिलहाल माना रहा है कि यह सी-फूड के जरिए फैला है। पिछले कुछ समय में पशु-पक्षियों से मनुष्यों में फैलने वाले वायरस संक्रमण बढ़े हैं। सार्स, मर्स, इबोला, स्वाइन फ्लू, बर्ड फ्लू वगैरह इसी श्रेणी के संक्रमण हैं। इन सभी ने दुनिया को आतंकित किया है। अभी सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या वुहान को चारों तरफ से बंद करके इस रोग को फैलने से रोका जा सकेगा? खासकर तब, जब यह अमेरिका तक पहुंच चुका है और चीन-यात्रा करने वाले डेढ़ दर्जन अमेरिकी इससे संक्रमित पाए गए हैं। जाहिर है, यह संक्रमण चीन के दूसरे हिस्सों में भी पहुंच चुका होगा। लेकिन वुहान में यह ज्यादा फैल चुका है, इसलिए इसे रोकने का आपातकालिक उपाय शायद उसे अभी यही दिखा होगा। अब चुनौती इस वायरस को वुहान में खत्म करते हुए बाकी हिस्सों में भी खत्म करने की होगी। लेकिन दुनिया के सामने इससे कहीं बड़ी चुनौती ऐसी नई रणनीति बनाने की है, जिससे ऐसे रोगों को फैलने से पहले ही पहचाना और रोका जा सके।

दस गुना पेड़

राज्य सरकार ने माजरी से हरियाणा और माजरी से नीमराणा हाइवे का प्रोजेक्ट तैयार किया है। इस प्रोजेक्ट के तहत कुल 43 किलोमीटर लंबी सडक को स्टेट हाइवे के रूप में तैयार किया जाना है। सडक को स्टेट हाइवे का रूप देने के लिए कुल 5729 पेड़ काटने के लिए चिन्हित किये गए हैं। एक ओर तो वृक्ष लगाओ अभियान चल रहा है और दूसरी ओर इतनी बड़ी संख्या में पेड़ काटने का निर्णय लिया गया। इससे पर्यावरणविदो को चिंता होनी स्वाभाविक है। नतीजतन पेड़ काटने के खिलाफ लोकेश खंडेलवाल ने उच्च न्यायालय में जनहित याचिका दायर की। याचिकाकर्ता ने पेड़ काटने का सख्त विरोध करते हुए पर्यावरण को होने वाले नुकसान का हवाला दिया। दूसरी ओर राज्य की ओर से महाधिवक्ता एमएस सिंघवी ने स्टेट हाइवे की जरूरत को रेखांकित करते हुए कहा कि सरकार ने 859 पेडों को प्रत्यारोपित करने की योजना बनाई हैं,वैसे कांटे जाने वाले पेडों की तुलनामें ज्यादा पेड लगाये जाएंगे। दोनों पक्षों की बातें सुनने के बाद उच्च न्यायालय ने स्टेट हाइवे के निर्माण के लिए पेड काटने की अनुमति तो दे दी,लेकिन इस शर्त के साथ कि स्टेट हाइवे के निर्माण के लिए जितने भी पेड लगाने की सख्त आवश्यकता है। पेडों के रखरखाव के साथ ही न्यायालय की भावना का सरकार का सम्मान करने को कहा है। न्यायालय ने जो दस गुना पेड लगाने का निर्देश दिया, उसका आधार बॉम्बे हाईकोर्ट का फैसला है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने आरे मामले में दस गुना पेड लगाने का फैसला दिया था। न्यायालय ने निसंदेह उचित फैसला दिया है। कभी-कभी जरूरत पडने पर पेडों को काटना भी आवश्यक हो चुका है कि पेडों को काटने के साथ ही नये पेड लगाये जाएं। नये पेड काटे गए पेडों की तुलना में अधिक लगाने इसलिए जरूरी हैं, क्योंकि लगाये गए सभी पेड जीवित नहीं रहते हैं। ऐसी स्थिति में कई गुना अधिक पेड़ लगाये जाने होते हैं। सिर्फ पेड लगा देना ही जरूरी नहीं होता है,उन लगाये गए पेडों का रखरखाव भी जरूरी होता है,ताकि पेड जीवित रहे सकें। आज पर्यावरण की क्या स्थिति हो चुकी है,यह किसी से भी छिपा हुआ नहीं है। पर्यावरण संकट दिन प्रति दिन बढता जा रहा है। ऐसे हालात में अधिकाधिक पेड़ लगाये जाने से ही पर्यावरण संकट का सामना किया जा सकता है। सरकार समय समय पर, खास तौर से बारिश के दिनोंमें वृक्षारोपण अभियान चलाती है। वृक्षारोपण तो कर दिया जाता है,लेकिन उनकी देखभाल उनका रख रखाव नहीं किये जाने से अपेक्षित रूप से परिणाम सामने नहीं आता है। इसलिए पेड लगाने के साथ उनकी तब तक देखभाल की जाती है, जब तक वे आत्मनिर्भर नहीं हो जाते।

।। दसवां वेद ।।

-गुगल परिहार

दूहो दसमों वेद समझै तेनै सालै

8774. उत्तम गुणकारी हुवै

उत्तम गुणकारी हुवै, स्वारथ बिना सुजाण।
करसण सींचै जळ भरे, मेह न मागै दाण।।

जो उत्तम व्यक्ति होते हैं, जो महापुरूष होते हैं वे बिना किसी स्वार्थ के सज्जनता दिखाते हैं। सही भी है,बादल बरस कर खेतों को सींचते हैं, जलस्रोतों को भरते हैं, लेकिन बदले में कुछ नहीं मांगते।

एक बार एक फकीर कहीं जा रहा था। रास्ते में उसने देखाकि एक नौजवान हाथ में तंबूरा लिये बैठा है और गंदे गंदे गीत गा रहा है। फकीर को बड़ा अफसोस हुआ और वह वहीं रूक गया। फिर चिल्ला चिल्ला कर कहने लगाकि हे अल्लाताला, तू सबसे बड़ा है। तू ही सबका परवर दिगार है। बिना तेरे इस दुनिया का पता भी नहीं हिल सकता। नौजवान मस्ती में गा रहा था। फकीर के चिल्ला चिल्ला कर बोलने से उसके गायन में विध्न पड़ा। उसे फकीर पर बड़ा गुस्सा आया। उसने चीखकर कहा कि चुप हो जा, क्या बकता है। लेकिन फकीर तो उसे शिक्षा देना चाहता था। उसने उस नौजवान की बात सुनी अनसुनी कर दी। वह बोला कि हे खुदा, तू बेअक्लों को अक्ल दे। नौजवान को गुस्सा तो पहले ही आया हुआ था और अब उसे बेअक्लों को अक्ल दे की बात पर गुस्सा और बढ गया। उसने आव देखा न ताव, उठकर हाथ का तंबूरा फकीर के सिर पर दे मारा। जोर से मारनेकी वजह से तंबूरा टूट गया। फकीर के सिर पर चोट लगी,लेकिन फिर भी वह मुस्कराया और उसे बिना एक शब्द कहे अपनी झोंपडी की ओर लौट गया। शार्गिद ने कहाकि आप तो कहीं जा रहे थे,अचानक वापस कैसे लौट आए? तब फकीर ने शार्गिद को सारा हाल सुनाया। शार्गिद ने कहा कि उस कमबख्त ने आपके सिर पर तंबूरा दे मारा और आपने उसको कुछ भी नहीं कहा? फकीर बोला कि गुस्सा बड़ी बुरी चीज है। मुझे अफसोस है कि उसको मेरी वजह से गुस्सा आया। और गुस्से में उसने अपना ही नुकसान कर डाला। उसने अपना तंबूरा तोड़ डाला। तुम उस नौजवान के पास जाओ और उसे उसके तंबूरे की कीमत दे आओ। हां, एक थाली में मिठाई भी ले जाना। शार्गिद फकीर के कहे मुजब तंबूरे के दाम और मिठाई लेकर उस नौजवान के पास पहुंचा और बोला कि फकीर साहब को बड़ा अफसोस है कि उनकी वजह से तुम्हारा तंबूरा टूट गया। ये चीजें फकीर साहब ने तुम्हारे लिए भेजी है। नौजवान की आंखे खुल गई। वह दौड़ा दौड़ा फकीर के पास पहुंचा और अपनी करनी के लिए माफी मांगने लगा। फकीर ने बड़े प्यार से उसे सीने से लगा लिया और कहा कि गाना कोई बुरी बात नहीं है, लेकिन गंदे गंदे गीत गाना बुरी बात है। उससे समाज में गंदगी बढती है। इसीलिए मैं खुदा से दुआ कर रहा था कि बेअक्लों को अक्ल दे। उस नौजवान ने उसके बाद कभी गंदे गीत नहीं गाए।

सत्ता की चाबी हथियाने का चुनाव

दिल्ली में विधानसभा के चुनाव जैसे-जैसे निकट आता जा रहा है, अपने राजनीति भाग्य की संभावनाओं की तलाश में आम आदमी पार्टी, भारतीय जनता पार्टी एवं कांग्रेस तीनों ही दल जनता को लुभाने एवं ठगने की हरसंभव कोशिश करते हुए दिखाई दे रहे हैं। भ्रष्टाचार के खिलाफ बिगुल बजाकर भारतीय राजनीति में अपना सितारा आजमाने वाले अरविन्द केजरीवाल अब खैरात बांटने एवं मुफ्त की सुविधाओं की घोषणाएं करके मतदाताओं को ठगने एवं लुभाने की कुचेष्टाओं में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। वैसे कांग्रेस एवं भाजपा भी इस दृष्टि से पीछे नहीं हैं। तीनों ही दलों में मुफ्त बांटने की संस्कृति का प्रचलन बढ़-चढ़ कर हो रहा है। लोकतंत्र में इस तरह की बेतूकी एवं अतिश्योक्तिपूर्ण घोषणाएं एवं आश्वासन राजनीति को दूषित करते हैं, जो न केवल घातक है बल्कि एक बड़ी विसंगति का द्योतक हैं। राजनीतिक दलों में पनप रही ये मुफ्त बांटने की संस्कृति को क्या लोभ की राजनीति नहीं माना जाना चाहिए?

यह कैसा लोकतांत्रिक ढ़ांचा बन रहा है जिसमें पार्टियां अपनी सीमा से कहीं आगे बढ़कर लोक-लुभावन वादे करने लगी हैं, उसे किसी भी तरह से जनहित में नहीं कहा जा सकता। बेहिसाब लोक-लुभावन घोषणाएं और पूरे न हो सकने वाले आश्वासन पार्टियों को तात्कालिक लाभ तो जरूर पहुंचा सकते हैं, पर इससे देश के दीर्घकालिक सामाजिक और आर्थिक हालात पर प्रतिकूल असर पड़ने की भी आशंका है। प्रश्न है कि राजनीतिक पार्टियां एवं राजनेता सत्ता के नशे में डूबकर इतने आक्रामक एवं गैरजिम्मेदार कैसे हो सकते हैं? चुनाव में जीत पाने के मकसद से होने वाली चुनावी लड़ाइयों में मतदाताओं को अपनी ओर आकर्षित करने के लिए राजनीतिक दलों की ओर से लुभावने वादे करना कोई नई बात नहीं है। लेकिन विडंबना यह है कि चुनावी मौसम में वोट पाने के लिए किए गए ऐसे ज्यादातर वादे किसी अंजाम तक पहुंचने का इंतजार ही करते रह जाते हैं। हकीकत यह भी है कि कई राजनीतिक पार्टियां चुनावों में हर हाल में जीत के लिए मतदाताओं के सामने ऐसे वादे भी कर देती हैं, जो दिखने में तो आकर्षक लगते हैं, लेकिन उनका आर्थिक बोझ दूसरे पहलुओं पर असर डालता है। आज जो देश में आर्थिक असंतुलन देखने को मिल रहा है, उसका एक बड़ा यह भी है।

सत्ताधारी आम आदमी पार्टी ने चुनाव की आहट के साथ ही अनेक जनलुभावन घोषणाएं की है, अब चुनाव प्रचार में भी इसी मकसद से सक्रिय दिख रही है। हालांकि अभी पार्टी का घोषणा-पत्र सामने नहीं आया है, लेकिन जारी किये गये 'गारंटी कार्ड' के तहत जिस तरह की घोषणाएं की गई हैं, उनसे यही लगता है कि पिछली बार की तरह इस बार भी पार्टी ने लोगों के सामने वोट के बदले आकर्षक प्रस्ताव एवं लुभावने आश्वासन रखे हैं। इसमें मौजूदा कार्यकाल के बिजली और पानी के बिल को मुद्दा बनाने के अलावा पार्टी ने शिक्षा, चिकित्सा, प्रदूषण से लेकर झुग्गी बस्तियों के लोगों को पक्के मकान की गारंटी जैसे कई अन्य आकर्षक प्रस्ताव दिए हैं। पार्टी ने जिस तरह विश्वस्तरीय यातायात व्यवस्था सुनिश्चित कराने के साथ विद्यार्थियों एवं महिलाओं को मुफ्त यात्रा की सुविधा मुहैया कराने की घोषणा की है, क्या यातायात की दुर्दशा, बसों का अभाव एवं सड़कों के गड्ढे इसके विरोधाभासी होने के संकेत नहीं है? खैरात बांटने एवं मुफ्त की सुविधाओं की घोषणा की प्रवृत्ति से एक सवाल यह भी उठता है कि जनता को कोई सुविधा मुफ्त मुहैया कराने से

- ललित गर्ग

सरकार के कोष पर जो बोझ पड़ता है, क्या उसकी भरपाई जनता से ही नहीं की जाती है?

प्रश्न है कि क्या सार्वजनिक संसाधन किसी को बिल्कुल मुफ्त में उपलब्ध कराए जाने चाहिए? क्या जनधन को चाहे जैसे खर्च करने का सरकारों को अधिकार है? तब, जब सरकारें आर्थिक रूप से आरामदेह स्थिति में न हों। यह प्रवृत्ति राजनीतिक लाभ से प्रेरित तो है ही, सांस्थानिक विफलता को ढकती है, भोली-भाली जनता को ठगने की कुचेष्टा भी है और इसे किसी एक पार्टी या सरकार तक सीमित नहीं रखा जा सकता। भाजपा सरकार एवं नरेन्द्र मोदी कैंपेन चलाकर आम आदमी की गाढ़ी कमाई के करोड़ो रुपये यह बताने में

खर्च कर दिये हैं कि किस तरह उन्होंने देश को चमका दिया है। इस तरह का बड़बोलेपन एवं मुफ्त की संस्कृति को पढ़े-लिखे बेरोजगारों ने अपना अपमान समझते है, लेकिन अधिकांश वोट करने वाला जनसमूह इस बहकावे में आ ही जाता है। कई बार सरकारों के पास इतने संसाधन नहीं होते कि वे अपने लोगों के अभाव, भूख, बेरोजगारी जैसी विपदाओं से बचा सकें। लेकिन जब उनके पास इन मूलभूत जनसमस्याओं के निदान के लिये धन नहीं होता है तो वे मुफ्त में सुविधाएं कैसे बांटते हैं? क्यों करोड़ो-अरबो रूपये अपने प्रचार-प्रसार में खर्च करते हैं? सचाई तो यह है कि राजनीतिक दलों के आकर्षक माने जाने वाले वादे नागरिकों के आम अधिकार ही होते हैं, फिर उन्हें किसी दल विशेष की उपलब्धि कैसे माना जाये? दिल्ली में सरकारी स्कूलों और मोहल्ला क्लीनिक जैसे कुछ कामों को 'आप' सरकार अपनी उपलब्धि बता सकती है। लेकिन एक लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता के अधिकार को सरकार की ओर से अपनी उपलब्धि बताने को कैसे देखा जाए? पानी-बिजली के बिल में सुविधा या सार्वजनिक परिवहन में मुफ्त सफर के वादे से ज्यादा जरूरी यह है कि जनता के बुनियादी अधिकारों को लोभ का मुद्दा न बना कर उसे सरकार के दायित्वों के रूप में देखा जाए और इन्हें चुनावी प्रचार का माध्यम तो कतई नहीं बनाया जाये।

विडम्बना एवं विसंगति की हदें पार हो रही है। ये मुफ्त एवं खैरात कोई भी पार्टी अपने फंड से नहीं देती। टैक्स दाताओं का पैसा इस्तेमाल करती है। हम 'नागरिक नहीं परजीवी' तैयार कर रहे हैं। देश का टैक्स दाता अल्पसंख्यक वर्ग मुफ्त खोर बहुसंख्यक समाज को कब तक पालेगा? जब ये आर्थिक समीकरण फैल होगा तब ये मुफ्त खोर पीढ़ी बीस तीस साल की हो चुकी होगी। जिसने जीवन में कभी मेहनत की रोटी नहीं खाई होगी, वह हमेशा मुफ्त की खायेगा। नहीं मिलने पर, ये पीढ़ी नक्सली बन जाएगी, उग्रवादी बन जाएगी, पर काम नहीं कर पाएगी। यह कैसा समाज निर्मित कर रहे हैं? यह कैसी विसंगतिपूर्ण राजनीति है? यह कैसा चुनावी महासंग्राम का लोभी एवं ठगी का वातावरण है? चुनावी हार-जीत की राजनीति छोड़कर, गम्भीरता से चिंतन करने की जरूरत है। चुनाव प्रचार में मुफ्त यात्रा के साथ-साथ बिजली-पानी-शिक्षा-चिकित्सा को लगभग मुफ्त उपलब्ध कराने की जो विसंगतिपूर्ण घोषणाएं हो रही हैं, उसने अनेक सवाल खड़े कर दिये हैं। यह विसंगति इसलिये है कि दिल्ली सरकार एक तरफ तो कहती रही है कि दिल्ली में विकास के लिए पैसा नहीं लेकिन मुफ्त की यात्रा के लिए 1300 करोड़ की सालाना सब्सिडी देने के लिए तैयार हो गई और चुनाव जीतने के लिये अतिश्यतोक्तिपूर्ण घोषणाएं कर रही हैं। वह सत्ता हासिल करने के लिए सामाजिक और आर्थिक हालात को एक ऐसी अंधेरी खाई की तरफ धकेल रही है जहां से निकलना कठिन हो सकता है।

वर्तमान दौर की सत्ता लालसा की चिंगारी इतनी प्रस्फुटित हो चुकी है, सत्ता के रसोस्वादन के लिए जनता और व्यवस्था को पंगु बनाने की राजनीति चल रही है। दिल्ली के राजनीतिक दलों की बही-खाते से सामाजिक सुधार, रोजगार, नये उद्यमों का सृजन, स्वच्छ जल एवं पर्यावरण, उन्नत यातायात व्यवस्था, उच्चस्तरीय स्कूल एवं अस्पताल जैसी प्राथमिक जिम्मेवारियां नदारद हो चुकी है, बिना मेहंदी लगे ही हाथ पीले करने की फिराक में सभी राजनीतिक दल जुट चुके हैं। जनता को मुफ्तखोरी की लत से बचाने की जगह उसको अपनी गिरफ्त में कर अपना राजनीतिक उल्लू सीधा करने में लगे हैं। लोकतंत्र में लोगों को नकारा, आलसी, लोभी, अकर्मण्य, लुंज बनाना ही क्या चुनाव जीतने का उद्देश्य है? अपना हित एवं स्वार्थ-साधना ही सर्वव्यापी हो चला है? हकीकत में मुफ्त तरीकों से हम एक ऐसे समाज को जन्म देंगे जो उत्पादक नहीं बनकर आश्रित और अकर्मण्य होगा और इसका सीधा असर देश की पारिस्थितिकी और प्रगति दोनों पर पड़ेगा। सवाल यह खड़ा होता है कि इस अनैतिक राजनीति का हम कब तक साथ देते रहेंगे? इस पर अंकुश लगाने का पहला दायित्व तो हम जनता पर ही है।

आज राजनीतिक परिपाटी में मुफ्त-खैरात की संस्कृति चुनाव जीतने का हथियार बन गया है। सच्चाई यह भी है कि ये कोरे मुफ्त वादे जमीनी सतह पर उतरते भी कहां है, कोरे लुभाने एवं ठगने का माध्यम बनते हैं। मुफ्त एवं खैराती वादों के भरोसे सत्ता की चाबी तो हथियायी जा सकती है, लेकिन राष्ट्र प्रगति नहीं कर पायेगा और विकास के रास्ते पर आगे नहीं बढ़ पायेगा।

जल तरंग

रच-बस गया है भ्रष्टाचार

'भ्रष्टाचार' ब्लैक बोर्ड पर लिखा एक शब्द मात्र नहीं है, जिसे डस्टर से मिटाना संभव हो। यह तो हमारी धमनियों में खून के साथ रच-बस गया है। या यूं कहें कि यह हमारी हड्डियों तक में घुस कर बैठ गया है, जिसको ना तो निकाला जा सकता है और ना ही इसका हिसाब-किताब रखा जा सकता है। अपने लिपिक, चपड़ासी और पटवारी नासमझ हैं जो हजार-पांच सौ रुपये भी संभाल कर नहीं रख सकते।

उनका ओरियंटेशन कोर्स होना चाहिये ताकि वे सीख सकें कि बड़े-बड़े नेता और अधिकारी खूब आराम से लाखों-करोड़ों कैसे डकार लेते हैं। नागरिकता बिल की खिलाफत हर कोने में हो रही है पर भ्रष्टाचार मिटाओ अभियान में ना हिन्दू आगे आता है और ना ही मुसलमान।

कहते हैं कि सृष्टि के प्रारम्भ में भगवान ने मनुष्य को समझाते हुए कहा था कि घूस लेना अन्याय है। मनुष्य को सुना कि घूस लेना अन्य आय है। और यही वजह है कि आय का यह साधन आज तक भी जारी है। मुझे उस वक्त हैरानी हुई जब मेरे एक मित्र ने मुझे कहा कि आजकल उसे जीने का कोई खास आनंद नहीं आ रहा है तो मैंने वजह पूछी। जवाब मिला कि आजकल किसी बड़े घोटाले की कोई खबर ही सुनने-देखने को नहीं मिल रही है।

उसका तर्क विचलित करने वाला था। मुझे कहना ही पड़ा कि ये तो अच्छे संकेत हैं जो काले धन के कारनामे नहीं हो रहे। वह बोला–ऊं हूं, यह हो नहीं सकता कि भ्रष्टाचार पर लगाम लग गयी हो, हुआ यह है कि मीडिया बिक गया है।

भूजल संकट की गंभीरता

घटते भूजल की चिंता बढ़ती जा रही है। हाल में दुनिया के चौरानवे देशों के एक हजार से ज्यादा वैज्ञानिकों, जल विशेषज्ञों और संबंधित जानकारों ने इस ओर ध्यान दिलाते हुए दुनियाभर की सरकारों और गैर सरकारी संगठनों के नाम एक बयान जारी किया है। यह मसला हाल फिलहाल उतना बड़ा जरूर न दिख रहा हो, लेकिन साल दर साल जिस तरह भूजल संकट बड़ा बनता जा रहा है, उसके मद्देनजर फौरन ही चेत जाना चाहिए। पिछली सदी के अस्सी के दशक से आज तक दुनिया में पानी की खपत हर साल कम से कम एक फीसद बढ़ रही है। इस हिसाब से यह अंदाजा भी लग गया है कि कितनी भी किफायत बरत लें, आज की तुलना में 2050 तक दुनिया को कम से कम तीस प्रतिशत अतिरिक्त पानी की जरूरत पड़ेगी ही पड़ेगी। पिछले हफ्ते जारी वैज्ञानिकों का बयान चेता रहा है कि इसे दूर की बात न मानें बल्कि निकट भविष्य में भी खतरे की घंटी बजने को है। ऐसा बिल्कुल नहीं है कि जल संकट कोई नई चिंता है। पिछले तीन दशक से इसे जताया जा रहा है।

ये अलग बात है कि इस बीच कोई बड़ा हादसा हुआ दिखाई नहीं दिया। सवाल उठना स्वाभाविक है कि बढ़ती मांग के बावजूद पानी का इंतजाम हो कहां से रहा है। जवाब है कि सतही जल कम पड़ने के बाद पूरी दुनिया में जमीन के नीचे आरक्षित भूजल का दोहन बढ़ता गया। दुनिया की जो हालत है, वह तो फिर भी उतनी खराब नहीं है जितनी कि अपने देश की है। इसका सीधा-सा कारण है कि दुनिया में इस समय जितना भूजल दोहन हो रहा है, उसका एक चौथाई सिर्फ भारत में जमीन से उलीचा जा रहा है। जबकि भौगोलिक तथ्य यह है कि दुनिया में जितनी जमीन है, उसकी तुलना में भारत की भूमि का क्षेत्रफल सिर्फ ढाई फीसद है। इस हिसाब से देखें, तो हम विश्व के मुकाबले कोई दस गुना भूजल दोहन कर रहे हैं, यानी घटते भूजल से होने वाला खतरा सबसे ज्यादा हमारे सामने ही है।

इसे ज्यादा दोहराने की जरूरत नहीं कि बढ़ती आबादी, जलवायु परिवर्तन और अतिदोहन से घटते भूजल के कारण प्रति व्यक्ति जल उपलब्धता पिछले दशकों के मुकाबले तेजी से घट गई है। कहा जा सकता है कि सिर्फ हम नहीं, बल्कि दुनिया के कई इलाके पानी की किल्लत से जूझ रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र की 'वर्ल्ड वाटर डवलपमेंट' रिपोर्ट के मुताबिक करीब चार सौ करोड़ लोग यानी दुनिया की दो तिहाई आबादी ऐसे क्षेत्रों में रह रही है, जहां साल के कई महीनों में पानी की भारी किल्लत रहती है और इनमें से दो सौ करोड़ लोग ऐसे हैं जो पूरे साल ही पूर्ण रूप से पानी का संकट झेल रहे हैं। इन क्षेत्रों को 'वाटर स्ट्रेस्ड' क्षेत्र कहा जाता है। गंभीर बात यह है कि पानी की बेहद कमी वाले इन क्षेत्रों में वे क्षेत्र भी शामिल हैं जहां बारिश से पर्याप्त जल मिलता है। पर्याप्त वर्षा के बावजूद जल संकट का मुख्य कारण वहां

- सुविज्ञा जैन

बारिश के पानी का सीमित भंडारण है। बारिश से मिलने वाले पानी को पूरा-पूरा रोक कर रखने में ज्यादातर छोटे और विकासशील देश आज भी असमर्थ हैं। दरअसल, वर्षा जल भंडारण एक खर्चीला काम है। जिन गरीब और विकासशील देशों को अपने विकास में पानी का महत्त्व समझ में आ रहा है, वे इस ओर ध्यान तो देना चाहते हैं, लेकिन इसमें उनकी माली हालत आड़े आ जाती है। हालांकि यह

सवाल जरूर उठाया जा सकता है कि जीवन के लिए सबसे जरूरी चीज पानी के इंतजाम के लिए क्या आर्थिक संसाधन का तर्क दिया जा सकता है?

भारत की बात करें तो क्या इस स्थिति पर हैरत नहीं होनी चाहिए कि बारिश के महीनों में जो क्षेत्र बाढ़ से जूझते हैं, वे इलाके बाकी के महीनों में पानी की किल्लत में रहने लगे हैं। अभी तक तो किल्लत वाले इलाकों में कामकाज किसी तरह चल रहा था। इसका कारण था भूजल की पर्याप्त उपलब्धता, यानी भूजल को उलीच कर काम चल रहा है। लेकिन अब चेत जाना चाहिए, क्योंकि भूजल चुकने लगा है। भूजल चुकने का कारण भी साफ है। बारिश से ही सतही जल और भूजल दोनों का पुनर्भरण होता है। लेकिन भूजल के पुनर्भरण की एक गति है। पिछले कुछ समय में जिस रफ्तार से जमीन से पानी निकाला जा रहा है, वह पुनर्भरण की रफ्तार से तेज है। जाहिर है, भूजल घटता जा रहा है। देश में कई क्षेत्र ऐसे हैं, जहां भूजल खत्म होने को है या पहुंच से काफी नीचे चला गया है। इसके लिए अगर पूरी ताकत लगा दें, फिर भी इसके पुनर्भरण में कई साल लग जाएंगे। इसीलिए वैज्ञानिकों और जल विशेषज्ञों ने पिछले महीने जो बयान जारी किया है, उसमें कहा गया है कि भूजल पर ज्यादा सोचने के लिए अब बिल्कुल समय नहीं बचा है।

भूजल संकट की बात को अगर और पुख्ता करना चाहें तो संयुक्त राष्ट्र की अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट पर नजर डाल लेनी चाहिए। इसके मुताबिक इस समय दुनिया में दो अरब लोग पीने के पानी के लिए भूजल पर आश्रित हैं। यही नहीं, खेती के लिए भी चालीस फीसद पानी जमीन से लिया जा रहा है। यहां तक कि कई नदी-तालाबों का स्रोत भी भूजल ही है। वर्ल्ड रिसोर्स इंस्टीट्यूट के 'वॉटर रिस्क एटलस' के मुताबिक एक सौ चौरासी में से करीब सत्रह देश ऐसे हैं जो जल संकट की 'अति गंभीर' श्रेणी में आ चुके हैं। ये वे देश हैं जहां कहा जाता है कि डे जीरो अब दूर नहीं। डे जीरो यानी वह दिन जब सभी नल सूख जाएंगे। इन देशों में कतर, इजराइल, लीबिया, जॉर्डन, ईरान, कुवैत, ओमान जैसे देश शामिल हैं। भारत भी इन्हीं में एक है। इस सूची में भारत का होना समस्या की गंभीरता समझने के लिए काफी माना जाना चाहिए। ऐसा भी नहीं है कि भूजल संकट को लेकर भारत में समय-समय पर चिंताएं न जताई गई हों। पिछले साल ही नीति आयोग ने 'वाटर कंपोजिट इंडेक्स' रिपोर्ट में बताया था कि आने वाले एक साल में इक्कीस भारतीय शहरों में भूजल लगभग खत्म होने जा रहा है। भारत में आज बयासी करोड़ लोग ऐसे इलाकों में रह रहे हैं, जहां प्रति व्यक्ति प्रतिवर्ष जल उपलब्धता सिर्फ एक हजार घनमीटर या उससे कम है। जबकि अंतरराष्ट्रीय मानदंड के मुताबिक प्रति व्यक्ति सालाना कम से कम एक हजार सात सौ घनमीटर पानी से ज्यादा उपलब्ध होना चाहिए। भूजल के आसन्न संकट के सुविधाजनक समाधानों की सूची लंबी होती जा रही है। इन समाधानों में पानी का किफायत से इस्तेमाल का नारा प्रमुख है। जल संरक्षण में नागरिकों की भूमिका भी जोर-शोर से प्रचारित की जा रही है। वक्त-वक्त पर भूजल दोहन को कानूनी डंडे से रोकने के समाधान भी बताए जाते हैं। लेकिन जिस एक प्रमुख कारण की चर्चा कम होती है, वह है भूजल का अंधाधुंध दोहन। इसकी जरूरत इसलिए पड़ रही है कि वर्षा जल को रोक कर रखने का पर्याप्त प्रबंध हमारे पास नहीं है। हमें हर साल चार हजार अरब घनमीटर पानी प्रकृति से मिलता है, जिसमें से सिर्फ दो सौ सत्तावन अरब घनमीटर पानी हम बांधों, जलाशयों में रोक पाते हैं। जबकि विशेषज्ञ बताते हैं कि बारिश के दौरान हमें छह सौ नब्बे अरब घनमीटर वह सतही जल आसानी से उपलब्ध है जिसे गैर बारिश वाले आठ महीनों के लिए रोककर रखा जा सकता है। यदि यह पानी भंडारित हो तो भूजल पर निर्भरता अपने आप ही कम हो सकती है।

फ्लोरल डिजाइनर

के रूप कमा सकते हैं अच्छा खासा पैसा, जानिए कैसे

आम तौर पर किसी भी पब्लिक या प्राइवेट इवेंट की सफलता का श्रेय सीधे तौर पर इवेंट मैनेजर को दिया जाता है, जबकि कोई भी इवेंट बिना डेकोरेशन के अधूरा ही रहता है। और इस डेकोरेशन को सफल बनाने का काम करते हैं फ्लोरल डिजाइनर्स। ये प्रोफ़ेशनल्स न सिर्फ प्राइवेट इवेंट्स, बल्कि प्रोफ़ेशनल मीट्स और कॉन्फ्रेंसेज के लिए भी फ्लोरल डिस्प्ले तैयार करते हैं। अगर आप क्रिएटिव हैं और कुछ हटकर करने की सोच रहे हैं, तो आप भी बन सकते हैं फ्लोरल डिजाइनर।

हम जब भी किसी पारिवारिक आयोजन, कमर्शियल इवेंट, प्रोफ़ेशनल मीट या फिर किसी कॉन्फ्रेंस को अटेंड करते हैं, तो सबसे पहले हमारा ध्यान वहां के डेकोरेशन, खास तौर पर फ्लोरल डिस्प्ले पर जाता है। मगर हमने शायद ही कभी इस बात पर ध्यान दिया हो कि इस तरह के थीम-बेस्ड डिस्प्ले तैयार करने वाले प्रोफ़ेशनल्स कौन होते हैं। दरअसल, यह काम फ्लोरल डिजाइनर्स करते हैं। ये डिजाइनर्स न सिर्फ ओवरऑल फ्लोरल अरेंजमेंट पर फोकस करते हैं, बल्कि थीम के मुताबिक स्पेशल डिस्प्लेज भी तैयार करते हैं। अगर आप भी ऐसा ही एक क्रिएटिव करियर प्लान कर रहे हैं, तो आप फ्लोरल डिजाइनर बन सकते हैं।

कौन होते हैं फ्लोरल डिजाइनर्स?

फ्लोरल डिजाइनर्स ऐसे प्रोफ़ेशनल्स होते हैं, जो क्लाइंट की मांग के मुताबिक अलगअलग साइज और डिजाइन्स में फ्लावर अरेंजमेंट करते हैं। ये अलग-अलग फूलों, पत्तियों, कंटेनर्स और डेकोरेटिव आइटम्स को चुनकर, उनसे डिजाइनर डिस्प्ले, बुके आदि तैयार करते हैं। अब तो कई डिजाइनर्स फूलों के साथ गुब्बारों, चॉकलेट्स, कैंडल्स और गिफ्ट बास्केट्स को कंबाइन करके नए डिजाइन्स भी तैयार करते हैं।

कौनए-से कोर्स?

वैसे तो इस फील्ड में आने के लिए किसी प्रोफ़ेशनल डिग्री के होने की अनिवार्यता नहीं है, लेकिन कोई प्रोफ़ेशनल कोर्स करने का यह फायदा होता है कि इससे आपको डिजाइनिंग की सभी टेक्निक्स के बारे में जानकारी हो जाती है। इस फील्ड में आप डिप्लोमा इन फ्लावर डिजाइनिंग एंड डेकोरेशन का कोर्स कर सकते हैं। हालांकि फ्लोरिकल्चर, हॉर्टिकल्चर और ऑर्नामेंटल हॉर्टिकल्चर में डिग्री कोर्स करना ज्यादा लाभदायक होगा। इससे आपको हर तरह के फूल के बारे में वैज्ञानिक जानकारी प्राप्त होगी।

भविष्य की संभावनाएं

फ्लोरल डिजाइनर के साथ काम करते हुए प्रशिक्षण लेकर कर सकते हैं। ज्यादातर लोग इस फील्ड में अपना खुद का बिजनेस करते हैं। आप चाहें, तो किसी इवेंट मैनेजमेंट कंपनी के साथ टाइअप करके अपने बिजनेस को बढ़ा सकते हैं।

वर्क प्रोफाइल

आम तौर पर फ्लोरल डिजाइनर्स का काम क्लाइंट के हिसाब से अलग-अलग पैटर्न और डिजाइन्स के डिस्प्लेज को तैयार करना होता है। ये हर मौसम में आने वाले फूलों के हिसाब से डिजाइनर बुके तैयार करते हैं। हालांकि अपने बिजनेस के लिए ये इंडीविजुअल डिजाइन्स भी तैयार करते हैं।

कैसी होनी चाहिए स्किल्स?

एक फ्लोरल डिजाइनर का क्रिएटिव होना तो जरूरी है ही, उसे फूल-पत्तों के बारे में वैज्ञानिक जानकारी भी होनी चाहिए। इसके अलावा उसमें बिजनेस स्किल्स, अच्छी कम्युनिकेशन स्किल्स और क्लाइंट की जरूरत को समझने की क्षमता भी होनी चाहिए।

कमाई कितनी?

आम तौर पर बड़े शहरों में प्रोफ़ेशनल फ्लोरल डिजाइनर्स एक बड़े इवेंट में 2 से 3 लाख रुपए तक कमा लेते हैं।

प्रमुख संस्थान

इंस्टीट्यूट ऑफ फ्लोरल डिजाइन
एफएनपी फ्लोरल डिजाइन स्कूल
मुद्रा इंस्टीट्यूट ऑफ कम्यूनिकेशंस
स्कायलाइन बिजनेस स्कूल

सैलरी के अलावा वो 5 वजहें, जिनके कारण 3 से 5 सालों में जरूरी होता है नौकरी बदलना

प्रोफ़ेशनल लाइफ में नौकरी बदलने का फैसला इतना आसान नहीं होता. बहुत बार जॉब ऑफर आने के बाद भी आप निर्णय नहीं पाते कि स्विच करें या नहीं. आपके इस डर के पीछे कई तरह की वजह हो सकती है जैसे - 'आने वाले महीनों में मुझे कुछ नया सीखने को मिलेगा', 'मेरी पर्सनल लाइफ में इन दिनों काफी उथल-पुथल चल रही है तो ऐसे में जॉब बदलना सही नहीं होगा', 'मैं यहां कुछ साल और रहना चाहूंगा क्योंकि इस ऑफिस के लोगों से मेरी ट्यूनिंग अच्छी है', 'लोन चुकाने से पहले जॉब चेंज करना बड़ा रिस्क होगा'... वगैरह वगैरह!

ध्यान रखें कि तीन से पांच साल से ज्यादा वक्त अगर किसी जॉब में गुजारने लगते हैं तो आप कंफर्ट लेवल में पहुंच जाते हैं. धीरे-धीरे आप जॉब चेंज करने से लिहाज से बहुत कमजोर हो जाते हैं. आप तब तक उस ऑफिस को नहीं छोड़ते जब तक आपको इशारा नहीं किया जाता. इसलिए ऐसी स्थिति से बचने और जॉब मार्केट में अपनी वेल्यू बनाए रखने के लिए नौकरी बदलना बेहद जरूरी है. करियर में जॉब स्विच करने के कई फायदे होते हैं, कुछ इस प्रकार हैं -

प्रोफ़ेशनल लाइफ में खुद को मजबूत बनाने के लिए

नए-नए वर्कप्लेस में काम करने से आपकी हर तरह की स्किल्स और बेहतर होंगी. नई कंपनी में आपको नया काम मिलेगा. इससे आप लाइफ में नया सीखने से कभी नहीं हिचकिचाएंगे. आपका डर खत्म होगा. इतना ही नहीं आप ज्यादा एक्टिव भी रहेंगे. जबकि पुराने ऑफिस में ही टिके रहने से आप कमजोर बने रहते.

नेटवर्किंग विकसित करने के लिए है जरूरी

करियर में आप जितनी जगह जाकर काम करेंगे आपकी नेटवर्किंग उतनी स्ट्रॉन्ग होगी. नौकरी तलाशना आपके लिए उतना ही आसान होगा. मजबूत प्रोफ़ेशनल लाइफ के लिए कंपनी के बाहर अच्छे लिंक होना बहुत जरूरी है.

खुद की अच्छी ब्रांडिंग के लिए

जब नौकरी ढूंढ़ने निकलते हैं तो आप खुद की ब्रांडिंग करने में भी परफ़ेक्ट होते जाते हैं. आपको पता लगता है कि मार्केट में किस चीज की डिमांड है. तीन से पांच सालों में जब आप कहीं इंटरव्यू देने जाते हैं तो आपको अपनी मार्केट वेल्यू पता लगती है.

जॉब सर्च करने से आप बाहर की दुनिया से भी जुड़े रहेंगे

सालों से अधिक से अधिक काम करके अपने नियोक्ता को खुश रखना बिल्कुल सही विकल्प नहीं. जब आप अपनी पूरी ताकत एक ही नौकरी को बेहतर से बेहतर ढंग में करने में लगाते हैं तो आप इंटर्नल पॉलिटिक्स में प्रवेश कर जाते हैं. ध्यान रखें आप चाहे उस नियोक्ता के अंतर्गत कितना ही अच्छा काम क्यों न कर रहे हैं लेकिन आपको उस बिल्डिंग के बाहर की दुनिया से जुड़ना होगा. लगातार जॉब तलाशते रहने से आप ऑफिस की बाहर की दुनिया से जुड़े रहेंगे.

तेजी के साथ नई-नई चीजे सीखने के लिए

एक ऑफिस या जॉब में रहकर आप करियर में तेजी के साथ आगे नहीं बढ़ सकते. करियर में कम समय में अपना मुकाम पाने के लिए आपको कुछ-कुछ सालों में जॉब बदलनी होगी. ऐसा करके आप नई जगहों के प्रोटोकॉल, काम करने के तौर-तरीके और रणनीतियों आदि को तेजी के साथ जान पाएंगे. आप नए-नए लोगों से मिलेंगे और आपको काफी कुछ नया सीखने को मिलेगा. अपनी कमियों को पहचानने, उसे दूर करने और टैलेंट को चमकाने का अवसर मिलेगा. आपकी उत्पादकता बढ़ेगी.

वर्कप्लेस पर दर्शाएं आत्मविश्वास

ऑफिस में आपको कई ऐसे लोग मिल जाएंगे, जो अपनी कार्यशैली, क्षमता और प्लानिंग की बदौलत हर काम आसानी से और समय रहते पूरा कर लेते हैं। उनकी बातचीत की शैली और हाव-भाव में गजब का उत्साह दिखता है। ऐसे लोग सहकर्मियों के बीच में लोकप्रिय तो होते ही हैं, बॉस की नजर में भी उनकी छवि एक आत्मविश्वासी और ऊर्जावान प्रोफ़ेशनल्स की बनती है। इस आत्मविश्वास की मजबूती के चलते वे बड़े से बड़ा टास्क लेने से भी नहीं घबराते।

दरअसल आत्मविश्वास भीतर से आता है। अब्राहम लिंकन कई बार चुनाव हारने के बावजूद अमेरिका के राष्ट्रपति बने, यह उनके मजबूत आत्मविश्वास का ही परिणाम था। ऑफिस में काम के दौरान आपका आत्मविश्वास तभी झलकेगा, जब आपकी सोच सकारात्मक रहेगी और काम के प्रति आपका नजरिया स्पष्ट रहेगा। कई ऐसे तरीके हैं, जिनके जरिए ऑफिस में आत्मविश्वास प्रदर्शित कर सकते हैं।

खुद पर भरोसा बढ़ाएंगे ये 7 टिप्स

- बातचीत के दौरान आई कॉन्टेक्ट बनाए रखें।
- कपड़े व बातचीत का तरीका ठीक रखें।
- समय के साथ खुद को अपडेट करते रहें।
- किसी भी काम की पहले स्ट्रेटजी बनाएं।
- अपनी क्षमताओं का आकलन करें।
- नकारात्मक लोगों से दूरी बनाकर रखें।
- अपना काम समय पर पूरा करने की कोशिश करें।

जो भी कहें, यकीन के साथ कहें

ऑफिस में मीटिंग या किसी जरूरी प्रोजेक्ट पर डिस्कशन के दौरान अकसर सभी लोगों की राय ली जाती है। आपको यदि कुछ बोलने का मौका मिले तो अपनी बात पूरे यकीन के साथ कहें। यह तभी संभव है जब आपका विजन स्पष्ट होगा या संबंधित जानकारी से पूरी तरह से लैस रहेंगे। कई शब्द मसलन 'मैं सोच रहा हूं कि... ' या ' मैं पूरी तरह से श्योर तो नहीं हूं पर...' आपकी कमजोरी दर्शाते हैं।

गलतियों से डरें नहीं, सीखें

आप काम करेंगे तो जाहिर सी बात है कि आपसे गलतियां भी होंगी। प्रजेंटेशन के दौरान भी कई बार शब्दों का उच्चारण गलत हो जाता है या बातचीत बीच में ही अटक जाती है। इससे घबराने की जरूरत नहीं है। भविष्य में इस तरह की गलतियां न हों, इसके लिए भी जरूरी चीजें सीखने का प्रयास करें।

बोलने से ज्यादा लोगों की सुनें

आपको कुछ बोलने या प्रजेंटेशन का मौका मिला है तो सिर्फ खुद ही बोलने में न लग जाएं, बल्कि औरों को बोलने का मौका दें या उनकी भी बात सुनें। हो सकता है कि उनके कुछ सुझावों से आपका काम आसान बन जाए या आपके काम को और मजबूती मिले। यदि आप उनको बोलने का मौका ही नहीं देंगे तो वे भी आपकी बात को गंभीरता से नहीं लेंगे।

रिस्क उठाने से न डरें

यदि आगे बढ़ना है तो रिस्क उठाने से पीछे न हटें। आप यह कदम तभी उठा सकेंगे, जब आप आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे। कई ऐसे अवसर आते हैं, जब आपसे आगे बढ़कर किसी कठिन काम की जिम्मेदारी उठाने की उम्मीद की जाती है। ऐसे अवसरों का लाभ उठाएं और उत्साहपूर्वक काम करें।

12वीं के बाद नौकरी करके पाना चाहते हैं बढ़िया सैलरी तो करें 4 कोर्स

जैसे ही कोई स्टूडेंट बारहवीं पास करता है तो उसे सलाह मिलने का दौर शुरू हो जाता है। यह बात सही है कि हमारे अनुभवी लोगों से हमें अच्छी ही सलाह मिलें। अच्छा करियर बनाने के लिए कई बातों पर ध्यान देना जरूरी है, मसलन सैलरी, उस सेक्टर में ग्रोथ है या नहीं और आपकी जॉब की सिक्योरिटी है या नहीं जैसी कई बातें। इससे भी जरूरी बात है कि आपको उस काम में दिलचस्पी जरूर होनी चाहिए। 12वीं के बाद आप कई प्रोफ़ेशनल कोर्स कर सकते हैं। लेकिन हम आपके लिए 4 ऐसे कोर्स चुनकर लाएं हैं जिन्हें करके आपको अच्छी सैलरी के साथ अच्छा ग्रोथ भी मिलेगा।

चार्टेड अकाउंटेंट

चार्टेड अकाउंटेंट (सीए) बनने के लिए कॉमर्स स्टूडेंट को तीन लेवल से होकर गुजरना पड़ता है। इसके लिए सबसे पहले सीपीटी यानी कॉमन प्रोफ़ेशिएंसी टेस्ट करना पड़ता है। इसके बाद आईपीसीसी और फिर फाइनल एग्जामिनेशन पास करनी होती है। एक बार अगर आप सीए का एग्जाम पास कर लेते हैं तो आपको नौकरी करने पर अच्छी सैलरी ऑफर की जाती है। इस कोर्स को करने के बाद सालाना 21 लाख का सैलरी पैकेज मिल सकता है।

बीएससी इन मैकेनिकल और मरीन इंजीनियरिंग

अगर रोमांच और घूमना फिरना पसंद है तो आप मर्चेंट नैवी में जा सकते हैं । इसके लिए बीएससी इन मैकेनिकल और मरीन इंजीनियरिंग करना होगा। मरीन इंजीनियर का कार्य पोत या जहाज की मरम्मत करना तथा उसकी देख-रेख करना होता है। आजकल के आधुनिक जहाज नवीनतम तकनीक और उपकरणों का प्रयोग करते हैं। समुद्री इंजीनियर को इन नवीनतम उपकरणों को समझना होता है।एक जूनियर इंजीनियर को औसत 70,000 रुपये प्रतिमाह मिल सकते हैं। इसके बाद जितनी ज्यादा रैंक पर आप जाएंगे आपकी सैलरी बढ़ती जाएगी।

बीएससी और एमएससी इन कंप्यूटर साइंस

तकनीकी क्षेत्र का सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग भी एक करियर के लिए अच्छा ऑप्शन है। इस सेक्टर में जॉब सिक्योरिटी काफी है। आईटी में सॉफ्टवेयर इंजीनियर को 5-6 लाख सालाना का पैकेज तो 10-20 साल के अनुभवी लोगों को 22 लाख तक का सालाना पैकेज मिलता है।

फैशन डिजाइनिंग

अगर आपमें क्रिएटिविटी कूट-कूट के भरी है तो आप फैशन डिजाइनर का कोर्स कर सकते हैं। शुरू में आप नौकरी कर सकते हैं लेकिन बाद में आप अपना बिजनेस भी कर सकते हैं। दोनों में ही काफी कमाई है। फैशन डिजाइनिंग के लिए बैचलर इन फैशन डिजाइनिंग, बैचलर इन एक्सेसरीज डिजाइनिंग, बैचलर इन लैदर डिजाइनिंग, फैशन कम्यूनिकेशन जैसे कोर्स कर सकते हैं। इसमें सैलरी पैकेज सालाना चार लाख तक हो सकता है।

सकारात्मक सोच रखने से मुश्किलें होती है आसान

जीवन चलने का नाम, चलते रहो सुबह-शाम' एक हिन्दी फिल्म का यह मशहूर गीत जीवन के प्रवाह की ओर इशारा करता है। जीवन की इस अविरल धारा में हमेशा कुछ न कुछ उतार?चढ़ाव आते रहते हैं। जब स्थितियां हमारे लिए अनुकूल होती हैं, तो मनुष्य बहुत खुश होता है। लेकिन जब जीवन में मुश्किलें आती हैं तो मनुष्य सकारात्मकता का दामन छोड़कर नकारात्मक विचारों को अपनाने लगता है। परंतु यह बेहद आवश्यक है कि आप मुश्किल वक्त में भी हमेशा सकारात्मक बने रहें। तो आईए जानते हैं मुश्किल समय में सकारात्मक बने रहने के कुछ तरीकों के बारे में?

खुद से करें सवाल : अमूमन यह देखने में आता है कि जब किसी का बुरा दौर होता है तो वह यही सोचता है कि उसने क्या खोया है। लेकिन अगर आप खुद को सकारात्मक बनाना चाहते हैं तो सबसे पहले अपने सोचने के तरीकों को बदलें। क्योंकि आपको दुनिया वैसे ही नजर आएगी, जैसा कि आप उसे देखना चाहते हैं। पानी का आधा गिलास आपको आधा भरा हुआ दिखाई देता है या खाली, यह तो आपके दृष्टिकोण पर निर्भर करता है। इसलिए यह न सोचें कि आपने क्या खोया है, बल्कि यह सोचें कि आपके पास क्या है। साथ ही खुद से यह भी पूछें कि जो आपने खोया है, क्या वह इतना महत्वपूर्ण है कि उसके कारण आपके पास जो कुछ भी है, वह भी आप खो देंगे। अगर आप शांत दिमाग से जब खुद का आकलन करेंगे तो नकारात्मकता आपके पास कभी नहीं फटकेगी।

करें भविष्यवाणी : वैसे ऐसा करना आपके लिए थोड़ा मुश्किल हो सकता है लेकिन अगर आपने यह कर लिया तो आपकी सारी परेशानी खुद?ब?खुद खत्म हो जाएगी। आप जिस मुश्किल में फंसे हैं, सोचिए उससे क्या हो सकता है। परिणाम की भविष्यवाणी करने के बाद आप उस मुश्किल के तीन हल भी निकालें। जब आप ऐसा करने में सक्षम हो जाएंगे तो यकीन मानिए कि आपके मन में किसी भी प्रकार का नकारात्मक भाव नहीं आएगा।

खुद को करें तैयार : अब जब आपने परिस्थितियों का आकलन कर लिया है तो खुद को इस तरह तैयार करें कि कोई भी परिस्थिति आपको प्रभावित न कर पाए। आप खुद से पूछें कि आप खुद को पांच साल बाद कहां देखना चाहते हैं, जब आप यह जान जाएं तो अपने सपनों को पूरा करने के लिए पूरी मेहनत करें। आपका कठिन परिश्रम हर नकारात्मक स्थिति को सकारात्मकता में बदल देगा।

अपनाएं कुछ तरीके

खुद को सकारात्मक बनाए रखने के लिए आप कुछ अलग व कारगर तरीके भी अपना सकते हैं। मसलन, अगर मुश्किल वक्त में आपके मन में नकारात्मक भाव आते हैं तो बेहतर होगा कि आप अपने किसी करीबी को फोन करें और उससे अपने मन की बात शेयर करें। इससे आपको काफी राहत महसूस होगी। साथ ही आप चाहें तो खुद को बिजी रखने के लिए कुछ नई हॉबी भी क्रिएट कर सकते हैं। नई जगह व नए लोगों के साथ से आपको काफी अच्छा लगेगा। इसके अतिरिक्त आप चाहें तो वीकेंड या मूवी प्लॉन कर सकते हैं। इससे भी आपको काफी रिफ्रेश फील होगा।

सार-समाचार

बालिकाओं का सर्वांगीण विकास हम सबकी नैतिक जिम्मेदारी हैः डिडेल

■ जलतेदीप, निस., भरतपुर

भरतपुर। जिला कलक्टर नथमल डिडेल ने कहा कि लिंगानुपात को बढाने के लिए सरकार द्वारा पीएनसीडीटी अधिनियम के तहत प्रभावी कार्यवाही कर बालिकाओं की जन्म से पूर्व मृत्यु को रोकने का बेहतर प्रयास किया।

जिला कलक्टर डिडेल शुक्रवार को राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर जिला प्रशासन, महिला एवं बाल विकास विभाग एवं महिला अधिकारिता विभाग द्वारा नगर विकास न्यास के ऑडीटोरियम में आयोजित जिला स्तरीय बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बालिकाओं के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए राज्य सरकार द्वारा शिक्षा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में विशेष योजनाऐं चलाई जा रही है। हमारा यह दायित्व है कि इन योजनाओं से हम शत-प्रतिशत बालिकाओं को लाभान्वित करायें। उन्होंने कहा कि समाज बालिकाओं को बोझ न समझकर राज्य सरकार द्वारा इनके उत्थान के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं को प्रभावी रूप से क्रियान्वयन के लिए स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं ग्रासरूट के कार्मिकों की अहम भूमिका है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा घूंघट प्रथा को हटाने के लिए विभिन्न स्तरों पर किए जा रहे प्रयासों को प्रभावी तौर से लागू करने के लिए जनसहभागिता की आवश्यकता है। इस कुप्रथा को दूर करने के लिए महिला एवं पुरूषों को समन्वित प्रयास करने होंगे। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में बालिकाऐं भी समाज के सभी क्षेत्रों में पुरूषों से आगे बढकर अपना वर्चस्व कायम किया है। और वे अपने परिवार व देश का नाम रोशन कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्स सरकार द्वारा लिंगानुपात में बढ़ोतरी करने के प्रयासों से समाज में महिला एवं पुरूषों का अनुपात में समानता आयेगी और आपसी समरसता भी बढ़ेगी।

समारोह में महिला एवं बाल विकास विभाग के उपनिदेशक मोनिका बलारा ने कहा कि महिलाओं के लिए संचालित विभागीय योजनाओं से अधिक से अधिक लाभन्वित कराने के लिए आगंनबाडी केन्द्रों को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए प्रभावी परिवेक्षण की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य है कि 2022 तक बच्चे कुपोषण मुक्त हों तथा कुपोषण को शून्य स्तर पर लाया जा सकें। उन्होंने कहा कि बालिकाओं के सर्वांगीण विकास में आमजन की अहम भूमिका है। तथा उज्जवल भारत के सपने को पूरा करने के लिए महिला एवं पुरूष दोनों की समान भागीदारी करना आवश्यक है। उन्होंने पोषण मिशन के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि मिशन के तहत गर्भस्थ शिशु से लेकर एक हजार दिवस (03 वर्ष) तक के बच्चों को कुपोषण से बचाने के लिए राज्य सरकार द्वारा पोषणयुक्त भोजन आगंनबाडी केन्द्रों द्वारा उपलब्ध कराया जा रहा है। जिससे भावी पीढ़ी को स्वस्थ बनाये रखा जा सके।

समारोह में 21 बेटियों को गोद में लिए माताओं द्वारा केक काटकर सामूहिक रूप से जन्मदिन मनाया तथा अतिथि द्वारा बेटियों को खिलौनों का किट, मां के साड़ी एवं बधाई पत्र देकर सम्मानित किया तथा विभिन्न क्षेत्रों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली 14 बालिकाओं को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया साथ ही अतिथियों द्वारा घूंघट मुक्त भरतपुर का हस्ताक्षर अभियान का शुभारम्भ किया गया। विभागीय विशेषज्ञों द्वारा विभागीय योजनाओं की जानकारी दी गई एवं निशुल्क चिकित्सा जॉच भी की गई। समारोह का संचालन कुम्हेर के सीडीपीओ महिन्द्र अवस्थी ने किया।

इस अवसर पर नगर विकास न्यास के सचिव उम्मेदीलाल मीना, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पुष्कर राज शर्मा, महिला अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक अमित गुप्ता, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक पूरन सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, कार्मिक, महिलाऐं एवं बालिकाऐं उपस्थित रहे।

जिला स्तरीय योगासन चैंपियनशिप का हुआ आयोजन

■ जलतेदीप, निस., झालावाड़

शहर के गायत्री प्रज्ञापीठ में राजवाड़ी योग सोसाइटी, युवा भारत तथा भारत स्वाभिमान के तत्वावधान में जिला स्तरीय योगासन प्रतियोगिता शुभारंभ भारत स्वाभिमान प्रभारी ओमप्रकाश मेहर, जिला संयोजक योगेश शर्मा, किसान प्रभारी परमानंद पाटीदार, ब्रम्हाकुमारी से मीना दीदी, नेहा दीदी द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया।

पतंजलि जिला प्रभारी योगेंद्र बंटी ने कहा कि प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य बालक बालिकाओं खासकर युवाओं को योग के प्रति आकर्षित करना है। इस योग प्रतियोगिता में जूनियर वर्ग 9 से 15 वर्ष एवं सीनियर वर्ग 16 से 25 वर्ष में जिले भर से चयनित 102 प्रतिभागियों ने भाग लिया। सभी ने उत्साहपूर्वक इतनी शानदार प्रस्तुतियां दी कि दर्शकों ने दांतों तले अंगुलियां दबा दी। जूनियर वर्ग बालक में प्रथम कृष्ण राठौर, द्वितीय अनिल ब्यावत, तृतीय श्रेयांस राठौर, जूनियर बालिका वर्ग में प्रथम निलम राठौर, द्वितीय रितु पाटीदार, तृतीय तनु धाकड़, सीनियर युवती वर्ग में प्रथम पूजा मेहरा, द्वितीय रीना सहरिया, तृतीय रिना लोधा तथा बबली दांगी, सीनियर युवक वर्ग में रविश पाटीदार, द्वितीय गोपाल लाल, तृतीय स्थान पंकज प्रजापति तथा जीवन लाल ने प्राप्त किया।सीनियर वर्ग में पंकज प्रजापति ने दाहिने हाथ की अंगुलियों के न होने के बावजूद हैरतअंगेज आसनों का प्रदर्शन कर सबका मन मोह लिया। इन सबका राज्य स्तरीय योगासन प्रतियोगिता के लिये चयन हुआ है। निर्णायक मंडल में योग प्रचारक बृजेश मेहर, महिला प्रभारी निर्मला सोमानी व रविना भट्ट, योगेंद्र बंटी, जीतू पाटीदार रहे। गायत्री परिवार सदस्य गजेंद्र सिंह खींची,पवन पोरवाल, नारायण लाल सुमन, सुरेंद्र टेलर, विमल पालीवाल, युवा प्रभारी रामप्रसाद चौधरी तथा गोपाल लाल चौधरी का विशेष सहयोग रहा। पदाधिकारियों द्वारा सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र तथा पुरस्कार प्रदान किये।

राजस्थान मेडिकेयर रिलीफ सोसायटी की बैठक स्थगित

भरतपुर। राजस्थान मेडिकेयर रिलीफ सोसायटी की संभागीय आयुक्त एवं अध्यक्ष की अध्यक्षता में 27 जनवरी को आयोजित होने वाली बैठक अपरिहार्य कारणों से स्थगित कर दी गयी है।

पूर्व संध्या पर होगा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम

भरतपुर। गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर स्थानीय नगर विकास न्यास के ऑडीटोरियम में सायं 4 बजे से रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस समारोह मनाया

सादुलपुर। राजगढ़ शहर में उपखंड अधिकारी इन्द्राज सिंह की अध्यक्षता में दसवां राष्ट्रीय मतदाता दिवस समारोह मनाया गया। इस मौके आरएएस प्रशिक्षु पंकज गढ़वाल ने विचार व्यक्त किए वहीं वरिष्ठ अधिवक्ता फतेहसिंह पूनियां, बार अध्यक्ष राकेश पूनियां, अधिवक्ता प्रीतम शर्मा आदि ने निर्वाचन प्रक्रिया के बारे में सम्बोधित किया। इस अवसर पर स्टाफ सहित बार संघ के सदस्य मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन हनुमान सिंह श्योराण ने किया।

मतदाता दिवस पर अलवर जिला कलक्टर होंगे राष्ट्रपति से सम्मानित

■ जलतेदीप, निस., अलवर

अलवर। भारत निर्वाचन आयोग की ओर से बेस्ट इलेक्ट्रोल प्रेक्टिस अवॉर्ड 2019 के लिए अलवर के जिला कलक्टर इन्द्रजीत सिंह का चयन किया गया है।

जिला कलक्टर सिंह को ये अवॉर्ड राष्ट्रीय स्तर पर 25 जनवरी को 10वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस समारोह के अवसर पर राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद द्वारा नई दिल्ली के जोरावर ऑडिटोरियम में आयोजित समारोह में प्रदान किया जाएगा। जिला कलक्टर इन्द्रजीत सिंह द्वारा लोकसभा आम चुनाव 2019 के दौरान अलवर जिले में मतदाता जागरुकता के लिए विशिष्ट नवाचार कर एमएस विप मोबाइल एप्लीकेशन का निर्माण कराया था। इस एप्लीकेशन को जिले के 1 लाख 47 हजार लोगों द्वारा डाउनलोड कर उपयोग में लाया गया। इसके साथ ही इस मोबाइल एप्लीकेशन के फीचर मॉकपोल को 3 लाख 67 हजार से भी ज्यादा बार देखा गया जिसमें मतदान दिवस पर पूरी मतदान प्रक्रिया के साथ ईवीएम वीवीपेट का उपयोग दर्शाया गया है। इस विशिष्ट नवाचार के लिए श्री सिंह को सम्मानित किया जा रहा हैं। इस अवॉर्ड के लिए राजस्थान से केवल श्री इन्द्रजीत सिंह का ही चयन किया गया है।

विकास के दम पर 22 साल से सरपंच बनते आ रहे हैं परिवार के सदस्य

पूर्व सरपंच जस कुंवर नवनिर्वाचित सरपंच अपने पति तरवर सिंह को देगी चार्ज

■ जलतेदीप, निस., झालावाड़

राजस्थान के झालावाड़ जिले की सबसे बड़ी पंचायत समिति पिड़ावा मुख्यालय सुनेल के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत ढाबला भोज है जिसकी एक दिलचस्प कहानी है इसमें बांसखेड़ी गांव से निरन्तरता से 22 साल से एक परिवार का सदस्य सरपंच बनते आ रहे हैं। यह परिवार पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के जमाने से तक कांग्रेस समर्थित रहा। ग्राम पंचायत के लोग इन्हें विकास का मसीहा कहते हैं विकास के दम पर, लोगों के विश्वास पर ही यह परिवार चुनाव जीतता आ रहा है

इस बार दूसरे चरण में यहां सरपंच चुनाव हो चुके हैं। इसमें तरवर सिंह ने जीत दर्ज की। लगातार सरपंच बनने के चलते गांव के लोग अब इन्हें 'सरपंच परिवार' कहकर बुलाते हैं। उल्लेखनीय है कि नवनिर्वाचित सरपंच तरवर सिंह के बड़े भाई रघुनाथ सिंह परमार ग्राम पंचायत ढाबला भोज के गांव बांस खेड़ी के रहने वाले हैं। जिला कांग्रेस कमेटी झालावाड़ सचिव के पद पर कार्यरत है। नवनिर्वाचित सरपंच के बड़े भाई रघुनाथ सिंह परमार ने बताया कि हमारे परिवार को चौथी बार पंचायतवासियों ने सरपंच बना कर सेवा का दायित्व दिया। उन्होंने जीत का श्रेय ग्राम पंचायतवासियों एवं कांग्रेस पार्टी को दिया। ग्राम पंचायत ढाबला भोज में सन् 1983 से 1990 व सन 2000 से 2005 तक दो बार मेरे पिताजी स्व. श्री दुल्हेसिंह परमार सरपंच रहे व इस दौरान ब्लाक कांग्रेस कमेटी पिड़ावा के अध्यक्ष भी रहे। पिछले पंचायत चुनाव में (2015 से 2019) सरपंच पद पर मेरे छोटे भाई की धर्म पत्नी जसकुंवर परमार विजय हुई थी। अभी वर्तमान पंचायती चुनाव में 22 जनवरी 2020 को मेरे छोटे भाई तरवर सिंह परमार सरपंच चुने गए। हमारा परिवार सन 1975 से कांग्रेस समर्थित परिवार है और लगातार आज तक कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारी रहे है। परमार ने कहा कि में मेरा परिवार हमेशा से कांग्रेस का कार्यकर्ता रहे, पार्टी का सिपाही हूं और जमीन पर कार्य करता हूं। पार्टी के सिद्धांतों पर चलते हुए ग्राम पंचायत में विकास करवाए हैं। विकास और ग्रामीणों के विश्वास के कारण हमारा परिवार लगातार जीत का आ रहा है।

आईईटी ग्रुप अलवर में अन्तरराष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन

■ जलतेदीप, निस., अलवर

मत्स्य औद्योगिक क्षेत्र में स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलोजी में मैनेजमेंट विभाग द्वारा अन्तरराष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन 'समय प्रबन्धन एवं प्रभावी योजनाओं' विषय पर किया गया। सेमिनार का शुभारंभ आईआईटी ग्रुप की अधिशषी निदेषिका डॉ. मंजू अग्रवाल, यमन यूनिर्वसिटी के प्रोफेसर हनी अल अग्बरी, प्राचार्य प्रो. (डॉ.) अनिल कुमार शर्मा ने द्वीप प्रज्जवलन व मां सरस्वती की वंदना के साथ किया।

अन्तरराष्ट्रीय सेमिनार के अर्न्तगत मुख्य वक्ता प्रोफेसर हनी अल अग्बरी ने समय प्रबन्धन एवं प्रभावी योजनाओं विषय पर प्रबन्धन के विद्यार्थियों को वर्तमान परिदृष्य में समय प्रबन्धन एवं उसके प्रभावी क्रियान्वन हेतु विभिनन योजनाओं एवं प्रयोगों की महत्ता पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंनें बताया कि विद्यार्थी जीवन में अध्ययन एवं अपने भविष्य के सुन्दर निर्माण हेतु समय का प्रबन्धन सामाजिक, आर्थिक एवं व्यवसायिक क्षेत्र में दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है।

सेमिनार के अर्न्तगत प्राचार्य प्रो. (डॉ.) अनिल कुमार शर्मा ने विद्यार्थियों को समय का महत्व बताते हुए अपने सभी कार्य निर्धारित समय सीमा एवं सकारात्मक निर्णय लेने का सुझाव दिया। सेमिनार के संचालन में विभागाध्यक्ष डॉ. अंकुर जैन, डॉ. प्रमोद गुप्ता, इंजी. सूरज शर्मा एवं सभी विभागाध्यक्षों, अध्यापक-अध्यापिकाओं का सहयोग रहा।

छात्रसंघ 2020 का रंगारंग वार्षिक समारोह आयोजित

■ जलतेदीप, निस., सादुलपुर

स्थानीय मोहता उत्सव वाटिका में शुक्रवार को मोहता कॉलेज छात्रसंघ 2020 का रंगारंग वार्षिक समारोह आयोजित हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि चूरू जिला सरपंच फॉर्म राजकुमार बेनीवाल, विशिष्ट अतिथि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भरतराज, प्राचार्य प्रो.पीएस राठौड़, भामाशाह रफीक कुरैशी, प्रदीप मंडोली, कुलदीप राहड़, कृष्ण धनखड़, हरीसिंह सहारण आदि थे। मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्जवलित के साथ शुरू हुए समारोह में कॉलेज के युवा कलाकारों के अलावा युवा गायक पुष्पेन्द्र शर्मा तथा हरियाणा के सुप्रसिद्ध गायकार कृष्ण दायमा ने नृत्य व संगीत की प्रस्तुतियां प्रस्तुत की। वार्षिक समारोह को छात्रसंघ के अध्यक्ष रमेश धींधवाल, उपाध्यक्ष रविन्द्र नेहरा, महासचिव हिमांक मारवाल, संयुक्त सचिव राजकुमार जांगिड़, अभिमन्यु पूनियां, अशोक धायल, रितिक जांगिड़, सीटू, अनिल धींधवाल, संदीप, सुरेन्द्र, तनिश, अजय आदि ने शानदार तरीके से सम्पन्न करवाया। महाविद्यालय के उप प्राचार्य डॉ.राजबीर सिंह ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए आभार व्यक्त किया।

विधानसभा नियंत्रण कक्ष की हुई स्थापना

■ जलतेदीप, निस., भरतपुर

राजस्थान विधानसभा के चतुर्थ सत्र को मध्यनजर रखते हुए विधानसभा सेल एवं नियंत्रण कक्ष की स्थापना कर दी गई है। जिला कलक्टर नथमल डिडेल ने बताया कि राजस्थान विधानसभा के चतुर्थ सत्र में विधायकों द्वारा पूछे जाने वाले प्रश्नों के समय पर उत्तर भिजवाने के लिए जिला कलक्ट्रेट के हेल्पलाइन कक्ष में विधानसभा सेल एवं नियंत्रण कक्ष की स्थापना कर दी गयी है जिसके प्रभारी अधिकारी उपखण्ड अधिकारी भरतपुर होंगे जिनके मोबाईल नं. 9001200891 हैं।

लुपिन एवं लोहागढ़ महिला सेवा संगठन ने मनाया बालिका दिवस

■ जलतेदीप, निस., भरतपुर

लोहागढ़ महिला सेवा संगठन एवं लुपिन फाउण्डेषन द्वारा शुक्रवार को एसबीके कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय में राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया गया। जिसमें विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया और महिला सेवा संगठन की ओर से विद्यालय को सैनेटरी पैड इंसीनेटर मशीन उपलब्ध कराई गई।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बोलती हुई महिला रोग विषेषज्ञ डॉ. संगीता अग्रवाल ने बालिकाओं के प्रति बरते जा रहे भेदभाव पर चिन्ता व्यक्त करते हुये कहा कि हमें अपने बालकों की तरह ही बालिकाओं को भी बेहतर पालन-पोषण के साथ उच्च शिक्षा दिलानी होगी। महिला सेवा संगठन की अध्यक्ष मधु नारंग ने कहा कि संगठन महिलाओं के अधिकारों, असमानता दूर करने व स्वास्थ्य एवं पोषण के संबंध में कार्य कर रहा है जिसके लिये अनेक कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। संगठन की ही आषा गोयल एवं त्रिवेणी गुप्ता ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

लुपिन की महिला कार्यक्रम प्रभारी शालो हेम्ब्रोम ने संस्था द्वारा महिलाओं के आर्थिक उन्नयन एवं अधिकारों के प्रति जागरूकता लाने के लिये चलाये जा रहे कार्यक्रमों की विस्तार से जानकारी दी। प्रारम्भ में विद्यालय की प्रधानाचार्या तृप्ति सिंघल ने बालिका दिवस के आयोजन पर प्रकाष डाला। इस अवसर पर टुडे च्वाइंस गाजियाबाद कम्पनी के सीएस चौधरी एवं ममता यादव ने सैनेटरी पैड की उपयोगिता की जानकारी दी। इस अवसर पर बेटी बचाओं, बेटी पढाओं, कन्या भ्रूण हत्या पर ड्राईंग, निबन्ध एवं रंगोली प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिनमें सफल प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन वेणु ने किया।

विश्वेन्द्र सिंह भरतपुर में, जिला स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह में झण्डारोहण करेंगे

■ जलतेदीप, निस., भरतपुर

पर्यटन और देवस्थान मंत्री विश्वेन्द्र सिंह जिला मुख्यालय पर पुलिस परेड ग्राउन्ड में आयोजित होने वाले जिला स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह- 2020 में सुबह 9 बजे में झण्डारोहण करेंगे।

जिला कलक्टर नथमल डिडेल ने बताया कि झण्डारोहण के बाद पुलिस बैण्ड द्वारा राष्ट्रगान धुन वादन प्रस्तुत किया जाएगा। तत्पश्चात सुबह 9.05 बजे मुख्य अतिथि पर्यटन और देवस्थान मंत्री परेड का निरीक्षण कर मार्चपास्ट की सलामी लेंगे। सुबह 9.15 बजे माननीय राज्यपाल महोदय के संदेश का पठन होगा। साढे 9 बजे उल्लेखनीय कार्य करने वाली जिले की प्रतिभाओं को प्रशस्ति पत्रों का वितरण होगा।

सिलिकोसिस पीड़ित व्यक्ति को मिलेगी एक हजार पांच सौ रुपए मासिक पेंशन

■ जलतेदीप, निस., भरतपुर

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा सिलिकोसिस पीड़ित व्यक्तियों को एक हजार पांच सौ रुपए मासिक पेंशन दी जाएगी। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक पूरन सिंह ने बताया कि राज्य में स्थापित इकाईयों, खानों एवं अन्य संस्थाओं मे कार्य श्रमिकों द्वारा चिकित्सा अधिकारी, मेडिकल बोर्ड से जांच में सिलिकोसिस बीमारी से ग्रसित पाए जाने पर जारी प्रमाण पत्र के आधार पर सिलिकोसिस पीड़ित व्यक्ति को एक हजार पांच सौ रुपए मासिक पेंशन दी जाएगी। इस योजना को आय सीमा से मुक्त रखा गया है।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के विरुद्ध कार्यवाही के निर्देश

■ जलतेदीप, निस., अलवर

महिला एवं बाल विकास विभाग के उप निदेशक के आकास्मिक निरीक्षण में लम्बे समय से अनुपस्थित पाई गई ऑगनबाड़ी कार्यकर्ता के विरुद्ध मानदेय सेवा से पृथक करने की कार्रवाई करने के निर्देश दिए। महिला बाल विकास के उप निदेशक ने बताया कि उमरैण परियोजना क्षेत्र में संचालित ऑगनबाडी केन्द्र दादर प्रथम एवं दादर द्वितीय का आज आकास्मिक निरीक्षण किया गया जिसमें दादर प्रथम में एक भी पंजीकृत बच्चा उपस्थित नहीं मिला। आंगनबाड़ी केन्द्र पर रिकॉर्ड न होकर कार्यकर्ता के घर होना बताया गया तथा उपलब्ध रिकॉर्ड भी अपूर्ण पाया गया। पोषाहार पर भी अवधिपार की आवश्यक जानकारियां नहीं थी। इसी प्रकार ऑगनबाडी केन्द्र दादर द्वितीय के निरीक्षण के दौरान 8 जनवरी 2020 से आंगनबाड़ी कार्यकर्ता अनुपस्थित पाई गई। नामांकित बच्चों में केवल दो ही बच्चे उपस्थित मिले। उमरैण के सीडीपीओ को पाई गई अनियमित्ताओं के संदर्भ में निर्देशित किया गया कि महिला पर्यवेक्षक मीनू त्रिपाठी द्वारा निर्धारित मापदण्डों के अनुरूप निरीक्षण नहीं करने पर उसके विरूद्ध कार्रवाई करने तथा अनुपस्थित ऑगनबाडी कार्यकर्ता रेणू के विरूद्ध लगातार अनुपस्थित रहने के कारण उनका वेतन काटकर मानदेय सेवा से पृथक करने के लिए निर्देशित किया।

उत्तर मैट्रिक छात्रवृत्ति आवेदन की अंतिम तिथि 15 फरवरी

■ जलतेदीप, निस., भरतपुर

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की वित्तीय वर्ष 2019-20 की उत्तर मैट्रिक छात्रवृति योजना के तहत के ऑनलाइन आवेदन पत्र की अन्तिम तिथि 15 फरवरी 2020 निर्धारित की गई है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक पूरन सिंह ने बताया कि विभाग द्वारा संचालित उत्तर मैट्रिक छात्रवृति योजना में वित्तीय वर्ष 2019-20 के लिए अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, विशेष पिछडा वर्ग, आर्थिक पिछड़ा वर्ग, विमुक्त, घुमन्तु, अर्द्धघुमन्तु एवं मुख्यमंत्री सर्वजन उच्च शिक्षा छात्रवृति के लिए राज्य के निजी मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थाओं के पाठ्यक्रम में प्रवेशित, अध्ययनरत विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति ऑनलाइन आवेदन के लिए विभागीय बेवसाइट www.scholarship.rajasthan.gov.in पर आवेदन पत्र ऑनलाइन पंजीकरण करने के लिए पोर्टल 22 जनवरी से 15 फरवरी तक खुला रहेगा। इसके पश्चात छात्रवृत्ति के आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

बेटियों को शिक्षण सामग्री वितरित, आत्मरक्षा के तरीके बताए

■ जलतेदीप, निस., अलवर

राष्ट्रीय बालिका दिवस पर रोटरी क्लब अलवर फोर्ट की ओर से बालिकाओं को शिक्षण सामग्री वितरित की गई। इस अवसर पर बालिकाओं को आगे बढने के लिए प्रेरित किया गया।

रोटरी क्लब अलवर फोर्ट की ओर से राजगढ़ के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय खरखड़ा में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डाइट की वरिष्ठ व्याख्याता और पांचवी बोर्ड परीक्षा प्रभारी अनुरित्ता झां थी। इस अवसर पर स्कूल की सभी 101 छात्राओं को शिक्षण सामग्री वितरित की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि झा ने कहा कि बेटियां सौभाग्य का प्रतीक है। बेटियों को कठिन परिस्थितियों में भी अपने लक्ष्य पर ही ध्यान देना चाहिए। इनके सर्वांगीण विकास में अभिभावकों की भी भूमिका है। कार्यक्रम संयोजिका आशा सुमन ने बताया कि सरकारी स्कूलों में बेटियों के आत्मविश्वास को बढ़ाने के लिए सेल्फ डिफेंस का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रधानाध्यापिका सीमा भट्ट ने इस विद्यालय में बालिकाओं के विकास के लिए चलाए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी दी। कार्यक्रम में रुचिका धवन, पूनम सैनी, कुलदीप यादव, नेमीचंद व शिम्भू दयाल शर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया। इस विद्यालय में सभी बालिकाओं को आशा सुमन की ओर से आत्मरक्षा का प्रशिक्षण दिया गया है। इस अवसर पर इन्हें आत्मरक्षा के तरीके बताए गए।

रोटरी क्लब अलवर फोर्ट के अध्यक्ष अभिषेक तनेजा ने बताया कि अलवर जिले के 100 से अधिक सरकारी स्कूलों में क्लब की ओर से शिक्षण सामग्री वितरित की जाएगी। इसके लिए ऐसे स्कूलों की सूची तैयार की जा रही है। क्लब की ओर से जिले के कई स्कूलों में खिलौना बैंक विकसित किए गए हैं।

Rajasthan State Road Development And Construction Corporation Ltd., JAIPUR
निविदा सूचना संख्या 326/19-20
निम्नलिखित कार्य के लिए केन्द्र/राज्य सरकार के अभियांत्रिकी विभागों द्वारा पंजीकृत एवं अनुभवी संवेदकों से मोहरबंद निविदायें आमंत्रित की जाती है।

कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रु.)
Providing & Fixing Staircase & S.S. Railing Near Porch of V.C. Sectt at M.D.S., University, Ajmer. UBN No.: RRC1920WSOB00716	0.95 Lakh

निविदा प्रपत्र, शुल्क, धरोहर राशि, निविदा बेचने व खोलने की तारीख सहित सम्पूर्ण विवरण एवं संशोधन वेबसाइट http://roads.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.rajasthan.nic.in पर उपलब्ध हैं। महाप्रबंधक
No. NIT/2019-20/30131-38 Date: 24.01.2020

सार-समाचार

इंडसइंड बैंक ने अपना 'पायोनियर' वेल्थ मैनेजमेंट प्लेटफॉर्म शुरू किया

■ दैनिक जलतेदीप, प्रेवि, नई मुंबई

मुंबई। इंडसइंड बैंक ने अपना 'पायोनियर' बैंकिंग वेल्थ मैनेजमेंट प्लेटफॉर्म लॉन्च किया। यह उच्च नेट वर्थ सेगमेंट के ग्राहकों के लिए है। बैंक की उत्कृष्ट शोध क्षमताओं पर आधारित, यह नई सेवा विशिष्ट संपत्ति प्रबंधन समाधानों को व्यापक तरह के व्यक्तिगत एवं वाणिज्यिक बैंकिंग उत्पादों के साथ मिश्रित करती है। इस सेवा को कुछ खास उपभोक्ताओं की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। लॉन्च के बारे में बताते हुए, इंडसइंड बैंक के प्रबंध निदेशक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी, रोमेश सोब्ती ने कहा, 'बैंक ने वर्षों से संपत्ति प्रबंधन को मुख्य प्राथमिकता देते हुए ग्राहकों की आवश्यकता पूरी की है। 'पायोनियर' वेल्थ मैनेजमेंट प्लेटफॉर्म को लॉन्च किया जाना उस दिशा में बढ़ाया गया एक और कदम है। इस पेशकश के जरिए, हम हमारे सम्मानित ग्राहकों की आवश्यकताओं के अनुरूप विशेष रूप से तैयार किए गए उत्पादों की विस्तृत के शृंखला के साथ-साथ बेहतरीन सुविधाएं व लाइफस्टाइल फायदे साथ ला रहे हैं। विश्वास, पारदर्शिता, सरलता व सेवा के सिद्धांतों पर निर्मित, पायोनियर प्रोग्राम को आज के पायोनियर्स के लिए तैयार किया गया है और इसका उद्देश्य संपत्ति प्रबंधन की खोई कला को पुनरास्थापित करना है।''

इंडसइंड बैंक के हेड-उपभोक्ता बैंकिंग, सुमंत कथपालिया ने कहा, 'इंडसइंड बैंक का उद्देश्य हमेशा से हमारे सभी ग्राहकों को बेहतरीन बैंकिंग अनुभव के साथ-साथ सुविधा प्रदान करना है। पायोनियर वेल्थ मैनेजमेंट प्लेटफार्म को लॉन्च किया जाना इस प्रयास का सच्चा प्रमाण है। सुविधा पर तीव्रतापूर्वक जोर देते हुए सर्वोत्तम कोटि के रिवाड्र्स के साथ, हमारा दृढ़ विश्वास है कि यह नया प्रस्ताव हमारे एचएनआई क्लाइंट सेगमेंट की विशिष्ट एवं उन्नत संपत्ति आवश्यकताओं को पूरा करेगा। देश भर में व्यापक मौजूदगी वाला, इंडसइंड बैंक पायोनियर प्लेटफॉर्म को आगे ले जाने के लिए पूर्णतः तैयार है। इससे हमारे ग्राहकों का बैंकिंग अनुभव और अधिक समृद्ध हो सकेगा।'

टाटा की नई प्रीमियम हैचबैक ऑल्ट्रोज लॉन्च

■ दैनिक जलतेदीप, वासं, जयपुर

जयपुर। प्रीमियम हैचबैक सेगमेंट में प्रवेश करते हुए, टाटा मोटर्स ने ऑल्ट्रोज को लॉन्च किया। ऑल्ट्रोज टाटा मोटर्स के सभी अधिकृत डीलरशिप पर पांच ट्रिम लेवल्स में उपलब्ध होगी। पेट्रोल वर्जन के लिए इसकी शुरुआती कीमत 5.29 लाख रुपए और डीजल वर्जन के लिए 6.99 लाख रुपए है।

ऑल्ट्रोज नए अल्फा आर्किटेक्चर पर विकसित किया गया पहला और इम्पैक्ट 2.0 डिजाइन लैंग्वेज दर्शाने वाला दूसरा वाहन है। अपनी आकर्षक डिजाइन, उद्योग में पहली बार पेश की गई कई खूबियों और ग्लोबल एनसीएपी 5-स्टार रेटिंग की सबसे हाल में प्राप्त की गई उपलब्धि के साथ, ऑल्ट्रोज ने सुरक्षा, डिजाइन, ड्राइविंग डायनैमिक्स, टेक्नोलॉजी और ग्राहकों की खुशी में गोल्ड स्टैंडर्ड स्थापित किया है। ऑल्ट्रोज ग्राहकों को लुभाने के लिए पूरी तरह से तैयार है और यह 6 अलग-अलग फैक्ट्री-फिटेड कस्टमाइज होने वाले ऑप्शंस में आएगी।

राजेन्द्र पेटकर, चीफ टेक्नोलॉजी ऑफिसर, टाटा मोटर्स ने कहा, हमें अपनी प्रीमियम हैचबैक-ऑल्ट्रोज के लॉन्च की घोषणा कर खुशी हो रही है। ऑल्ट्रोज पहले से एक ऐसा प्रोडक्ट

है जिस पर हमें गर्व है क्योंकि यह टाटा एवं भारत की दूसरी कार है जिसे 5-स्टार ग्लोबल एनसीएपी की रेटिंग मिली है। यह एक ऐतिहासिक प्रोडक्ट है और सुरक्षा, डिजाइन, तकनीक, ड्राइविंग डायनैमिक्स और कस्टमर डिलाइट में गोल्ड स्टैंडर्ड का असली प्रतिनिधि है। हमें भरोसा है कि यह प्रोडक्ट हमारे ग्राहकों को न सिर्फ बेहतरीन ड्राइविंग अनुभव देगा बल्कि नए मानक भी स्थापित करेगा क्योंकि हम प्रीमियम हैचबैक सेगमेंट में कदम रखने के लिए तैयार हैं।

सेफ्टी का गोल्ड स्टैंडर्ड

ऑल्ट्रोज ने अपनी 5स्टार ग्लोबल एनसीपीए रेटिंग के साथ सुरक्षा में गोल्ड स्टैंडर्ड स्थापित किया है। इस कार की पेशकश श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ सेफ्टी फीचर्स के साथ की गई है, जैसे कि एंडवांस्ड अल्फा आर्किटेक्चर, एबीएस और सीएससी स्टैंडर्ड तौर पर एवं ड्युअल एयरबैग्स दिए गए हैं। ऊर्जा का अवशोषण करने वाले अल्फा आर्किटेक्चर के साथ यह व्यापक सुरक्षातंत्र सुनिश्चित करता है कि टाटा ऑल्ट्रोज में बैठे व्यक्ति को विश्वस्तरीय सुरक्षा मिले।

इम्पैक्ट 2.0 डिजाइन फिलॉसोफी पर आधारित, अल्ट्रोज की फ्यूचरिस्टिक डिजाइन में आधुनिक, इंटेलीजेंट और पसंद के अनुरूप तैयार किए गए इंटीरियर्स शामिल हैं। इसके 90 डिग्री तक खुलने वाले दरवाजे यह सुनिश्चित करते हैं कि यात्रियों को गाड़ी के अंदर जाने और बाहर निकलने के लिये पर्याप्त स्पेस मिले। लेजर कट एलॉय व्हील्स और इंटीरियर्स पर प्रीमियम ब्लैक पियानो फिनिश इसे सड़क पर बेमिसाल आकर्षण देती है और ग्राहक को स्टाइल से आने में मदद करती है।

टेक्नोलॉजी का गोल्ड स्टैंडर्ड

17.78 सेमी के टचस्क्रीन हरमन इंफोटेनमेंट और श्रेणी में अग्रणी अकॉस्टिक्स के साथ सुसज्जित, ऑल्ट्रोज को वॉयस कमांड रिकॉग्निशन, एप्पल कार प्ले, एंड्रॉयड ऑटो और टर्न-बाइ-टर्न फीचर के साथ भी पेश किया है, जो बिना किसी परेशानी के बेहतरीन अनुभव सुनिश्चित करता है।

ड्राइविंग डायनैमिक्स का गोल्ड स्टैंडर्ड

एक फाइन-ट्यून्ड सस्पेंशन के साथ अपने दमदार पेट्रोल एवं डिजाइन इंजनों के साथ, ऑल्ट्रोज वाकई में ग्राहक को एक डायनैमिक ड्राइविंग अनुभव देता है। मल्टी ड्राइव मोड्स के साथ क्रूज कंट्रोज फीचर शहर और हाईवे पर सहज ड्राइविंग सुनिश्चित करता है।

कस्टमर डिलाइट का गोल्ड स्टैंडर्ड

फ्लैट रियर फ्लोर, रियर एसी वेंट्स, केबिन स्पेस और 24 यूटिलिटी स्पेस यह सुनिश्चित करते हैं कि ड्राइविंग एक्सपीरिएंस सुविधाजनक और आरामदायक हो। एक वियरेबल की फॉब के साथ स्पेशियस इंटीरियर्स ग्राहक को शानदार अहसास कराता है।

येस बैंक ने लॉन्च किया एक्सलरेट सेविंग्स अकाउंट

■ दैनिक जलतेदीप, प्रेवि, नई मुंबई

विशेष रूप से उच्च रिटर्न की तलाश में रहने वाले ग्राहकों के लिए क्यूरेट किए गए वैल्यू एडेड प्रोडक्ट्स और पहलों को पेश करने के अपने प्रयास के अनुसार येस बैंक ने हाल ही में एक्सलरेट सेविंग्स अकाउंट लॉन्च किया है। यह स्मार्ट बचत खाता 1 लाख रुपए से अधिक शेष राशि को स्वचालित रूप से फिक्स्ड डिपॉजिट में हस्तांतरित करता है और इस तरह ग्राहक को अपनी अधिशेष राशि पर अधिक ब्याज दर की पेशकश की जाती है। बचत खाते में 1 लाख रुपए से अधिक की शेष राशि एक वर्ष एक दिन की अवधि के लिए (न्यूनतम 25,000 रुपये की एफडी राशि) एफडी में चली जाएगी।

इस खाते के साथ, ग्राहक अब ऑटो स्वीप इन और स्वीप आउट सुविधा के माध्यम से आसानी से लिक्विडिटी भी हासिल कर सकते हैं और बचत खाते में कई जमाओं को भी जोड़ सकते हैं। अगर खाता शेष 25,000 रुपए से कम हो जाता है, तो उस कमी को बचत खाते से जुड़ी एफडी से समायोजित किया जाता है। इस तरह केवल वास्तव में आवश्यक कमी की राशि को ही एफडी से बचत खाते में भेज दिया जाता है और शेष राशि पर एफडी का उच्च ब्याज मिलना जारी रहता है।

सरसों आदर्श कृषि परियोजना का शुभारम्भ

■ दैनिक जलतेदीप, प्रेवि, जयपुर

सोलेवेंट एक्सट्रेक्शन एसोसिएशन ऑफ इंडिया एवं सॉलिडरीडाड संस्था ने सरसों के उत्पादन में वृद्धि लाने एवं वर्ष 2025 तक इसके उत्पादन को 200 लाख टन तक प्राप्त करने के उद्देश्य से मस्टर्ड मिशन नामक परियोजना का राजस्थान के कोटा एवं बूंदी जिलों में 23 जनवरी 2020 को एक संयुक्त मिशन के अंतर्गत शुभारम्भ किया है। इस मिशन को प्राप्त करने हेतु किसानों को अभिनव प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से उन्नत कृषि तकनीक से अवगत कराने उच्च गुणवत्ता एवं उत्पादकता वाले बीजों के प्रयोग को बढ़ावा देने के साथ बेहतर बाजार से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। वर्तमान पायलट परियोजना के अंतर्गत राजस्थान के कोटा एवं बूंदी जिलो में 2500 किसानो के बीच अच्छी कृषि तकनीक से विकसित 100 मॉडल फार्म स्थापित किए जाएंगे।

सर्वश्रेष्ठ हेल्थ तथा फिटनेस फीचर्स के साथ लॉन्च किया 'हुवावे बैंड 4'

■ दैनिक जलतेदीप, प्रेवि, नई दिल्ली

हुवावे कंज्यूमर बिजनेस ग्रुप, भारत ने आज वियरेबल सेगमेंट में अपनी नवीनतम पेशकश के रूप में, हुवावे बैंड 4 को लॉन्च करने की घोषणा की। फिटनेस ट्रैकर एक जबर्दस्त बिल्ट-इन यूएसबी लाइन चार्जर के साथ अभी तक के शानदार एवं उपयोगी डिजाइन के साथ आता है, फिटनेस ट्रैकिंग के ढेरों फीचर्स, हुवावे के स्वामित्व वाले ट्रूसीन 3.5 पर आधारित निरंतर हार्ट रेट मोनिटरिंग, इसे एक आदर्श स्वास्थ्य साथी बनाता है। हुवावे बैंड 4 में सुविधाजनक चार्जिंग के लिए एक बिल्ट-इन यूएसबी इन-चार्ज और एक बैटरी जो एक बार चार्ज करने पर 9 दिनों तक पावर देती है। बड़े आकार के रंगीन टच स्क्रीन और किनारों पर 2.5 डी राउंडिंग वाले ग्लास फ्रंट से लैस, और एक ओलोफोबिक कोटिंग इसे एक खूबसूरत फिटनेस ट्रैकर बनाता है। बेहद सुविधाजनक, हुवावे बैंड 4 को 8 बिल्ट इन रंगीन वाच फेस से लैस किया गया है, साथ ही यूजर्स को विभिन्न अवसरों में पहनने के लिए हुवावे वॉच फेस स्टोर पर 66 वाच फेस उपलब्ध हैं। इसके शानदार एर्गोनॉमिक्स के अलावा हुवावे बैंड 4 फिटनेस पसंद लोगों के लिए ही बना है।

होण्डा बना BS-VI वाहनों की 1 लाख युनिट्स बेचने वाला पहला दोपहिया ब्राण्ड

■ दैनिक जलतेदीप, प्रेवि, नई दिल्ली

होण्डा मोटरसाइकल एण्ड स्कूटर इण्डिया प्रा लिमिटेड ने घोषणा की है कि इसके तीन भारत स्टेज 6 कम्प्लायन्ट मॉडल्स (एक्टिवा 125 BS-VI, SP 125 और एक्टिवा 6G) ने कुल 1,00,000 युनिट्स की बिक्री का आंकड़ा पार कर लिया है।

BS-VI बदलाव में अग्रणी होण्डा पहली दोपहिया निर्माता है, जिसने निर्धारित दिनांक 1 अप्रेल 2020 से तकरीबन आधे साल पहले बड़ी संख्या में BS-VI दोपहिया वाहनों को उपलब्ध कराना शुरू किया। तब से होण्डा अपने तीन BS-VI कम्प्लायन्ट मॉडल्स

(एक्टिवा 125 BS-VI,SP 125 और एक्टिवा 6G) के साथ इस क्षेत्र में अग्रणी दोपहिया निर्माता बनी हुई है, ये मॉडल बाजार में पहले से उपलब्ध हैं। होण्डा के BS-VI वाहनों के लिए मिली शानदार प्रतिक्रिया पर भारत को धन्यवाद देते हुए यदविंदर सिंह, गुलेरिया, सीनियर

वाईस प्रेजीडेन्ट, सेल्स एण्ड मार्केटिंग, होण्डा मोटरसाइकल एण्ड स्कूटर इण्डिया प्रा. लिमिटेड ने कहा, ''होण्डा को गर्व है कि यह निर्धारित दिनांक से तकरीबन 6 महीने पहले से ही दोपहिया उद्योग में BS-VI बदलाव में अग्रणी रही है। हमारी आधुनिक तकनीकों जैसे ईएसपी तथा अपने सेगमेन्ट में पहली बार पेश किए गए फीचर्स जैसे एसीजी स्टार्ट र मोटर और वाहनों की बेहतर माइलेज ने एक AQuietRevolution की शुरूआत की है। इसके अलावा होण्डा दोपहिया उद्योग में पहली बार अपने BS-VI वाहनों पर 6 साल का वारंटी पैकेज (3 साल स्टैण्डर्ड और 3 साल ऑप्शनल वारंटी) तथा आकर्षक रीटेल फाइनेंस योजनाएं लेकर आई हैं, जिसके तहत उपभोक्ता रु 10,000 तक के फायदे पा सकते हैं। यह उत्साह बढ़ता रहेगा क्योंकि होण्डा के मॉडल्स अधिक सशक्त हो रहे हैं और हम फरवरी 2020 से 100 फीसदी BS-VI प्रोडक्शन की ओर बढ़ रहे हैं।'

खेल दीप

सार-समाचार

राफेल नडाल का शॉट बॉल गर्ल के सिर पर लगा, खिलाड़ी ने 'किस' कर माफी मांगी

■ एजेंसी, सिडनी

विश्व के नंबर एक खिलाड़ी राफेल नडाल के लिए गुरुवार को टेनिस कोर्ट पर उस वक्त सबसे डरावना पल रहा, जब उनका शॉट बॉल गर्ल के सिर पर जाकर लगा। उन्होंने बताया कि कुछ वक्त के लिए मैं डर सा गया था।

यह मैच नडाल और अर्जेंटीना के फेडेरिको डेलबोनिस के बीच खेला जा रहा था। वे दूसरे दौर के तीसरे सेट में 4-1 से आगे थे, तभी यह वाकया हुआ। उनका रिटर्न शॉट बॉल गर्ल के हेड पर जाकर लगा। भीड़ की तरफ से तेजी से प्रतिक्रिया मिली। वे घबरा गए। मैच के बाद उन्होंने कहा कि मेरे लिए वह पल अच्छा नहीं था। सच कहूं तो मैं घबरा गया था।

सिर में बॉल लगने के बाद सबकी नजर बॉल गर्ल की तरफ थी। लेकिन उसने थम्ब का इशारा कर सब ठीक का इशारा किया, लेकिन नडाल और डेलबोनिस सीधे उसके पास गए और उसका हालचाल जाना। नडाल ने उसका कैप उतारा और उसे गाल पर किस किया। दर्शकों ने उनके इस व्यवहार पर तालियां बजाकर स्वागत किया। नडाल ने यह मैच 6-3, 7-6 (4) और 6-1 से जीता।

5 बल्लेबाजों ने तूफानी फिफ्टी ठोककर बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

■ एजेंसी, नई दिल्ली

भारत और न्यूजीलैंड के बीच ऑकलैंड के ईडन पार्क मैदान पर 5 मैचों की टी20 सीरीज का पहला मुकाबला काफी हाई स्कोरिंग रहा। अक्सर टी20 क्रिकेट में जब एक टीम 200 या इससे ज्यादा रन बना लेती है तो सामने वाली टीम जल्दी घुटने टेक देती है, लेकिन इस मैच में थोड़ा अलग देखने को मिला। यही कारण रहा कि 5 बल्लेबाजों ने मिलकर एक अनूठा वर्ल्ड रिकॉर्ड बना दिया है।

दरअसल, भारत बनाम न्यूजीलैंड टी20 मैच में कुल 5 बल्लेबाजों ने 50 या इससे ज्यादा रन की पारी खेली।

टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट के इतिहास में ऐसा पहली बार है जब दोनों टीमों के 5 बल्लेबाजों ने फिफ्टी प्लस स्कोर बनाया है। इनमें से 3 बल्लेबाज न्यूजीलैंड के

पहली बार 5 बल्लेबाजों ने बनाए 5 50+ स्कोर
कोलिन मुनरो 59 रन
केन विलियमसन 51 रन
रोस टेलर 54 रन नाबाद
केएल राहुल 56 रन
श्रेयस अय्यर 58 रन नाबाद

सिक्स हिटिंग प्रतियोगिता

इस मैच में दोनों टीमों के बीच छक्के लगाने की भी एक छोटी प्रतियोगिता हुआ। पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड ने 10 छक्के लगाए, जिसमें केन विलियमसन ने 4, रोस टेलर ने 3, कोलिन मुनरो ने 2 और मार्टिन गप्टिल ने 1 छक्का लगा। उधर, भारतीय टीम की भी ओर से इस मैच में 10 छक्के लगे, जिसमें लोकेश राहुल और श्रेयस अय्यर ने 3-3 छक्के लगाए। वहीं, रोहित शर्मा, विराट कोहली, मनीष पांडे और शिवम दुबे ने 1-1 छक्का जड़ा।

थे, जबकि दो बल्लेबाज भारतीय टीम के थे।

न्यूजीलैंड की ओर से सलामी बल्लेबाज कोलिन मुनरो, कप्तान केन विलियमसन और मिडिल ऑर्डर बल्लेबाज रोस टेलर ने अर्धशतक जड़ा। वहीं, जब भारत की पारी आई तो सलामी बल्लेबाज केएल राहुल ने तूफानी अर्धशतक ठोक दिया। हालांकि, विराट कोहली ने अपने एक और अर्धशतक से सिर्फ 5 रन से चूक गए वे 45 रन के निजी स्कोर पर आउट हो गए, लेकिन मैच फिनिशर के रूप में उभरे श्रेयस अय्यर ने ना सिर्फ अर्धशतक जड़ा, बल्कि मैच विनिंग सिक्स भी लगाया। इस तरह इस मैच में इन 5 बल्लेबाजों ने एक टी20 मैच में सबसे ज्यादा अर्धशतक लगाने का रिकॉर्ड मिलकर बना दिया।

टीम इंडिया का सलेक्टर बनने के लिए 3 दिग्गजों ने BCCI को भेजा आवेदन

■ एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने हाल ही में राष्ट्रीय चयनकर्ताओं के पद के लिए आवेदन मांगे। इसी कड़ी में भारतीय क्रिकेट टीम के 3 पूर्व दिग्गज खिलाड़ियों ने दिलचस्पी दिखाई है और आखिरी डेट से पहले इन दिग्गजों ने बीसीसीआइ को अपना आवेदन भेज दिया है। भारतीय टीम के पूर्व लेग स्पिनर लक्ष्मण शिवरामकृष्णनन के साथ-साथ पूर्व ऑफ स्पिनर राजेश चौहान और बाएं हाथ के पूर्व बल्लेबाज अमय खुरसिया ने बीसीसीआइ को चयनकर्ता के पद के लिए आवेदन भेजा है।

बता दें कि भारत की टीम के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेल चुके इन तीनों दिग्गजों ने पुष्टि कराई है कि उन्होंने सलेक्शन कमेटी में जगह पाने के लिए आवेदिन किया है। बीसीसीआइ ने इन आवेदनों के लिए आखिरी तारीफ शुक्रवार 24 जनवरी रखी थी। इससे पहले इन लक्ष्मण, राजेश और अमय ने अपना एप्लीकेशन बोर्ड को भेज दिया है। बीसीसीआइ मुख्य चयनकर्ता एमएसके प्रसाद और गगन खोड़ा को बाहर कार्यकाल पूरा होने पर बाहर कर रही है, जबकि सरनदीप सिंह, जतिन परांजपे और देवांग गांधी चयनसमिति में अगले एक सीजन के लिए बने रहेंगे।

भारतीय टीम में बेंसन एंड हेजेज वर्ल्ड चैंपियनशिप के हीरो रहे लक्ष्मण शिवरामकृष्णनन इस पद के लिए रेस में सबसे आगे हैं। उन्होंने 20 साल तक बतौर कॉमेंटेटर काम किया है। इसके अलावा वे नेशनल क्रिकेट एकेडमी में गेंदबाजी कोच भी रहे हैं। वहीं, आइसीसी की क्रिकेट कमेटी भी उन्होंने भूमिका निभाई है। जूनियर टीम के मुख्य चयनकर्ता वेंकटेश प्रसाद और भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाजी कोच संजय बांगर ने भी चयनकर्ता के रूप में बीसीसीआइ के साथ काम करने की इच्छा जताई है। हालांकि, इन दोनों दिग्गजों ने क्या बोर्ड को आवेदन भेजा इसकी पुष्टि नहीं हो सकी है।

बिजी शेड्यूल पर विराट कोहली को मिला पूर्व IPL चेयरमैन का साथ

■ एजेंसी, नई दिल्ली

आईपीएल के पूर्व चेयरमैन राजीव शुक्ला ने टीम के व्यस्त क्रिकेट कार्यक्रम को लेकर भारतीय कप्तान विराट कोहली की चिंता का समर्थन किया। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू सीरीज के पांच दिन के भीतर ही न्यूजीलैंड दौरे पर पहुंची भारतीय टीम के कप्तान कोहली ने गुरुवार को कहा था कि क्रिकेटर ऐसी स्थिति में पहुंच रहे हैं जब सीधे स्टेडियम पर लैंड करके खेलना शुरू करना होगा।

राजीव शुक्ला ने ट्वीट किया, 'मैं कोहली का समर्थन करता हूं कि कैलेंडर बहुत व्यस्त है। लगातार मैच और सीरीज नहीं होनी चाहिए। खिलाड़ियों को आराम और अनुकूलन का पूरा समय मिलना चाहिए।' उन्होंने इसके लिए प्रशासकों की समिति को दोषी ठहराया। शुक्ला ने कहा, 'शेड्यूल तय करने से पहले सीओए को इस

पर ध्यान देना चाहिए था।' कोहली ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टी-20 से पूर्व कहा था,'अब हम उस स्थिति के निकट पहुंच रहे हैं कि सीधे स्टेडियम पर लैंडिंग करके खेलना होगा. कार्यक्रम इतना व्यस्त हो गया है, लेकिन इतनी यात्रा करके अलग टाइम जोन वाले देश में आकर तुरंत ढल जाना आसान नहीं होता।' उन्होंने कहा, 'मुझे यकीन है कि भविष्य में इन चीजों को भी ध्यान में रखा जाएगा। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट ऐसा ही है जहां लगातार खेलना होता है।'

कोहली आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष पर बरकरार, रहाणे आठवें स्थान पर

■ एजेंसी, दुबई

भारतीय कप्तान विराट कोहली आईसीसी टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में शीर्ष पर बने हुए हैं जबकि उपकप्तान अजिंक्य रहाणे एक पायदान ऊपर आठवें स्थान पर पहुंच गए। कोहली के 928 अंक है जबकि दूसरे नंबर पर आस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ है जो उनसे 17 अंक पीछे हैं।

चेतेश्वर पुजारा 791 अंक लेकर छठे स्थान पर है। रहाणे के 759 अंक है । गेंदबाजों की रैंकिंग में जसप्रीत बुमराह 794 अंक लेकर छठे स्थान पर है जबकि आर अश्विन आठवें और मोहम्मद शमी दसवें स्थान पर हैं ।

रविंद्र जडेजा 438 अंक लेकर हरफनमौलाओं की सूची में तीसरे स्थान पर है । जिम्बाब्वे के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला के पहले मैच में दस विकेट से जीतने वाली

श्रीलंकाई टीम के एंजेलो मैथ्यूज शीर्ष 20 बल्लेबाजों में लौटे हैं । वह आठ पायदान चढकर 16वें स्थान पर हैं। इंग्लैंड के ओली पोप 52 पायदान की छलांग लगाकर 52वें स्थान पर हैं। सैम करन और डोम सिबले क्रमशः 64वें और 76वें स्थान पर हैं। बेन स्टोक्स हरफनमौलाओं की सूची में दूसरे स्थान पर है।

सेरेना विलियम्स का सफर थमा, तीसरे राउंड में चीनी प्लेयर से हारीं

■ एजेंसी, मेलबर्न

सेरेना विलियम्स का 24वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने का सपना अधूरा रह गया। 38 साल की अमेरिकी दिग्गज सेरेना को साल के पहले ग्रैंड स्लैम ऑस्ट्रेलियन ओपन के तीसरे राउंड में हार का सामना करना पड़ा। सेरेना सात बार यहां खिताब जीत चुकी हैं, लेकिन 2006 में तीसरे दौर में बाहर होने के बाद पहली बार इतनी जल्दी उनकी रवानगी हुई है।

सात बार की ऑस्ट्रेलियन ओपन चैम्पियन सेरेना को 27वीं सीड चीन की वांग कियांग ने मात दी। 2 घंटे 40 मिनट तक चले मुकाबले में कियांग ने सेरेना को 6-4, 6-7 (2-7), 7-5 से शिकस्त दी। अब वांग का सामना ट्यूनिशिया

की ओन्स जाबेयुर से होगा, जिन्होंने कैरोलिन वोज्नियाकी को 7-5, 3-6, 7-5 से हराया।

ऑस्ट्रेलिया की मार्गरेट कोर्ट के रिकॉर्ड 24 ग्रैंड स्लैम की बराबरी की कोशिश में जुटी आठवीं वरीयता प्राप्त सेरेना को निराशा हाथ लगी। उन्होंने आखिरी बार 2017 में ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतकर 23वें ग्रैंड स्लैम खिताब पर कब्जा जमाया था। इस बार ऑस्ट्रेलियाई ओपन में सेरेना अपनी पुरानी लय में नहीं दिखीं। हालांकि उन्होंने धमाकेदार शुरुआत की थी। पहले राउंड में सेरेना ने रूस की एनस्तासिया पोटापोवा के खिलाफ 6-0, 6-3 से जीत हासिल की थी। इसके बाद उन्होंने स्लोवेनिया की तमारा जिदानसेक पर आसान जीत के साथ तीसरे राउंड में जगह पक्की की थी।

सेरेना ने नहीं छोड़ी है 24वें ग्रैंड स्लैम की उम्मीद

ऑस्ट्रेलियाई ओपन से तीसरे ही दौर में बाहर होने के बावजूद सेरेना विलियम्स ने रिकॉर्ड 24वें ग्रैंड स्लैम खिताब की उम्मीद नहीं छोड़ी है और उनका मानना है कि वह इसे जीत सकती हैं। सेरेना 2017 के ऑस्ट्रेलियाई ओपन के बाद से 24वें खिताब के इंतजार में हैं। उस समय वह गर्भवती थीं। उसके बाद से वह चार ग्रैंड स्लैम फाइनल हार चुकी हैं। यहां हार के बाद उन्होंने कहा,'मैंने काफी गलतियां कीं, जो पेशेवर खिलाड़ी को नहीं करनी चाहिए।'

जेएलएफ में दीया कुमारी ने पुस्तक का किया विमोचन

■ जलतेदीप कासं, जयपुर

राजसमंद सांसद, दीया कुमारी ने जयपुर के डिग्गी पैलेस में चल रहे जी जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल में फ्रंट लॉन में शुक्रवार, 24 जनवरी को 'द कार्टियर्स- द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ द ज्वैलरी बिहाइंड द ज्वैलरी एम्पायर' पुस्तक का विमोचन किया। यह पुस्तक फ्रांसेस्का कार्टियर ब्रिकेल द्वारा लिखी गई है, जो स्वयं इस अवसर पर उपस्थित थी।

इस अवसर पर दीया कुमारी ने कहा कि यह पुस्तक कार्टियर्स के इतिहास के साथ-साथ दुनिया भर के शाही परिवार, जिनमें जयपुर भी शामिल है, के साथ उनके जुड़ाव की रोचक और आकर्षक जानकारी को कहानी के रूप में प्रस्तुत किया गया है।

जेकेके में कला एवं संस्कृति मंत्री बी.डी. कल्ला ने 'गांधी उत्सव' का किया उद्घाटन

■ जलतेदीप कासं, जयपुर

जवाहर कला केंद्र में शुक्रवार को कला एवं संस्कृति मंत्री, डॉ. बी. डी. कल्ला ने एक सप्ताह चलने वाले 'गांधी उत्सव' का उद्घाटन किया। इस उत्सव के तहत 30 जनवरी तक जेकेके की अलंकार व सुरेख कला दीर्घाओं में महात्मा गांधी पर आधारित प्रदर्शनियां - 'गांधी पर्व प्रदर्शनी', 'एमजी150' और 'गांधी विरासत कागजकला' आयोजित की जा रही हैं। इधर, रंगायन सभागार में काजल सूरी द्वारा निर्देशित नाटक 'महात्मा इन मेकिंग' का मंचन भी शुक्रवार शाम किया गया। इस अवसर पर जेकेके की महानिदेशक किरण सोनी गुप्ता और अतिरिक्त महानिदेशक (टेक्निकल), फुरकान खान भी उपस्थित थे।

इस अवसर पर कला एवं संस्कृति मंत्री, डॉ. बी. डी. कल्ला ने प्रदर्शनियों का दौरा किया और इनमें प्रदर्शित की जा रही कलाकृतियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि गांधी की शिक्षाएं आज की पीढ़ी के लिए उपयोगी व प्रेरणादायक हैं। जेकेके में आयोजित की जा रही ये प्रदर्शनियां राजस्थान सरकार द्वारा आयोजित किए जा रहे महात्मा गांधी के 150 वर्ष एवं राजीव गांधी के 75 वर्ष के वर्षभर चलने वाले उत्सवों का हिस्सा हैं। मंत्री ने कहा कि इनमें प्रदर्शित की जा रही विभिन्न कलाकृतियां गांधी के जीवन व संदेशों पर आधारित हैं। डॉ. कल्ला ने प्रदर्शनी के कलाकारों व नाटक के निर्देशक को सम्मानित भी किया।

पेंट, ब्रश, लेंस व शेडो पपेट्स के माध्यम से कर रहे हैं गांधी को याद : यह प्रदर्शनी महात्मा गांधी स्मरण में डिजाइन की गई है, जिसमें समकालीन कलाकारों ने गांधी को कैनवास व सेल्युलॉइड जैसे विभिन्न माध्यमों से कैप्चर किया है। प्रदर्शनी जेकेके की अलंकार गैलरी में 30 जनवरी तक प्रतिदिन सुबह 11 बजे से शाम 7 बजे तक चलेगी। यह प्रदर्शनी इंदिरा गांधी नेशनल सेंटर फॉर आर्ट्स के सहयोग से लगाई गई है। यह प्रदर्शनी गांधी की मान्यताओं, विचारधाराओं के डिजिटलीकरण को दिखाने का प्रयास करती है। इसमें यह भी बताया जा रहा है कि ये नई दुनिया में कैसे विकसित हुए हैं और गांधी के विचार युवा पीढ़ियों को किस प्रकार प्रभावित करते हैं। पेपरमेशी के जरिए यह सब दर्शाया जा रहा है, जो कंवर लाल द्वारा एक माध्यम के रूप में पांच इंस्टालेशंस के जरिए प्रदर्शित किए जा रहे हैं। सुरेख गैलरी में यह प्रदर्शनी 30 जनवरी तक सुबह 11 बजे से शाम 7 बजे तक चलेगी। चंडीगढ़ ललित कला अकादमी के सहयोग से इसका आयोजन किया जा रहा है। जया जेटली द्वारा क्यूरेट की गई 'गांधी विरासत कागजकला' एग्जीबिशन हस्तनिर्मित वस्तुओं को समर्पित है, जो राष्ट्रपिता को श्रद्धांजलि के रूप में कई भारतीय लिपियों में कैलीग्राफी (सुलेख) की कला को प्रोत्साहित करती है।

आरएसएस के वरिष्ठतम प्रचारक धनप्रकाश का 103 वर्ष की आयु में निधन

■ जलतेदीप कासं, जयपुर

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठतम प्रचारक धनप्रकाश का शुक्रवार को शाम चार बजे जयपुर में निधन हो गया। उन्होंने संघ कार्यालय भारती भवन में अंतिम सांस ली। इसी माह 10 जनवरी को धन प्रकाश का 103वां जन्मदिन मनाया गया था। इस दौरान संघ के सहसरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले ने उनको माला पहनाकर व शॉल भेंटकर शुभकामना दी थी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के इतिहास में धनप्रकाश ऐसे पहले प्रचारक है, जिन्होंने अपने जीवन के 103 बसंत देखे। संघ कार्यालय प्रमुख सुदामा शर्मा के अनुसार धनप्रकाश स्वस्थ थे। शुक्रवार सुबह भी प्रतिदिन की तरह सुबह जल्दी उठे और अपने दैनिक कार्य सम्पन्न किए। स्नान पूजा करके दोपहर में भोजन किया था। धन प्रकाश का अंतिम संस्कार शनिवार सुबह नौ बजे किया जाएगा। इससे पहले उनकी पार्थिव देह भारती भवन पर दर्शनाथ रखा जाएगा। धन प्रकाश देश के उन चुनिंदा प्रचारकों में से एक है जिन्हें संघ के सभी सरसंघचालकों का सानिध्य और उनके साथ काम करने का सौभाग्य मिला है। उम्र के अंतिम पड़ाव तक भी लेखन और अध्ययन में अपना समय व्यतीत करते थे।

सबसे लंबे समय तक स्वस्थ होकर जीने वाले धन प्रकाश : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के इतिहास में धनप्रकाश ऐसे पहले प्रचारक है, जिन्होंने अपने जीवन के 103 बसंत देखे। दरअसल संघ में प्रचारक वृत्ति एक कठिन साधना है। लगातार काम, प्रवास और अपने स्वास्थ्य की उपेक्षा के कारण अधिकांश प्रचारक जीवन के आठ दशक भी पूरे नहीं कर पाते। संघ के इतिहास में कई उतार चढ़ाव के साक्षी रहे वरिष्ठ प्रचारक धन प्रकाश एक स्वयंसेवकत्व को चरितार्थ करते हुए अपने अंतिम समय दैनिक काम स्वयं करते रहे। वे चाहते तो सहयोगी मिल ले सकते थे, लेकिन कठिन उन्होंने कभी दूसरों को कष्ट देना उचित नहीं समझा।

एलएन कॉलेज ऑफ डिजाइन की वार्षिक प्रदर्शनी का आयोजन

■ जलतेदीप , कासं, जयपुर

जयपुर के सी स्कीम में स्थित एलएन स्कूल ऑफ आर्टस डिजाइन में शुक्रवार को वार्षिक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया इसमें इटली के फैशन डिजाइनर

द्वारा निर्मित वस्त्रों का भी रैम्प पर प्रदर्शन किया गया। कॉलेज के निदेशक रामवीर यादव के अनुसार इस प्रदर्शनी में इटली से आई डिजाइनर मनुएला कतनीआ ने फीता काटर प्रदर्शनी का शुभारंभ किया मुख्य अतिथि के रूप में उन्होंने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि फैशन की दुनिया में हमें नित नये प्रयोग करने होंगे। इस अवसर पर विद्यार्थियों के द्वारा बनाए गए डिजाइनर गारमेंट्स, घर को सजाने वाले डिकोरेटिव इंटिरियर प्रोडेक्ट की प्रदर्शनी करी गई। छात्राओं ने रैम्प वॉक करके अपनी कला का प्रदर्शन किया।

दसवें राष्ट्रीय मतदाता दिवस की शपथ

जलतेदीप कासं, जयपुर। दसवें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर शुक्रवार को कलक्ट्रेट परिसर के तहसील चौक में कलक्ट्रेट स्थित राजकीय विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने मतदाता दिवस की शपथ ग्रहण की। सहायक कलक्टर डॉ. शिल्पा सिंह (आईएएस) ने निर्वाचन प्रक्रिया में अधिक से अधिक नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मतदाता दिवस की शपथ दिलवाई। शपथ ग्रहण के दौरान अतिरिक्त जिला कलक्टर-प्रथम इकबाल खान, उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला कलक्टर-द्वितीय पुरुषोत्तम शर्मा, अतिरिक्त जिला कलक्टर-तृतीय राजेन्द्र कविया, अतिरिक्त जिला कलक्टर-पूर्व राजीव पांडे, अतिरिक्त जिला कलक्टर-उत्तर बीरबल सिंह, अन्य प्रशासनिक व जिला स्तरीय अधिकारी तथा बड़ी संख्या में अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। सभी ने देश की लोकतांत्रिक परम्पराओं की मर्यादा बनाए रखने तथा निर्वाचन की गरिमा अक्षुण रखने की शपथ ग्रहण की।

गौरतलब है कि इस वर्ष 'मजबूत लोकतंत्र के लिए मतदाता शिक्षा' विषय पर राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया जा रहा है। इसके तहत स्कूलों, महाविद्यालयों तथा अन्य शैक्षणिक संस्थानों में भी इस विषय पर आधारित विभिन्न प्रतियोगिताओं और कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

आठ बीघा भूमि पर अवैध कॉलोनी बसाने का प्रयास किया विफल

जलतेदीप कासं, जयपुर। जयपुर विकास प्राधिकरण के प्रवर्तन दस्ते ने शुक्रवार को सामुहिक अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए मोहनपुरा सांगानेर में करीब आठ बीघा भूमि पर अवैध कॉलोनी बसाने का प्रयास विफल किया। साथ ही सड़क सीमा से अवैध अतिक्रमण हटाए। मुख्य नियंत्रक-प्रवर्तन रघुवीर सैनी ने बताया कि जोन-14 क्षेत्र मोहनपुरा तहसील सांगानेर में दो स्थानों पर करीब आठ बीघा निजी खातेदारी भूमि पर ग्रेवल रोड व अन्य निर्माण कर अवैध कॉलोनी बसाई जा रही थी जिन्हें जेसीबी से ध्वस्त कर कॉलोनी बसाने का प्रयास विफल किया। उन्होंने बताया कि पीआरएन-नॉर्थ में महाराणा प्रताप रोड से रंगोली गार्डन तक सड़क सीमा पर करीब दो किलोमीटर तक 15 थड़ी ठेले, 33 साईन बोर्ड, 18 चबूतरे व अन्य निर्माण कर अतिक्रमण कर लिया था जिन्हें जेसीबी से हटाया गया। जोन-7 में वैशाली नगर क्षेत्र में चित्रकूट सेक्टर नं. 9 में भूखण्ड संख्या-235 से 250 तक करीब 14 भूखण्डधारियों द्वारा 30 फीट अनुमोदित सड़क सीमा में पॉच फीट सड़क सीमा में अवैध दीवारें व गेट लगा लिये गये थे जिन्हें जेसीबी ध्वस्त कर सड़क सीमा अतिक्रमण मुक्त कराया गया।

बेटियों को आगे बढ़ाने के लिए महिलाओं की सोच बदलना जरूरी : पाठक

■ जलतेदीप कासं, जयपुर

महिला एवं बाल विकास विभाग के शासन सचिव के.के .पाठक ने कहा है कि बेटियों को आगे बढ़ाने के लिए महिलाओं को अपनी मानसिक सोच बदलनी होगी। पाठक शुक्रवार को राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय सांगानेर में महिला अधिकारिता एवं जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय बालिका दिवस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि एक महिला के शिक्षित होने से पूरा परिवार शिक्षित होगा तथा भावी पीढ़ी के शिक्षित होने की नींव मजबूत होगी। शिक्षित परिवार में ही बालिकाओं का सर्वांगीण विकास हो पाएगा। उन्होंने कहा कि बालिकाओं को सपने देखने का पूरा हक है कल्पनाओं की उड़ान अंतरिक्ष तक जानी चाहिए ताकि हमेशा सितारों के बीच रह सके। बालिकाओं को चाहिए कि बेहतर बनने के लिए स्वयं को अच्छा बनाए। उन्होंने कहा कि अच्छे शैक्षणिक संस्थान का मापदंड सर्वांगीण विकास होना चाहिए विद्यार्थी शिक्षा ही नहीं बल्कि खेल एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से भी जीवन की चुनौतियों से लड़ना सीखता है । जिला कलेक्टर जोगाराम ने अपने प्रेरक उद्बोधन में कहा की बालिकाओं के विकास के लिए शिक्षा का विस्तार गांव गांव ढ़ाणियों में किया जाना चाहिए ताकि ग्रामीण परिवेश से प्रतिभाएं बड़े कैनवास पर अपना योगदान दे सकें। महिला अधिकारिता विभाग की निदेशक पी.सी. पवन ने अपने उद्बोधन में बालिकाओं के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा को जरूरी बताया।

प्रारंभ में कार्यक्रम निदेशक एवं परियोजना निदेशक जेंडर प्रकोष्ठ राजकुमारी हाड़ा ने आगंतुकों का अभिवादन किया तथा मुख्य अतिथि ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का औपचारिक रूप से शुभारंभ किया। इस अवसर पर विद्यालय की बालिकाओं द्वारा लघु नाटिका का मंचन किया गया।

आचार्य लोकेश ने अपने कार्यों से भारत का गौरव बढ़ाया : कैलाश चौधरी

■ जलतेदीप ब्यूरो, दिल्ली

राजस्थान में बाड़मेर जिले के पचपदरा में जाये जन्में अहिंसा विश्व भारती के संस्थापक आचार्य डॉ लोकेशजी को विश्व में अहिंसा, शांति, सद्भावना की स्थापना तथा नैतिक व मानवीय मूल्यों के उत्थान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए महात्मा गांधी नोबेल अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा। यह अवार्ड उन्हे 26 जनवरी को ब्रिटेन की पार्लियामेंट लंदन में दिया जाएगा।

इस अवसर पर भारत के राजदूत दीपक वोरा, लंदन पार्लियामेंट के सदस्य गरेथ थॉमस, बॉब ब्लैकमैन, लंदन के मेयर राजराजेश्वर गुरूजी व अनेक प्रख्यात उद्योगपति भाग लेंगे। उल्लेखनीय है कि सर्वधर्म समन्वय के प्रतीक आचार्य डॉ लोकेश को इससे पूर्व भी भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय साम्प्रदायिक सद्भाव पुरस्कार, संयुक्त राष्ट्रसंघ में एम्बेसडर ऑफ़ पीस, कैलिफ़ोर्निया की असेम्बली में 'की टू सिटी' अवार्ड तथा गुलजारीलाल नन्दा राष्ट्रीय नैतिक पुरूस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। आचार्य डॉ लोकेश को लंदन रवाना होने से पूर्व नई दिल्ली के इण्डिया इंटरनेशनल सेंटर में हिमालय के संरक्षण पर आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भावपूर्ण विदाई दी गयी जिसमें केन्द्रीय मंत्री कैलाश चौधरी, हिमाचल के कृषिमंत्री डॉ मार्कण्ड, बौद्ध भिक्खु संघासेना, लद्दाक्ख के सांसद नामगयाल, पद्मश्री डॉ नागेंद्र व नेपाल के प्रख्यात उद्योगपति डॉ विनोद चौधरी ने खड़े होकर भावपूर्ण स्वागत किया।सभी ने एक स्वर में कहा कि आचार्य लोकेशजी ने अपने कार्यों से भारत देश का गौरव बढ़ाया है।

आचार्य लोकेश ने कहा कि एक संत के लिए पुरस्कार व तिरस्कार ज्यादा महत्व नहीं होता है किन्तु इससे कार्य करने की और अधिक ज़िम्मेदारी बढ़ जाती है । उन्होंने विश्व के मौजूदा हालात पर चर्चा करते हुए कहा कि नैतिक चारित्रिक व मानवीय मूल्यों के क्षेत्र में कार्य करने वालों को और अधिक सक्रिय होने की जरूरत हैं।आचार्य लोकेश लंदन पार्लियामेंट में महात्मा गांधी पर व्याख्यान भी देंगे ।

सीएए के डर से भारत छोड़ रहे बांग्लादेशी घुसपैठिए, पिछले एक महीने में आई तेजी

■ एजेंसी, कोलकाता

नागरिकता संशोधन कानून के लागू होने के बाद से भारत में रह रहे बांग्लादेशी घुसपैठिये को डर सताने लगा है। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने शुक्रवार को कहा कि नागरिकता संशोधन कानून के बाद से भारत में रह रहे अवैध बांग्लादेशी नागरिक अपने देश वापस जाने लगे हैं। पिछले एक महीने में अवैध नागरिकों के देश छोड़ने की घटनाओं में वृद्धि देखने के मिली है। अर्धसैनिक बल के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि अवैध रूप से भारत में बसने वालों को नागरिकता कानून का डर सताने लगा है। जबसे सीएए लागु हुआ है तबसे अवैध नागरिकों के अपने देश लौटने का सिलसिला शुरू हो गया है।

वापस लौटने के मामलों में तेजी

बीएसएफ इंस्पेक्टर जनरल वाईबी खुरानिया ने कहा, पिछले एक महीने में देश के सीमावर्ती इलाकों से अवैध बांग्लादेशी नागरिकों के देश छोड़ने में काफी वृद्धि हुई है। अकेले जनवरी में हमने 268 अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों को पकड़ा था, जिनमें से ज्यादातर पड़ोसी देश बांग्लादेश में वापस जाने की कोशिश कर रहे थे।

जिस रास्ते आए थे, उसी रास्ते वापस

अधिकारियों के मुताबिक, अंतरराष्ट्रीय सीमा के बड़े इलाके में फेंसिंग और बिजली नहीं है इसका फायदा उठाकर घुसपैठिए भारत में प्रवेश करने में सफल हो जाते हैं, लेकिन अब यही घुसपैठिए उसी रास्ते से वापस भाग रहे हैं।

भारत ने 445 बांग्लादेशियों को भेजा वापस

वहीं, इससे पहले बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश कि तरफ से कहा गया था कि पिछले दो महीनों में 445 बांग्लादेशी नागरिक वापस भेजे गए हैं। बीजीबी के महानिदेशक मेजर जनरल मुहम्मद शफीनुल इस्लाम के अनुसार 2019 में अवैध रूप से सीमा पार करने पर 1000 लोगों को बांग्लादेश में गिरफ्तार किया गया था जिनमें से 445 नवंबर-दिसंबर में आए थे।

नित्यानंद की जमानत खारिज करने को लेकर याचिका दाखिल

■ एजेंसी, बेंगलुरु

कर्नाटक उच्च न्यायालय में एक शिकायतकर्ता द्वारा स्वयंभू धर्मगुरु नित्यानंद की जमानत खारिज करने को लेकर याचिका दाखिल की गई है। इसमें सुनवाई में पेश नहीं होने से लेकर फर्जी पासपोर्ट पर देश से भागना और फर्जीवाड़े आदि के आरोप लगाए गए हैं। वहीं, इस मामले में कोर्ट ने अगले सप्ताह के लिए सुनवाई की बात कही है। कोर्ट ने नित्यानंद को नोटिस भेजने का भी आदेश दिया है।

अहमदाबाद के हाथीजण में स्थित नित्यानंद आश्रम में बच्चों को बंधक बनाने के मामले में गुजरात पुलिस ने नित्यानंद और उसकी दो सेविकाओं प्राणप्रिया और प्रियतत्वा के खिलाफ कोर्ट में चार्जशीट फाइल की है। पुलिस ने कोर्ट में पेश की 83 पन्नों की चार्जशीट में 50 गवाहों के बयान दर्ज किए हैं। पुलिस के अनुरोध के बाद इंटरपोल ने नित्यानंद के खिलाफ ब्लू नोटिस जारी किया है। गुजरात पुलिस ने नित्यानंद के खिलाफ रेड नोटिस जारी करने के लिए प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। महिलाओं के साथ संबंध व अश्लील सीडी को लेकर पहले भी विवादों में रहा नित्यानंद बेंगलुरू की दो बहानों को अहमदाबाद आश्रम में लाने के बाद चर्चा में आया। लड़कियों के पिता ने अहमदाबाद पहुंचकर नित्यानंद के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई।

विदेश

तूफान ग्लोरिया की चपेट में आकर 11 लोगों की मौत, चार अब भी लापता

एजेंसी, बार्सिलोना। स्पेन के पूर्वी और दक्षिणी तट पर तबाही मचाने वाले तूफान ग्लोरिया के कारण मरने वालों की संख्या गुरुवार को 11 हो गयी । बचावकर्मी चार लापता लोगों की तलाश कर रहे हैं। उत्तर पूर्वी कैटेलोनिया क्षेत्र में नागरिक सुरक्षा अधिकारियों ने बताया कि तटीय अमेटला दे मार में मछली पकड़ रहे 50 वर्षीय व्यक्ति की मौत के साथ ही अब तक मारे गए लोगों की संख्या बढ़कर 11 हो गई। इससे पहले काबासेस में एक वाहन के भीतर एक व्यक्ति का शव मिला था और पूर्वी एलिकेंट क्षेत्र के अल्कोई में भारी बारिश के कारण एक घर ढह गया। इसमें एक 75 वर्षीय महिला की मौत हो गई। इसके अलावा रविवार से तूफान की चपेट में आकर कुछ लोगों की मौत हो चुकी थी। तूफान के कारण तेज हवाएं, भारी बारिश और बर्फबारी हो रही है।अधिकारियों का कहना है कि मरनेवालों की संख्या में बढ़ोत्तरी हो सकती है क्योंकि कातालोनिया और बालेरिक द्वीपसमूह पर चार लोग अब भी लापता हैं।

कद्दावर उम्मीदवार बिडेन को समर्थन दे सकती हैं कमला हैरिस

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के लिए उम्मीदवारी के दौर से खुद को अलग करने के बाद अब कैलिफोर्निया से भारतवंशी सांसद कमला हैरिस ने डेमोक्रेटिक पार्टी से उम्मीदवारी में सबसे आगे चल रहे पूर्व उप राष्ट्रपति जो बिडेन को समर्थन देने की मंशा जाहिर की है। बता दें कि पिछले ही माह उन्होंने खुद को चुनावी दौर से अलग करने का फैसला किया। डेमोक्रेटिक पदाधिकारियों ने संकेत दिया है कि कमला पार्टी के सबसे कद्दावर उम्मीदवार बिडेन को समर्थन देने का एलान कर सकती हैं। पदाधिकारियों का कहना है कि फिलहाल सीनेट में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ जारी महाभियोग की प्रक्रिया के कारण वह अपने समर्थन का ऐलान नहीं कर रहीं। बता दें कि उम्मीदवारी की होड़ से कमला के बाहर होने पर बिडेन ने उन्हें सहयोगी कहकर संबोधित किया था। उनकी तारीफ करते हुए बिडेन ने कहा था कि कमला दमदार नेता हैं और आगे चलकर राष्ट्रपति, उप राष्ट्रपति या सुप्रीम कोर्ट के जज का पद ग्रहण कर सकती हैं।

पुतिन के संवैधानिक सुधारों पर संसद के निचले सदन की मुहर, 450 में से 432 सांसदों का समर्थन

एजेंसी, मॉस्को। रूस की संसद के निचले सदन ड्यूमा ने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा प्रस्तावित संवैधानिक सुधारों को मंजूरी दे दी है। निचले सदन में गुरुवार को हुए मतदान में 450 में से 432 सांसदों ने इनका समर्थन किया। अब उच्च सदन की मंजूरी से पहले प्रस्ताव पर संशोधन का सुझाव देने के लिए सांसदों के पास 15 दिन का समय है। व्यापक संवैधानिक सुधारों की पुतिन की पेशकश के बाद प्रधानमंत्री दिमित्री मेदवेदेव और उनकी कैबिनेट ने इस्तीफा दे दिया था। संविधान में बदलाव के प्रस्तावों पर देश में जनमत संग्रह कराया जाएगा। नए बदलाव के बाद सत्ता की चाबी राष्ट्रपति के बजाय संसद के पास होगी। सत्तारूढ़ यूनाइटेड रशिया पार्टी के सर्गेई नेवरोव ने शुक्रवार को कहा, हमने सभी सांसदों से आह्वान किया था कि वे हमारे राष्ट्रीय नेता पुतिन द्वारा प्रस्तावित संविधान के महत्वपूर्ण परिवर्तनों का समर्थन करें।

बोल उठी मिस्र की 3000 साल पुरानी ममी, थ्री-डी प्रिंटिंग के जरिए स्वर प्रणाली विकसित

लंदन, एजेंसी। मिस्र के पिरामिडों और ममी निश्चित रूप से हमेशा से दुनिया की दिलचस्पी रही है। इस पर समय-समय पर कई ऐसा चौंकाने वाली खोजें हुई हैं। इन खोजों ने दुनिया का आश्चर्य में डाल दिया है। कुछ ऐसी ही खोज मॉस्को के कुर्चतोव इंस्टीट्यूट के वैज्ञानिकों ने की है, जो शायद ही अब तक कभी हुई हो। शोधकर्ताओं ने थ्री-डी प्रिंटिंग के जरिए स्वर प्रणाली विकसित कर तीन हजार साल पुरानी मिस्र की एक ममी को आवाज दी है। माना जा रहा है कि अपने तरीके के इस पहले शोध के माध्यम से प्राचीन मनुष्यों की आवाज सुनने में मदद मिल सकती है। शोधकर्ताओं में शामिल लंदन यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों का मानना है कि मिस्र की नेसयामुन ममी 1099 से 1069 ईसा पूर्व के बीच फेराओ रामसेस द्वितीय के राजनीतिक रूप से अस्थिर शासन के दौरान की है।

पत्नी और बेटे संग कोर्ट नहीं पहुंचे आजम, बढ़ सकती हैं मुश्किलें

■ एजेंसी, रामपुर

समाजवादी पार्टी से सांसद आजम खान, पुत्र अब्दुल्ला आजम और पत्नी तजीन फात्मा की मुश्किलें बढ़ती ही जा रही हैं। शुक्रवार को अब्दुल्ला

आजम के दो जन्म प्रमाण पत्र वाले मामले में सुनवाई हुई। हालांकि वह इस दौरान कोर्ट नहीं पहुंचे। मामले में एडीजे 6 की कोर्ट ने पुलिस से रिपोर्ट तलब की है। अब मामले में अगली सुनवाई 11 फरवरी को होगी। बता दें कि कोर्ट ने धारा 82 का नोटिस जारी कर रखा है। पुलिस शहर में आजम खान व उनके परिवार के विरुद्ध मुनादी भी करा चुकी है। इससे पहले पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर सांसद आजम खां के घर पर धारा-82 का नोटिस चस्पा किया था। पिछली बार ही कोर्ट में चल रही सुनवाई के दौरान लगातार गैरहाजिर रहने पर सांसद आजम खां के खिलाफ कई मामलों में धारा-82 (कुर्की की उद्घोषणा) का नोटिस जारी किया था। अब्दुल्ला आजम के दो जन्म प्रमाण पत्र होने के मामले में कोर्ट सांसद आजम खां, विधायक डॉ. तजीन फात्मा और अब्दुल्ला के खिलाफ धारा-82 का नोटिस जारी करने का आदेश जारी कर चुका है।

पुलिस के मुताबिक सांसद के खिलाफ लोकसभा के चुनाव के दौरान मतदान केंद्र तक कार से जाने और वहां पर पत्रकारों से बातचीत करने के आरोप में दर्ज मुकदमे में जो धारा-82 का नोटिस जारी हुआ था उसमें हाईकोर्ट से स्टे मिल गया है। अन्य मामलों में कार्रवाई जारी है।

जेएनयू छात्रों को हाईकोर्ट ने दी राहत, पुरानी फीस पर ही कराएं रजिस्ट्रेशन

■ एजेंसी, नई दिल्ली

जेएनयू छात्रसंघ ने विवि प्रशासन के हॉस्टल फीस बढ़ोत्तरी के फैसले के खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट में जो याचिका दायर की थी, उस पर अदालत ने छात्रों को अंतरिम राहत दी है। अदालत ने सुनवाई के बाद छात्रों को राहत देते हुए कहा कि जहां तक रजिस्ट्रेशन करने से बचे 10 प्रतिशत छात्रों की बात है तो उन्हें एक हफ्ते के अंदर पुरानी फीस पर ही अपना रजिस्ट्रेशन कराना होगा। इन छात्रों से कोई लेट फीस भी नहीं ली जाएगी। अदालत ने इस मामले की सुनवाई की अगली तारीख 28 फरवरी तय की है।

इससे पहले जब सुनवाई की शुरुआत हुई तो छात्रसंघ के वकील ने अदालत को बताया कि कुछ बच्चे जो बढ़ी हुई फीस जमा कर रहे हैं, वह विश्वविद्यालय प्रशासन के डर से कर रहे हैं क्योंकि प्रशासन ने उनसे कहा है कि अगर वो बढ़ी हुई फीस नहीं भरते तो उनकी सेवाएं वापस ले ली जाएंगी। इस पर कोर्ट ने छात्रों को अंतरिम राहत देते हुए फैसला सुनाया।

बीएसएफ के बेड़े में शामिल होंगे एंटी ड्रोन सिस्टम, बड़ी सैन्य ताकत

■ नई तकनीकि से दुश्मनों को मुंहतोड़ जवाब देगी भारतीय सेना

■ एजेंसी, श्रीनगर

जम्मू कश्मीर में आतंकवाद को शह देने के लिए नित नए मंसूबे रच रहे पाकिस्तान को नई तकनीक से मुंहतोड़ जवाब देने की तैयारी है। पंजाब की तरह जम्मू-कश्मीर में भी पाक ने ड्रोन की मदद से नापाक हरकत की तो उसे एंटी ड्रोन तकनीक से तुरंत नाकाम बना दिया जाएगा। सीमा सुरक्षा बल के बेड़े को अत्याधुनिक बनाने की मुहिम के तहत खरीदे जा रहे 10 एंटी ड्रोन सिस्टम में से पांच को जम्मू में

स्थापित करने की योजना है। एंटी ड्रोन सिस्टम को ड्रोन कैचर भी कहा जाता है। इस तकनीक की सहायता से दो किलोमीटर की दूरी से दुश्मन के ड्रोन का सिग्नल जाम कर उसे गिराया जा सकता है। एंटी ड्रोन सिस्टम महज पांच सेकेंड के अंदर यह कार्रवाई करने की क्षमता रखता है। रडार युक्त यह सिस्टम आसानी से कहीं भी मूव हो सकता है। ड्रोन कम ऊंचाई पर उड़ान भरता है, ऐसे में वायुसेना के बड़े रडार के मुकाबले एंटी ड्रोन सिस्टम का रडार इसे आसानी से पकड़ सकता है।

भारतीय कंपनी से खरीदने की प्रक्रिया निर्णायक दौर में

पंजाब में आतंकवाद को शह देने के लिए पाकिस्तान के ड्रोन का इस्तेमाल करने के बाद गत वर्ष अक्टूबर में गृह मंत्रालय ने सीमा सुरक्षा बल को एंटी ड्रोन तकनीक खरीदने के निर्देश दिए थे। उच्च पदस्थ सूत्रों के अनुसार इस नई तकनीक को एक भारतीय कंपनी से खरीदने की प्रक्रिया निर्णायक दौर में है। यह तकनीक मिलने के बाद इसे पंजाब के पठानकोट से सटे जम्मू संभाग के कठुआ के अलावा सांबा, जम्मू व अखनूर के संवेदनशील हिस्सों में लगाया जा सकता है। पांच एंटी ड्रोन सिस्टम पंजाब में लगेंगे।

कार्रवाई के लिए रेडियो फ्रीक्वेंसी रिसीवर, सेंसर्स व जैमर लगे होंगे : विदेशी तकनीक के आधार पर बनाए गए एंटी ड्रोन सिस्टम में दुश्मन के ड्रोन को अपने इलाकों में आने से पहले कार्रवाई के लिए रेडियो फ्रीक्वेंसी रिसीवर, सेंसर्स और जैमर लगे होंगे। इसके रडार तेज गति से 360 डिग्री के एंगल पर घूमते हुए सटीक जानकारी देगा कि हवा में दुश्मन के ड्रोन कितनी दूरी व ऊंचाई पर है। सिस्टम में हाई डेफिनेशन कैमरे भी होंगे, जो दिन और रात में दूर तक देखने में सक्षम होंगे।

स्वतत्वाधिकारी मैसर्स जलतेदीप (जयपुर) की ओर से मुद्रक, प्रकाशक पदम मेहता द्वारा दीपक ऑफसेट प्रिंटर्स, एफ-77, करतारपुरा, सुदर्शनपुरा औद्योगिक क्षेत्र, जयपुर से मुद्रित तथा जलतेदीप (जयपुर) कार्यालय ई-287, लालकोठी, जयपुर से प्रकाशित फोनः 2742116, फैक्सः5102727 संपादकः पदम मेहता